आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 25 | रांची, शनिवार, 04 जनवरी 2025 (पौष शुक्ल 05, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये, email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

राज्यकर्मियों को मिलेगा 53 प्रतिशत डीए, आदेश जारी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के कर्मियों को 1 जुलाई से 53 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) मिलेगा। इसका आदेश वित्तय सचिव प्रशांत कुमार ने 3 जनवरी, 2025 को जारी कर दिया है। इसकी जानकारी संबंधितों को दी है। प्रस्ताव पर कैबिनेट की स्वीकृति 24 दिसंबर, 2024 की बैठक में दी गई है। जारी आदेश के मुताबिक भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (व्यय) ने केन्द्रीय कर्मियों को पुनरीक्षित वेतनमान / वेतन संरचना (सातवां वेतनमान) में 1 जुलाई, 2024 के प्रभाव से महंगाई भत्ते की दर को 50% की विद्यमान दर से बढ़ाकर 53% के रूप में स्वीकृत किया है।

उपर्युक्त पृष्ठभूमि में केन्द्र के अनुरूप राज्यकर्मियों को वर्तमान पुनरीक्षित वेतनमान में 1 जुलाई, 2024 के प्रभाव से महंगाई भत्ता की दरों में संशोधन के लिए विचार किया गया। इसके तहत राज्य के सेवीवर्ग, जिनके वेतनमान / वेतन संरचना का पुनरीक्षण (सप्तम वेतन पुनरीक्षण) 1 जनवरी, 2016 के प्रभाव से किया गया है, उन्हें 1 जुलाई, 2024 के प्रभाव से वेतन का 53% महंगाई भत्ता स्वीकृत किया जाए। झारखंड सेवा संहिता के परिभाषित नियम-34 (ए) के अनुसार मूल वेतन पर महंगाई भत्ता देय है, परंतु विशेष वेतन/वैयक्तिक वेतन इत्यादि पर देय नहीं होगा।

मंईयां सम्मान की लाभुकों को जनवरी में 2500 नहीं 5000 देगी हेमंत सरकार

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। जनवरी माह में लाभुकों को 2500 रुपए की जगह 5000 रुपए मिलेंगे। करीब 56 लाख महिलाओं के खाते में यह राशि ट्रांसफर होगी। यह राशि दो किस्त में जारी होगी। दिसंबर माह की किस्त जारी करने के लिए 6 जनवरी को नामकुम के खोजाटोली में मंईयां सम्मान समारोह का आयोजन प्रस्तावित है, जबकि जनवरी माह की किस्त 11 जनवरी को पूर्व प्रस्तावित शेड्यूल के तहत जारी होगी। लिहाजा, जनवरी माह में मंईयां सम्मान लाभुकों के खाते में 6 जनवरी को 2500 रुपए और 11 जनवरी को 2500 रुपए ट्रांसफर किए जा सकते हैं। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के विश्वस्त सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

जानिए योजना में अब तक क्या हुआ

- लाभार्थी महिलाओं को अब तक चार (कुछ लोगों को पांच भी) किस्तों में राशि मिल चुकी है। इस योजना की शुरुआत सबसे पहले अगस्त में की गई थी।
- इसके बाद प्रमंडलवार कार्यक्रम आयोजित कर लाभार्थियों के खाते में राशि ट्रांसफर की गई।
- शुरुआत में इस योजना का लाभ 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को दिया जाना था। बाद में इस योजना का लाभ 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को देने का निर्णय लिया गया।
- विधानसभा चुनाव के दौरान इस योजना के तहत राशि एक हजार से बढ़ाकर 2500 करने की घोषणा की गई थी।
- चुनाव जीतने के बाद राज्य सरकार ने इसे लागू करने का निर्णय लिया।

दरअसल, 28 दिसंबर को मंईयां सम्मान योजना के तहत लाभुकों के बीच 2,500 रुपए की पहली किस्त जारी की जानी थी। इसके लिए नामकुम में कार्यक्रम की तैयारी की गई थी। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद राजकीय शोक घोषित किए जाने की वजह से कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था। उसी दिन रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मीडिया को बताया था कि बहुत जल्द कार्यक्रम की अगली तारीख तय की जाएगी।

खास बात है कि 28 दिसंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर हर जिले की कुछ लाभुकों के बीच 2,500 रुपए की पहली किस्त ट्रांसफर कर दी गई थी। शेष लाभुकों के बीच सीएम हेमंत सोरेन द्वारा बटन दबाने के बाद राशि ट्रांसफर होनी थी। लिहाजा, ज्यादातर महिलाओं के खाते में पैसे ट्रांसफर नहीं होने पर कंफ्यूजन पैदा हो गया था। इसी वजह से 6 जनवरी को मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम रखा गया है। इसमें पूरे राज्य से करीब 3 लाख लाभुक महिलाओं के शामिल होने की संभावना है।

आपको बता दें कि विधानसभा चुनाव के दौरान मंईयां सम्मान योजना को लेकर खूब राजनीति हुई थी। पूर्व में इस योजना के तहत लाभुकों को 1,000 रुपए प्रति माह दिए जा रहे थे। लेकिन भाजपा ने सरकार बनने पर गोगो-दीदी योजना के तहत 2100 रुपए प्रति माह देने की घोषणा कर दी थी। शेष पेज 08 पर

नामकुम में आयोजित समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे कलाकार

रांची। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। नामकुम के आर्मी ग्राउंड (खोजाटोली) में छह जनवरी को जिला प्रशासन द्वारा बड़े स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें राज्यभर से 3-4 लाख महिलाएं शामिल होंगी। लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन भी करेंगे। कलाकारों द्वारा गीत-नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। एक ओर जहां आधुनिक नागपुरी गायक पवन राय, कुड़ुख गायक सुरेंद्र कुजूर और सादरी गायक इग्नेश कुमार अपनी गायकी का प्रदर्शन करेंगे, तो वहीं दूसरी ओर झारखंड के पारंपरिक नृत्यों जैसे पाइका, छऊ आदि का भी कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

गरियाबंद एनकाउंटर में तीन नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है, यहां जवानों ने मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सलियों को मार गिराया है। फिलहाल दोनों तरफ से फायरिंग अभी जारी है। गरियाबंद एसपी ने घटना की पुष्टि की है। मिली जानकारी के अनुसार, यह मुठभेड़ सोरनामाल जंगल के इंदाग़ांव थाना क्षेत्र के पास हो रही है। जवानों ने मृत नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं।

झारखंड की पीडीएस दुकानों में लगेंगी फोर जी पौश मशीन

रांची। अब पीडीएस दुकानों में नेटवर्क की खिचखिच नहीं होगी। सुदूर जगहों में भी आसानी से लाभुकों को राशन मिलेगा। राज्य के सभी पीडीएस दुकानों में अब फोर जी पौश मशीनें लगाई जाएंगी। इसके लिए जल्द ही टेंडर जारी किया जाएगा। खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सीएम ने निर्देश दिया है कि सुदूर आदिवासी और पहाड़िया जनजाति के बच्चों को प्रोटीनयुक्त दाल, चीनी और सोयाबीन उपलब्ध कराया जाए।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, भीड़ ने एसपी दफ्तर पर किया हमला

मणिपुर। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। सैबोल गांव से केंद्रीय बलों को कथित रूप से नहीं हटाये जाने को लेकर भीड़ ने कांगपोकपी जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर हमला कर दिया। शेष पेज 08 पर

बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी 'आप-दा' से घिरी है : प्रधानमंत्री

एजेंसियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आआपा सरकार को 'आप-दा' की संज्ञा देते हुए कहा कि पिछले 10 सालों से राष्ट्रीय राजधानी आपदा से घिरी हुई है। उन्होंने दिल्लीवालों से इसे बदलने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री अशोक विहार में झुग्गी-झोपड़ी वालों के लिए बनवाए गए स्वाभिमान अपार्टमेंट में 1,675 फ्लैट की चाबी लाभार्थियों को सौंपने के बाद रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों को 4500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का तोहफा दिया। इसमें जेजे क्लस्टर के निवासियों के लिए 1,675 फ्लैट, स्कूल और कॉलेजों से जुड़े प्रोजेक्ट हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अच्छी तरह जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया। मैं भी अपने लिए शीश महल बनवा सकता था। शेष पेज 08 पर

- प्रधानमंत्री का केजरीवाल पर तंज, कहा- मैं भी 'शीश महल' बनवा सकता था, लेकिन चार करोड़ लोगों को घर देकर उनके सपने पूरे किए

पीएम मोदी ने दिल्ली को 4500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का दिया तोहफा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के अशोक विहार में आयोजित एक कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों को 4500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का तोहफा दिया। इसमें जेजे क्लस्टर के निवासियों के लिए 1,675 फ्लैट, स्कूल और कॉलेजों से जुड़े प्रोजेक्ट हैं। प्रधानमंत्री ने सभी के लिए आवास की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप आज अशोक विहार में झुग्गी-झोपड़ी वालों के लिए बनवाए गए स्वाभिमान अपार्टमेंट में 1,675 फ्लैट का उद्घाटन किया।प्रधानमंत्री ने दो शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। यह परियोजनाएं नौरोजी नगर और सरोजिनी नगर में पूर्ण की गई हैं।

इधर, केजरीवाल का प्रधानमंत्री पर पलटवार, कहा

दिल्ली में नहीं, भाजपा में आयी आपदा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज संवाददाता सम्मेलन में थोड़ा असहज नजर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल्ली में विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम को अपने कटु वचनों से तार-तार करने की कोशिश की। केजरीवाल ने तल्ख लहजे में कहा कि आज प्रधानमंत्री करीब 43 मिनट के भाषण में से 39 मिनट दिल्ली के लोगों और उनके द्वारा चुनी गई सरकार के बारे में बोले। 2015 में दिल्ली के लोगों ने दिल्ली के लिए दो सरकारें चुनी थीं। दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं है, इसलिए कुछ मुद्दे केंद्र और कुछ दिल्ली सरकार के अधीन आते हैं। उसे अब 10 साल हो गए। दिल्ली सरकार ने इस 10 साल में कितने काम किए, अगर हम गिनाएं तो तीन घंटे भी कम पड़ जाएंगे। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि इस दौरान केंद्र सरकार ने एक भी ऐसा काम नहीं किया, जो प्रधानमंत्री आज अपने भाषण में गिनाकर गए होते। अगर वो दस साल में काम किए होते तो काम गिनाते। शेष पेज 08 पर

आत्मनिर्भर भारत और विजन 2027 को साकार करने में युवा करें योगदानः राज्यपाल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

- एबीवीपी के तीन दिनी रजत जयंती प्रदेश अधिवेशन में राज्यपाल संतोष गंगवार ने की शिरकत

धनबाद। झारखंड में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के तीन दिवसीय रजत जयंती प्रदेश अधिवेशन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भाग लिया और युवाओं से अपील की कि वे झारखंड को शिक्षा, रोजगार, खेल, नवाचार और सांस्कृतिक विकास के क्षेत्रों में अग्रणी बनाने के लिए अपना योगदान दें। राज्यपाल ने कहा कि एबीवीपी से 82 हजार से अधिक युवाओं का जुड़ाव राज्य के युवाओं की ऊर्जा और समर्पण का प्रतीक है, जो देश के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

एबीवीपी की 75 साल की गौरवशाली यात्रा पर बोले राज्यपाल : राज्यपाल ने एबीवीपी की 75 वर्षों की यात्रा को सराहते हुए कहा कि इस संगठन ने न केवल राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इस समारोह का आयोजन कई ऐतिहासिक संदर्भों से प्रेरित है, जैसे भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती।

राज्यपाल ने झारखंड राज्य निर्माण के योगदान को याद किया : राज्यपाल ने झारखंड के रजत वर्ष का उल्लेख करते हुए भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के झारखंड राज्य निर्माण में योगदान को याद किया। शेष पेज 08 पर

रांची सीओ की संपत्ति की एसीबी ने शुरू की जांच

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वत के 37 हजार रुपयों के साथ गिरफ्तार रांची के टाउन सीओ मुंशी राम को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उनकी गिरफ्तारी की सूचना राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को दे दी गयी है।

एसीबी ने उनकी संपत्ति की जांच भी शुरू कर दी है। इस दौरान अगर आय से अधिक संपत्ति अर्जित किये जाने से संबंधित तथ्य और साक्ष्य मिलते हैं, तो सरकार से अनुमति लेकर उनके खिलाफ अलग से पीई दर्ज किया जायेगा। उसके बाद संपत्ति के संबंध में विस्तार से जांच की जायेगी। शेष पेज 08 पर

- रिश्वत लेते गिरफ्तार मुंशी राम को भेजा गया जेल

अबुआ आवास योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: दीपिका पांडेय सिंह

रांची। झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने अबुआ आवास योजना में कोताही बरतने वालों पर सख्त रवैया अपनाया है। उन्होंने साफ किया है कि इस योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शेष पेज 08 पर

रांची के नामकुम में मातम में बदली पिकनिक पार्टी, दो लोगों की हुई मौत

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के नामकुम में एक पिकनिक पार्टी मातम में बदल गयी। दरअसल हुंडरू फॉल जा रहा एक डीजे लदा पिकअप वैन (जेएच 01 सीवाई 9934) ट्रक के धक्के से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया। इससे खेत में बकरी चरा रहे अधेड़ समेत दो की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन लोग घायल हो गए। वैन में सवार सभी लोग एक वनभोज कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। मृतकों में 45 वर्षीय महिलौंग निवासी अरुण मिर्धा, 18 साल के युवक मनीष महतो शामिल हैं। घायलों में वैन चालक उदेन महतो, पिंटू, राहुल महतो, हेमंत महतो, विकास महतो, चमन महतो शामिल हैं। घटना टाटीसिलवे थाना क्षेत्र अंतर्गत महिलौंग फतरु टोली रिंगरोड की है।

ट्रक की टक्कर से अनियंत्रित होकर पलटा पिकअप वैन : जानकारी के अनुसार बालिका विद्यालय की स्कूली छात्राओं ने एक फुटबॉल टूर्नामेंट में खस्सी जीता था। इसी खुशी में हेसापीढ़ी के ग्रामीणों के साथ सभी लोग रांची के हुंडरू फॉल पिकनिक मनाने जा रहे थे। शेष पेज 08 पर

ईडी के समन पर जवाब के लिए सीएम हेमंत को चार सप्ताह का मिला समय

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भेजे गए समन की अवहेलना मामले में झारखंड हाई कोर्ट से चार सप्ताह का समय मिला है। यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहा है, जिसमें सीएम ने याचिका दायर की थी कि समन की अवहेलना मामले को निरस्त किया जाए। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, हेमंत सोरेन की ओर से अदालत से आग्रह किया गया कि उन्हें ईडी के जवाब पर प्रति उत्तर दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। शेष पेज 08 पर

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा जयंती पर किए गए याद

- विभिन्न संगठनों ने उनकी प्रतिमा पर चढ़ाए श्रद्धा के फूल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती (तीन जनवरी) पर उन्हें याद किया गया। विभिन्न संगठनों ने इस अवसर पर जयपाल सिंह स्टेडियम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर खेल, राजनीति तथा झारखंड के लिए उनके किये कार्यों को याद किया।

अलबर्ट एक्का चौक से निकला जुलूस : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की ओर से शुक्रवार को अलबर्ट एक्का चौक से लेकर जयपाल सिंह स्टेडियम तक गाजे-बाजे के साथ जुलूस निकाला गया।

जयपाल सिंह स्टेडियम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर जयंती एवं ऑक्सफोर्ड ब्लू के सौ साल होने पर झारखंड आंदोलनकारी वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया। मोर्चा की ओर से मांग की गयी कि जयपाल सिंह मुंडा की जयंती के अवसर पर तीन जनवरी को झारखंड आंदोलनकारी दिवस के रूप में मनाया जाये। इस अवसर पर मोर्चा के प्रधान सचिव पुष्कर महतो, सरोजनी कच्छप, जितेंद्र सिंह कुशवाहा, रोजलीन तिर्की, अंथन लकड़ा सहित अन्य उपस्थित थे। शेष पेज 08 पर

सीएम हेमंत ने जयपाल सिंह मुंडा व सावित्रीबाई फुले को किया नमन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को महान समाज सुधारक और झारखंड के सम्मानित व्यक्तित्व जयपाल सिंह मुंडा तथा देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले को उनकी जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इन दो महान विभूतियों के योगदान को याद किया और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

जयपाल सिंह मुंडा को किया याद : हेमंत सोरेन ने अपने पहले पोस्ट में कहा, "झारखंड की माटी के लाल, संविधान सभा के सदस्य और पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर शत-शत नमन।" शेष पेज 08 पर

गढ़वा के भंडरिया में बाघ ने दी दस्तक, मवेशियों का किया शिकार

गढ़वा। झारखंड के गढ़वा जिले के भंडरिया क्षेत्र में एक बाघ के सक्रिय होने की जानकारी सामने आई है। बाघ ने कई मवेशियों को अपना शिकार बनाया है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बाघ की गतिविधियों को लेकर वन विभाग ने भंडरिया और रमकंडा क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया है। विभाग ने ग्रामीणों को जंगल में न जाने की सलाह दी है। शेष पेज 08 पर

खूंटी में पीएलएफआई के तीन नक्सली हुए गिरफ्तार

- बड़ी घटना को अंजाम देने की थी तैयारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के तीन सक्रिय नक्सलियों को खूंटी पुलिस ने जरियागढ़ थाना के बकसपुर जंगल से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार नक्सलियों में कुख्यात नक्सली प्रशांत कुमार उर्फ डब्लू, कमलेश गोप उर्फ लंबू और राम दयाल सिंह उर्फ करम दयाल सिंह शामिल है। पुलिस ने नक्सलियों के पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, पीएलएफआई के 14 पर्चे और चार मोबाइल बरामद किए हैं। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

विधायक ने कई योजनाओं का किया शिलान्यास

राहे। विधायक अमित महतो ने शुक्रवार को राहे प्रखंड में कई योजनाओं का शिलान्यास किया। विधायक ने जिला योजना अनाबद्ध निधि अंतर्गत शिव टंगरा मंदिर महेशपुर - पुरानानगर परिसर में खुला शेड तथा गोमदा गांव के पास नहर में 500 फीट गार्डवाल निर्माण कार्य का शिलान्यास किये। मौके पर इन्होंने कहा कि लोगों के भावना के अनुरूप कार्य किया जाएगा। मौके पर जिप अध्यक्ष बादल महतो,रोहिताश चौधरी,राज किशोर मुंडा,देव गुण महतो, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

हाथियों के झुंड ने फसलों को किया बर्बाद

सोनाहातू । प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में गुरुवार रात 50 की संख्या में हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया है ।कहीं घर को गिराया तो कहीं किसानों के कई एकड़ में लगे मौसमी सब्जी लौकी, आलू को मन भर खाया फिर पैरों तले रौंदकर बर्बाद कर दिया तो कहीं किसी के खलियान में रखें धान को पूरी तरह खाया। बिरदीडीह के देवेंद्र नाथ महतो के घर को गिराया एवं दुबरू हजाम के घर के चाली को गिराया एवं घर में रखे धान को खाया। वहीं सुरेंद्र नाथ महतो, सहदर महतो के धान को जी भर खाया एवं नष्ट किया। डिबाडीह गांव के सृष्टि प्रजापति, गणेश कुम्हार, राधाकृष्ण महतो, केशव महतो, नरेन महतो, रशो कुम्हार के लौकी एवं आलू के सब्जी को पूरी तरह बर्बाद किया।बनडीह के अजीत महतो, दीनबंधु महतो, सुरेश महतो, खिरोधर महतो, तेजू मुंडा, शंभू नाथ सिंह मुंडा, निर्मल प्रमाणिक, वीरेन महतो, इंद्रदेव महतो, साहेब प्रमाणिक, ब्रजेश महतो आदि के लौकी आलू एवं धान के फसल को मनभर खाया एवं बर्बाद किया। वहीं जाड़ेया के सुबल महतो के आलू को पैरों तले कुचलकर पूरी तरह बर्बाद कर दिया।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक

खूंटी। कर्रा प्रखंड के जलटंडा स्टेडियम में शुक्रवार को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के जंयती पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा जिला समिति की बैठक जिलाध्यक्ष विजय सिंह की अध्यक्षता में ओजित की गई। बैठक में मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के जन्म दिन के अवसर पर उन्हें याद करते हुए तस्वीर माल्यार्पण किया गया और मारंग गोमके के बताये रास्ते चलने का संकल्प लिया गया। बैठक में भाग लेने के लिए सांसद और विधायक को भी निमंत्रण दिया गया था। उनके नहीं आने पर बैठक में रोषव्यक्त किया गया। आंदोलनकारियों ने कहा कि हमारी मांगें पूरी होने तक हमलोग आंदोलन करते रहेंगे। झारखंड अलग राज्य का सपना आज हम सभी आंदोलनकारियों को बलिदान से मिला है, पर आंदोलनकारी और उनका परिवार संघर्ष कर रहा है। बैठक में सचिव राजन कुजूर, अजय कुमार सिंह, सामुएल संगा, सूरज गोप, प्रेम प्रकाश हेरेंज, लालू मुंडा, भिमसेंट संगा, बलराम मांझी, विलिन पूर्ति, बुधन मिंज, सगीर अहमद, धामी धान, नवीन कुमार, लालसिंह मुंडा, मंगल मुंडा, सलीम संग आदि मौजूद थे।

मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चलाएं अधिकारी : उपायुक्त

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को नार्को कॉ आर्डिनेशन सेंटर की हुई बैठक में उपायुक्त ने मादक द्रव्य पदार्थों के नियंत्रण के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक में पुलिस विभाग और एनकॉर्ड से संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों की समीक्षा की गयी।

साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी के जरिये आपसी समन्वय के साथ अपने संबंधित क्षेत्र में हो रही अवैध अफीम की खेती एवं मादक द्रव्य पदार्थों को चिह्नित कर उसे नष्ट करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिले की सीमाओं और विद्यालयों के आसपास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी करने का निर्देश दिया गया। अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान चलाने के क्रम में वैकल्पिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी अंचल अधिकारी को लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिया गया।

बैठक में उपायुक्त ने छापेमारी और अन्य कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि हमें नशा मुक्ति अभियान प्राथमिकता के आधार पर चलाते हुए निरंतर कार्रवाई जारी रखने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस दिशा में आवश्यक रूप से छापेमारी अभियान चलाया जाए। साथ ही दोषियों के विरुद्ध त्वरित और विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। इस दौरान कार्यशाला का भी आयोजन कर नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम से संबंधित मामलों पर विशेष जानकारी दी गई। कार्यशाला का संचालन जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संजय कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश संजय कुमार ने अधिकारियों को कानूनी प्रावधानों, साक्ष्य संकलन और केस प्रबंधन में सुधार के संबंध में जानकारी दी। मौके पर पुलिस अधीक्षक, डीएफओ, अपर समाहर्ता, एसडीओ, एसडीपीओ, कार्यपालक दंडाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, सभी अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

खूंटी : समारोह पूर्वक मनाई गई मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। महान हॉकी खिलाड़ी मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 122वीं जयंती शुक्रवार को उनके पैतृक गांव टकरा में समारोह पूर्वक मनाई गई।

मौके पर खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा, खूंटी विधायक राम सूर्या मुंडा, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, उपायुक्त लोकेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार सहित विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोगों ने उनकी समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। साथ ही गांव में अधिष्ठापित उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के योगदान और उनके प्रेरणादायक विचारों को साझा करते हुए कहा गया कि स्व जयपाल सिंह मुंडा आदिवासियों और झारखंड आंदोलन के सर्वोच्च नेता के साथ ही जाने-माने राजनीतिज्ञ, पत्रकार, लेखक, संपादक, शिक्षाविद और 1925 में ऑक्सफोर्ड ब्लू का खिताब पानेवाले एक मात्र अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी थे। लोगों से उनके बताए मार्ग पर चलते हुए अपने गांव राज्य एवं देश के विकास में योगदान देने की अपील की गई। इस अवसर पर गांव के मैदान में फुटबॉल मैच का आयोजन कर विजेता एवं उपविजेता टीमों के बीच पुरस्कारों का वितरण किया गया। समारोह में आसपास गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला और पुरुष शामिल हुए।

मुरहू में चलाया गया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। जिले में सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को मुरहू थाना क्षेत्र में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जिले के सभी थाना क्षेत्रों में वाहन जांच और जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों को गुलाब दे कर यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। लोगो को बताया गया कि वाहन से संबंधित सभी कागज दुरुस्त रखे तथा वैध लाइसेंस के साथ ही वाहन का परिचालन करें। सड़क दुर्घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित की मदद करें। इस दौरान मुरहू थाना प्रभारी, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक निशांत रौशन सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

डीसी की अध्यक्षता में जिलास्तरीय रबी कर्मशाला का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। समाहरणालय रामगढ़ के सभाकक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय रबी कर्मशाला का आयोजन किया गया। कर्मशाला का शुभारंभ उपायुक्त चंदन कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो सहित अन्य के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कर्मशाला में परियोजना निदेशक आत्मा रामगढ़ द्वारा जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में सभी को जानकारी दी गई ।कर्मशाला में उपायुक्त ने जिले के अलग अलग क्षेत्रों में एग्री स्मार्ट विलेज के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेने के क्रम में प्रभावी तरीके से कार्य करने को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

मौके पर उपायुक्त ने जिले में कृषि के विकास को लेकर किसानों के लिए वृहद रूप से एक्सपोजर विजिट आयोजित करने का निर्देश दिया साथ ही उन्होंने पीएम कुसुम योजना अंतर्गत प्रतिस्थापित किए जा रहे सोलर पंप सेट की जांच करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।कर्मशाला में जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी एवं उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो द्वारा भी कर्मियों को कृषि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान किया गया। कर्मशाला के दौरान जिला उद्यान पदाधिकारी, रामगढ़ ने उद्यान विभाग के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कर्मशाला में सहायक भूमि संरक्षण का अधिकारी, रामगढ़ ने भूमि संरक्षण विभाग द्वारा चल रही योजनाओं की जानकारी दी। कर्मशाला में अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने विभाग से चल रही योजनाओं की जानकारी दी। कर्मशाला में तकनीकी सत्र चलाया गया। सत्र के दौरान केवीके बोकारो डॉ आदर्श श्रीवास्तव और मांडू के डॉ धर्मजीत खेरवार वैज्ञानिकों के द्वारा पौधा संरक्षण के विभिन्न विधियों की जानकारी दी। मत्स्य विभाग के पदाधिकारी द्वारा मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी।

कर्मशाला में जिला योजना पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, उप परियोजना निदेशक, प्रभारी मिट्टी जांच प्रयोगशाला, जिलें के सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, बीटीएम, जनसेवक, एटीएम ,कृषि के अन्य अलाइड विभागों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहें।

पुलिस के जागरुकता अभियान का दिख रहा असर

ग्रामीण स्वयं नष्ट कर रहे हैं अफीम की अवैध फसल

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। खूंटी जिले में अफीम की अवैध खेती और इसके दुष्परिणामों के खिलाफ जिला पुलिस की ओर से चलाये जा रहे अभियान का असर अब गांवों में देखने को मिल रहा है। गांव के लोग अब खुद कही अफीम की खेती को नष्ट करने लगे हैं।

इसी कड़ी में शुक्रवार को मुरहू थाना क्षेत्र के चमराटोली गांव के लगभग आठ एकड़ खेत में लगी अफीम की अवैध खेती को ट्रैक्टर से रौंदकर नष्ट कर दिया। जिला पुलिस के सहयोग से मुरहू पंचायत की मुखिया ज्योति डोडराय ग्राम प्रधान बाले पाहन और बबलू खान ने लोगों को अफीम की न करने और जो अवैध खेती है,उसे नष्ट करने के लिए प्रेरित किया। चमराटोली में शुक्रवार को ग्रामसभा का आयोजन किया गया, जहां खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरूण रजक, अंचलाधिकारी शंकर कुमार विद्यार्थी और थाना प्रभारी रामदेव यादव को भी बुलाया गया। बैठक में मुखिया ज्योति डोडाराय ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस के जरिये अफीम के खिलाफ लगातार चलाये जा रहे अभियान से प्रभावित होकर उन्होंने अफीम की फसलों को नष्ट करने का निर्णय लिया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए एसडीपीओ वरूण रजक ने कहा कि अफीम के कारण खूंटी जिला बदनाम हो रहा है। उन्होंने कहा कि अफीम की खेती की शुरूआत हुई, तो लोग इसे काफी फायदेमंद समझने लगे और धीरे-धीरे गांव वाले इस अवैध खेती से जुड़ने लगे। उन्होंने कहा कि जब केस होता हे और जेल जाना पड़ता है, तो कोर्ट-कचहरी के चक्कर में अफीम की कमाई से अधिक पैसा खर्च हो जाता है। एसडीपीओ ने कहा कि अफीम की खेती से न सिर्फ जल, जंगल और जमीन बर्बाद हो रहे हैं, बल्कि मानव जीवन और भावी पीढ़ी का भी इससे नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आप सभी अफीम की खेती को छोड़ें। सीओ शंकर कुमार विद्यार्थी ने कहा कि अब सेटेलाइट के माध्यम से अफीम की अवैध खेती पर नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि अब तक खूंटी जिले में अफीम को लेकर सार सौ से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग स्वयं अफीम की खेती को नष्ट कर रहे हैं,उनके खिलाफ कोई करवाई नहीं की जाएगी।

मां सावित्री बाई फुले की मनाई गई जयंती

भुरकुंडा। माली-मालाकार उत्थान समिति रामगढ़ जिला के तत्वावधान में शुक्रवार को सेंट्रल सौंदा आवासीय कार्यालय में मां सावित्री बाई फुले की 194वीं जयंती मनाई गई। इसकी अध्यक्षता समिति के रामगढ़ जिला सचिव उदय माला कार ने की। कार्यक्रम की शुरूआत उदय मालाकार ने मां सावित्री बाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की। इसके बाद समिति के लोगों ने भी उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की। मौके पर उदय मालाकार ने कहा कि देश की पहली महिला शिक्षिका मां सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं के बीच शिक्षा का ज्योत जलाई थी। उन्होंने सन 1848 ई. में पुणे में पहले बालिका विद्यालय की स्थापना की थी। इस दौरान इन्होंने अगड़ी जाति के द्वारा बहुत सारी प्रताड़ना के बाद भी हार नहीं मानी। और निरंतर शिक्षा को बढ़ावा देते रही। यही वजह है कि समाज के लोग लगातार मां सावित्री बाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले को सरकार से भारत रत्न देने की मांग कर रहे हैं।

कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का 8वां झारखंड राज्य सम्मेलन 9 जनवरी से

सिल्ली। कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का 8 वां झारखंड राज्य सम्मेलन आगामी 9 से 11 जनवरी तक रांची नामकुम एटीसी के कामरेड सीताराम एचुरी नगर के बुद्धदेव भट्टाचार्य सभागार में आयोजित गया है। इसको लेकर झारखंड राज्य किसान सभा के अध्यक्ष सह माकपा झारखंड राज्य सचिव मंडल सदस्य सुफल महतो के नेतृत्व में माकपा कार्यकताओं ने शुक्रवार को सिल्ली के पतराहातु बजार में जन सम्पर्क अभियान चलाकर सम्मेलन को सफल बनाने का अपील कीया। वहीं उन्होंने कहा यह सम्मेलन पार्टी के झारखंड इकाई द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। सम्मेलन में पार्टी की नीतियों और रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी, साथ ही झारखंड राज्य में पार्टी की गतिविधियों की समीक्षा भी की जाएगी।

सीआरपीएफ ने शहीद वाल्टर गुड़िया को दी श्रद्धांजलि

खूंटी। देश के लिए अपने प्राण देने वाले वाल्टर गुड़िया के शहादत दिवस के मौके पर सीआरपीएफ 94 बटालियन की ओर से उन्हें शुक्रवार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बटालियन के उप कमांडेंट संतोष कुमार के ने तोरपा स्थित शहीद वाल्टर गुड़िया की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। मौके पर उप कमांडेंट ने वीर नारी राहिल गुड़िया को शॉल और साड़ी देकर सम्मानित किया और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। मौके पर शहीद की पत्नी राहिल गुड़िया, उनके पुत्र विश गुड़िया, तोरपा के मुखिया जोन टोपनो, मार्शल मुंडू, सहित कई लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसके पूर्व जीईएल चर्च दियांकेल के पादरी अमृत भेंगरा ने ईसाई रीति के अनुसार प्रार्थना की। इस संबंध में उप कमांडेंट ने बताया कि लोगों में देश भक्ति की भावना को बढ़ावा देने और देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देनेवाले शहीद नायकों की वीरता और बलिदान का सम्मान करने के लिए सीआरपीएफ इस तरह कार्यक्रमों का आयोजन करती है। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन तीन जनवरी 1988 को पंजाब में तैनाती के दौरान नक्सलियों से लोहा लेते हुए वाल्टर गुड़िया ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव को लेकर दूसरे दिन निकाली गई प्रभातफेरी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। सिक्खों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का प्रकाश पर्व मनाने के लिए रामगढ़ शहर में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से प्रभात फेरी आरंभ की गई है। दूसरे दिन कड़ाके की ठंड होने के बावजूद संगत की उत्साह में कमी नहीं आई। प्रभात फेरी के दौरान संगत

₹अमृत गुर ते पाया, सास सस सिमरो गोविंद₹ जैसे शब्दों के गायन से माहौल को भक्तिमय बनाते चल रहे थे । दूसरे दिन निशान साहब की सेवा जसकीरत सिंह सैनी, गुरजोत सिंह सैनी द्वारा नंगे पैर की गई। प्रभात फेरी गुरुद्वारा साहिब से निकलकर किला मंदिर,लोहार टोला, झंडा चौक, सुभाष चौक होते हुए गुरुद्वारा साहिब पहुंची। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से सतविंदर कौर सैनी ने स्त्री साध संगत की बलविंदर कौर छाबड़ा को सरोपा देकर सम्मानित किया। चाय नाश्ते की सेवा स्त्री साध संगत द्वारा की गई। मौके पर प्रधान परमदीप सिंह कालरा, अमरजीत सिंह सैनी, कुलवंत सिंह मारवाह, तेजेंद्र सिंह सोनी, मशहूर गायक सुरजीत सिंह छाबड़ा, इकबाल सिंह, बबलू छाबड़ा, दलजीत सिंह किंगरा, यश छाबड़ा, रसप्रीत सिंह जग्गी, जिगर छाबड़ा, रौनक, कमल जस्सल ,रणजीत सिंह, हरजीत सिंह, जसमीत कौर सोनी, रोमी छाबड़ा,गुरप्रीत कालरा उर्फ प्रीत, गुरबक्श कौर, सुमी जौली, सतविंदर कौर, कुदरत छाबड़ा, निक्की लांबा, मनप्रीत कौर सैनी लवली लांबा, बलविंदर कौर छाबड़ा, बबली सोनी, सोमा जस्सल आदि शामिल हुए।

जिलास्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन

खूंटी। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को बिरसा मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, खूंटी में जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सात बालक और छह बालिका टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा ने किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में विधायक ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए और सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बालिका वर्ग के फाइनल में खूंटी डे बोर्डिंग सेंटर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोविंदपुर डे बोर्डिंग को हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को विधायक, ने ट्रॉफी और हॉकी स्टीक प्रदान की, जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी और जर्सी से सम्मानित किया गया। समय की कमी के कारण बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला नहीं हो सका। अब यह मुकाबला चार जनवरी को होगा। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा का जीवन और योगदान सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। खेल के माध्यम से युवाओं को एकजुट करने और उनके भविष्य को उज्जवल बनाने का यह प्रयास सराहनीय है। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सदर अस्पताल रामगढ़ में डायलिसिस सेन्टर का हुआ शुभारंभ

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। सदर अस्पताल रामगढ़ में डायलिसिस सेन्टर का उदघाटन सह शुभारंभ 3 जनवरी को हजारीबाग सांसद मनीष जयसवाल, रामगढ़ विधायक, ममता देवी, 20 सूत्री अध्यक्ष दिनेश मुंडा , जिला परिषद अध्यक्ष सुधा चौधरी, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद एवं उपाधीक्षक डॉ. ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से सदर अस्पताल रामगढ़ के परिसर में किया गया।

मौके पर संसाफ मनीष जयसवाल ने कहा कि डायलिसिस एक ऐसा प्रक्रिया है कि इसे सप्ताह में 2-3 बार किया जाता है जिसमें काफी खर्च होता है और ये खर्च गरीबो के लिए वहन कर पाना संभव नहीं है। सदर अस्पताल रामगढ़ में डायलिसिस सेवा की शुरूआत एक अच्छी पहल है जो हर गरीब के लिए संभव हो पायेगा। रामगढ़ विधायक ममता देवी ने कहा कि नव वर्ष के आगमन के साथ ही रामगढ़ जिला-वासियो को यह सौगात मिला। उन्होने कहा कि इसके वेहतर संचालन के लिए प्रशिक्षित चिकित्सक एवं तकनिशियन तथा अन्य सहयोगी मानवबल भी रखा जाना चाहिए साथ ही उन्होने सबसे सहयोग की भी अपील की। सिविल सर्जन रामगढ़ द्वारा बताया गया कि हर वर्ग के लोगों को यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि डायलिसिस सेवा 247 चलाई जायेगी परन्तु अभी ये सिर्फ दिन में चलाया जायेगा। उप विकास आयुक्त ने कहा कि डायलिसिस सेवा के सूचारू रूप से संचालन के लिए जिला प्रशासन भी हर संभव सहयोग करेगा ताकि जिले कि आम जनता का यह सेवा असानी से उपलब्ध हो सके। सदर अस्पताल रामगढ़ में संचालित होने वाले इस डायलिसिस सेन्टर में बीपीएल एवं आयुष्मान मरीजों को निःशुल्क उपचार किया जायेगा तथा अन्य मरीजों को सरकारी दर पर डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध रहेगी। किसी भी स्वस्थ शरीर में किडनी का काम होता है रक्त को साफ करना और शरीर में अतिरिक्त पानी को पेशाब के रूप में शरीर से बाहर निकालना किडनी शरीर में कुछ ऐसे भी पदार्थ बनाती है जो हमारे शरीर के सुचारू रूप से काम करने के लिए बहुत जरूरी होते है पर अगर किसी कारण किडनी अपना काम ठीक से नहीं कर पाती है तो डायलिसिस के माध्यम से वही काम किया जाता है। अगर किसी बीमारी के वजह से किडनी का फंक्शन मात्र 10 से 15 प्रतिशत ही रह गया है या किडनी कमजोर पड गई है तो ऐसे में किडनी शरीर से वेस्ट प्रोडक्ट जैसे कि यूरिया और अतिरिक्त पानी निकाल नहीं पाती है जिससे उल्टी होना, पूरे शरीर में सूजन होना और थकाना होना, जैसे दिखने लगते है जब किडनी इस तरह के कमजोर पड जाती है तब डायलिसिस कि जरूरत पडती है।

कार्यक्रम के दौरान 20 सूत्री अध्यक्ष दिनेश मुंडा , जिला परिषद अध्यक्ष सुधा चौधरी, डॉ० स्वराज , डॉ० अजय चौधरी , डॉ० तुलिका रानी . डॉ० उदय श्रीवास्तव , विजय कुमार, भोला शंकर गुप्ता, सुनील कुमार मधुकर, चन्द्रशेखर महतो एवं अन्य स्वाथ्य कर्मी भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त

राशन डीलर की मौत लोगों ने जताया शोक

रांची। कांके प्रखंड की हुसीर पंचायत के पीडीएस दुकानदार हाजी अब्दुल वाहीद का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार अहले सुबह निधन हो गया। अब्दुल वाहीद पिछले कुछ समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। उन्हें हुसीर कब्रिस्तान में दोपहर 3 बजे मिट्टी दी गयी। पीडीएस दुकानदार संघ की ओर से परिजनों को अध्यक्ष सबीबुल रहमान ने 25 हजार रुपए की आर्थिक मदद की है।
उनके निधन पर विधायक सुरेश बैठा, जन वितरण दुकानदार संघ कांके के अध्यक्ष सबीबुल रहमान, सचिव सज्जाद अंसारी, सदर सुलेमान अंसारी, नायाब सदर शकिल अंसारी, सेक्रेट्री नसीम अंसारी, नायब सेक्रेट्री नेसार अहमद, मो. अलीईमाम, शेख सहाबुद्दीन, हसीब अंसारी, हफीज अंसारी, इजहार अंसारी आदि ने शोक जताया है।

झारखंड में लगातार चल रही हवा से बढ़ी कंपकंपी

रांची : झारखंड में लगातार चल रही हवा ने कंपकंपी बढ़ा दी है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर झारखंड में भी दिख रहा है। हवाओं ने झारखंड में ठंड बढ़ा दी है। राजधानी रांची के कांके में पारा लुढ़क कर 3.3 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, चार, पांच और छह जनवरी को सुबह कोहरा छाया रहेगा। साथ ही आंशिक रूप से बादल छाये रहने की भी संभावना है। राजधानी रांची में शुक्रवार को सुबह में हल्के दर्जे का कोहरा छाया रहा लेकिन बाद में धीरे-धीरे आसमान साफ हो गया। हालांकि, चल रही हवाओं की वजह से लोगों को काफी ठंड का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 20.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 08.0 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 09.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

भाजपा नेताओं ने दिवंगत गुरविंदर के परिजनों से मिल कर व्यक्त की शोक संवेदना

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह शुक्रवार को दिवंगत भाजपा नेता गुरविंदर सिंह सेठी के आवास पर पहुंचे। इस दौरान भाजपा नेताओं ने परिजनों से मुलाकात की। साथ ही शोक संवेदना प्रकट की। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। नेताओं ने कहा कि दुख की घड़ी में प्रदेश भाजपा परिजनों के साथ खड़ी है। पार्टी ने एक समर्पित कार्यकर्ता खोया है।

जेसीआई रांची यूथ ने नववर्ष पर वृद्धों से लिया आशीर्वाद

रांची : नये वर्ष के मौके पर जेसीआई रांची यूथ की ओर से बरियातु स्थित वृद्धा आश्रम में फल का वितरण किया गया साथ ही पौष्टिक आहार के पैकेट का वितरण किया गया। इस दौरान जेसीआई रांची यूथ विंग ने वृद्धजनों से आशीर्वाद लिया और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। वृद्धजनों ने समाज सेवा की सार्थक पहल के प्रति यूथ का आभार जताते हुए कहा कि आज के युवाओं में ऐसे प्रयासों से बड़े बुजुर्गों को हौसला मिलता है।

आज एचईसी नागरिक परिषद व अन्य संगठनों की संयुक्त बैठक

रांची : एचईसी नागरिक परिषद के अध्यक्ष कैलाश यादव ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि 4/01/25 को एचईसी सेक्टर 2 स्थित राजेंद्र भवन के समीप हटिया मजदूर यूनियन नेता भवन सिंह के आवासीय सीटू कार्यालय में दिन 3 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। बैठक में एचईसी आवासीय परिसर के दीर्घकालीन आवासों का नवीकरण एवं रजिस्ट्रेशन करने, लीज आवासों का ट्रांसफर करने, शेष आवासों का पुनः एलटीएल स्कीम पर आवंटन करने,वर्षों से आवासीय परिसर में रहने वाले झुग्गी झोपड़ी दुकानदार लोगों को स्थाई तौर पर लीज या वार्षिक किराया स्कीम पर आवंटन करने एवं एचईसी प्रबंधन द्वारा नोटिस देकर आवासीय परिसर के लोगों को बेवजह तंग करने जैसे अन्य विषयों पर विचार विमर्श कर एक ठोस निर्णय लिया जाएगा।

खादी मेला में उमड़ी लोगों की जबरदस्त भीड़, जमकर लोग कर रहे खरीदारी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव की जैसे-जैसे समापन की तिथि निकट आ रही है, वैसे-वैसे महोत्सव में लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। आज मेले में लगभग 10 हजार लोगों ने मेले का आनंद लिया।
महोत्सव में झारखंड राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के स्टॉल में पुरुषों के लिए सूती, रेशमी, ऊनी बंडी, कुर्ता, पजामा, ड्रेस मैटरियल, टोपी, मफलर, शॉल के साथ साथ महिलाओं के लिए भी ऊनी और रेशमी बंडी के अलावा सूती, रेशमी साड़ी, डिजिटल प्रिंटेड साड़ी, सोहराई प्रिंटेड साड़ी, म्यूरल साड़ी और मधुबनी प्रिंटेड साड़ियां खूब

बिकी। लोग जमकर मेले में खरीदारी कर रहे है।
मेला परिसर में स्केचिंग का जीवंत प्रदर्शन किया जा रहा है ' रांची के कलाकार रोशन कुमार लोगों की जीवंत पेंटिंग बना रहे है। ब्लैक एंड वाइट पेंटिंग 500 रुपये से शुरू है वहीं रंगीन पेंटिंग की कीमत थोड़ी ज्यादा है।
साबरमती आश्रम के जीवंत प्रदर्शनी में बच्चों का उत्साह देखा जा रहा है यहां गांधी जी जुड़ी रोचक जानकारियां प्रदर्शनी में लगी चित्रों से प्राप्त की जा सकती है।
वहीं दूसरी ओर कला एवं संस्कृति विभाग के जरिये मलय कुमार साहू और टीम सरायकेला-खरसांवा की ओर से सरायकेला छऊ नृत्य एवं रमण कुमार मिश्रा के जरिये भजन तथा गजल गायन की प्रस्तुती की गई।
बच्चों के लिए आयोजित फेस पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता दो आयु वर्ग में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय

प्रमंडल स्तरीय राजस्व विभाग के कार्यों से सम्बन्धित बैठक, कई बिन्दुओं पर हुई चर्चा

म्यूटेशन के लंबित मामलों को तीव्र गति से निष्पादित करने का निर्देश

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची : दाखिल खारिज की समीक्षा के क्रम में अकारण 90 दिनों तथा 30 दिनों से ज्यादा म्यूटेशन के लंबित मामलों को तीव्र गति से समय पर निष्पादित करने का निर्देश दिए साथ ही रिजेक्ट आवेदनों का आधार क्या है कारण स्पष्ट करें। उन्होंने सभी अपर समाहर्ता को निर्देश दिया कि दाखिल खारिज के अत्यधिक लंबित वाले प्रखंडों को चिन्हित कर उनकी समय समय पर समीक्षा बैठक करें। और शिकायत मिलने पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सीओ कार्यालय में लंबे समय से एक ही जगह पर कार्य करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटरों का स्थानांतरण करना सुनिश्चित करें। आयुक्त ने कहा कि अंचल में बैठने वाले पदाधिकारी और कर्मी लोगों से अच्छी तरह से बात करें एवं उनके समस्याओ का समाधान करने में सहायता करें।

हम पब्लिक सर्वेंट हैं लोगो की परेशानी दूर करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि सी.एन.टी. एक्ट पूरी तरह से इंप्लीमेंट हो। बैठक में उन्होंने कहा जमीन नकल संबंधित आवेदनों का अच्छी तरह से सत्यापन करना सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने कहा कि अपने स्तर से सभी सीओ को निर्देश दे कि अपने अपने क्षेत्र के गैर मजरूआ, खास भूमि का भौतिक निरीक्षण कर अतिक्रमण भूमि पर वाद चलाए। सीओ सभी जमीन का ब्यौरा तैयार कर प्रतिवेदन समर्पित करें। रांची के खास महाल जमीन की खरीद बिक्री पर रोक रहे। सरकारी परियोजनाओं के लिए भूमि हस्तांतरण, मुआवजा संबंधी मामलों की भी समीक्षा की गई।
केंद्र और राज्य सरकार की परियोजनाओं के लिए जमीन हस्तांतरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी आयुक्त ने ली। जिन जिलों में भूमि हस्तांतरण के कार्य लंबित हैं, वहां जल्द से जल्द भूमि चिन्हित कर शीघ्र प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया। बैठक में आयुक्त के सचिव आलोक कुमार,अवर सचिव एवं अन्य उपस्थित थे।

प्रकाश पर्व में शामिल होने 130 श्रद्धालुओं का पहला जत्था पटना साहिब रवाना

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। पटना साहब में प्रकाश पर्व में शामिल होने गुरु नानक सत्संग सभा के 130 श्रद्धालुओं का पहला जत्था इंदर मिढ़ा, रमेश पपनेजा के नेतृत्व में तीन जनवरी को हटिया पटना सुपरफास्ट एक्सप्रेस से रवाना हुआ। इससे पहले सभी श्रद्धालु गुरुद्वारा साहिब में शाम पांच बजे एकत्रित हुए। बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारे लगाते हुए हटिया रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए।
सत्संग सभा के सचिव अर्जुन देव मिढ़ा एवं मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने सभी श्रद्धालुओं को माला पहनाकर विदा किया। सफल यात्रा की शुभकामनाएं दी। इस जत्थे में बुजुर्ग, महिला एवं युवा श्रद्धालु शामिल हैं। यह जत्था पटना साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित प्रभात फेरी, नगर कीर्तन, कवि दरबार एवं प्रकाश पर्व की रात सजाए जाने वाले विशेष दीवान में शामिल होगा। इस बार कुल 350 श्रद्धालु पटना साहिब में प्रकाश पर्व में शामिल होंगे।
गुरुघर के सेवक मनीष मिढ़ा ने तख्त श्री हरमंदिर साहिब जी, पटना की सेंट्रल कमेटी से बात कर सभी श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए वहां गुरुद्वारा परिसर स्थित एकेडमिक स्कूल के हॉल एवं गुरुद्वारा श्री बाल लीला साहिब में कमरों की व्यवस्था कराई है। सभी आयोजनो में शामिल होने के बाद सभी श्रद्धालुओं का जत्था 8 जनवरी को वापस रांची पहुंचेगा।
सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि श्रद्धालुओं के जत्थे के रांची वापस पहुंचने के बाद 11 एवं 12 जनवरी को सत्संग सभा द्वारा श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भव्य विशेष दीवान सजाया जाएगा। इसमें 11 जनवरी को सुबह 8 से 10 बजे तक और शाम 8 बजे से 11 बजे तक एवं 12 जनवरी को सुबह दस बजे से दोपहर ढाई बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा।
इन सभी दीवानों में विशेष रूप से शिरकत करने पहुंच रहे सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई गुरमन प्रीत सिंह जी, दिल्ली वाले शबद गायन कर राची की साध संगत को निहाल करेंगे। सभी दीवानों की समाप्ति के उपरांत सभा द्वारा गुरु का अटूट लंगर चलाया जाएगा।

सरला बिरला यूनिवर्सिटी के प्रांगण में शतरंज प्रतियोगिता शुरू

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सरला बिरला यूनिवर्सिटी के प्रांगण में चौथा झारखंड स्टेट रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 3 जनवरी, 2025 को शुरू हुई। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि एसबीयू के डायरेक्टर जनरल प्रो डॉ गोपाल पाठक, विशेष अतिथि वाइस चांसलर एस बी डांडिल एवं रजिस्ट्रार विजय कुमार सिंह ने किया।
यह टूनामेंट 8 चक्रों में खेला जाएगा। इसके बाद आठ चक्रों का ब्लिट्ज टूनामेंट खेला जाएगा, जो 4 से 5 जनवरी तक चलेगा। इस टूनामेंट में झारखंड के 17 जिलों के 231 प्लेयर भाग ले रहे हैं।
समारोह में ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, रांची जिला शतरंज संघ के सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, संयुक्त सचिव एवं टूनामेंन्ट के मुख्य निर्णायक दीपक कुमार, टाटा स्टील के खेल प्रमुख विभूति अद्रेसा, सिन्गो मुर्मू, को-ऑर्डिनेटर प्रभात रंजन कुमार उपस्थित थे।

मंत्री शिल्पी नेहा ने चान्हो में बैंक की कम शाखाओं पर जताई चिंता

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान शुक्रवार को चान्हो में बैंक की कम शाखाओं पर चिंता जाहिर की। मंत्री ने पंजाब नेशनल बैंक में क्षेत्र के लोगों को आ रही परेशानियों को लेकर बैठक की। साथ ही राज्य सरकार के जरिये किसानों के लिए चलाई जा रही दो लाख रुपये तक की ऋण माफी योजना में आ रही अड़चनों को लेकर बैंक अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।
किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी केवाईसी को लेकर हो रही है। केवाईसी नहीं होने से क्षेत्र के लोग सरकार की योजना का समय पर लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस दौरान बैंक की शाखाओं में कैसे इजाफा हो इस पर भी बैंक अधिकारियों के साथ चर्चा की। बैंक की शाखा चान्हों में कम होने से ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों को घंटों

इंतजार करना पड़ता है।
इस दौरान मंत्री ने चान्हों प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का भी वितरण किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि ठंड के इस मौसम में सहायता प्रदान करने का उद्देश्य जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना है। ये एक छोटा सा प्रयास है, जिससे ठिठुरन भरी इस ठंड में उन्हें थोड़ी राहत दी जा सके। जरूरतमंदों को मदद करने की दिशा में सभी को मिलजुल कर पहल करने की जरूरत है।
मंत्री ने रघुनाथपुर पंचायत स्थित कोको आईयो शक्ति पूजा स्थल पर पुनः पहुंच कर मां के चरणों मत्था टेका। मंत्री ने उपस्थित लोगों से कहा कि इसी पवित्र स्थल पर उन्होंने विगत विधानसभा चुनाव में सफलता की कामना की थी और मां को आईयो की कृपा से यह मन्नत पूरी हुई। यह स्थान न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि यहां हर श्रद्धालु की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

आदिवासियों की आवाज थे मरांग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची : शुक्रवार को कांके रोड सरना समिति के बैनर तल्ले कचहरी स्थित जयपाल सिंह मुण्डा स्टेडियम में मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के 122वी जयन्ती पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके संघर्षो को याद किया गया।
कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुण्डा ने कहा की मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा प्रथम व्यक्ति थे जिन्होने सबसे पहले अलग झारखण्ड राज्य की मांग किया था ताकि आदिवासियों के उपर हो रहे शोषण,अत्याचार बन्द हो साथ ही उनके हक, अधिकार, धर्म संस्कृति पर हमला ना हो उसको लेकर आदिवासी महासभा का गठन भी किया था।
कार्यकारी अध्यक्ष शशि मुण्डा ने कहा की जयपाल सिंह मुण्डा प्रथम आदिवासी हॉकी खिलाड़ी थे जो ओलंपिक में भारत को गोल्ड मेडल जीताऐ थें। उपाध्यक्ष सतिश खलखों ने कहा की जयपाल सिंह मुण्डा पढ़े लिखे विख्यात विद्वा थे जो आदिवासियों के मुद्दो को पुरजोर तरीके से उठाते थे।
इस कार्याक्रम में अध्यक्ष डब्लू मुण्डा,कार्यकारी अध्यक्ष शशि मुण्डा,उपाध्यक्ष सतिश खलखों,महासचिव राजेश लकड़ा,सलाहकार प्रकाश टोप्पो,उप-सचिव लखन मुण्डा इत्यादि मौजूद थे।

वादे के अनुरूप 3,200 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीद करे हेमंत सरकार : मरांडी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से धान खरीद में किसानों को इंसाफ देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने वादे पर अमल करते हुए 3,200 रुपये प्रति क्विंटल धान की खरीद करे, कटौती बंद करे और किसानों को इंसाफ दे।
मरांडी ने शुक्रवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हेमंत सरकार में शामिल दलों ने चुनाव से पूर्व 3,200 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीद करने का आश्वासन दिया था लेकिन राज्य सरकार अपने वादे से उलट गई। आज राज्य में 2,300 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीद और 100 रुपये बोनस के साथ 2,400 रुपये

प्रति क्विंटल से खरीद हो रही है। मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार ने 60 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य रखा है लेकिन स्थिति ऐसी है कि अभी तक पूरी तरह जिलों में धान क्रय केंद्र ही नहीं खोले गए हैं। अफसरशाही इतनी हावी है कि वित्त मंत्री अपने क्षेत्र से धान क्रय केंद्र का बिना उद्घाटन किए ही बैरंग वापस लौटने को मजबूर हैं। राज्य में जहां केंद्र खुले भी हैं, उसमें कई स्थानों पर ताले लटके मिल रहे हैं।
मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार लक्ष्य का 15 फीसदी धान भी अबतक नहीं खरीद सकी है। राज्य सरकार इसमें भी धान को गीला बताकर प्रति क्विंटल 10 से 15 किलो की कटौती कर रही है। राज्य सरकार ने धान खरीद की प्रक्रिया को जटिल बना दिया है। राज्य सरकार की उदासीनता के कारण किसान दलाल और बिचौलियों के चंगुल में आने को मजबूर हैं। किसान अपनी मेहनत से उपजाई फसल को 1800 से 1900 रुपये प्रति क्विंटल बेचने को मजबूर हैं। मरांडी ने कहा कि बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ के दलाल, बिचौलिए धान खरीद के लिए बाइक से गांव-गांव घूम रहे हैं। दलाल, बिचौलिए सीधे ट्रक लेकर गांव तक पहुंच जा रहे हैं। किसानों से कम कीमत पर धान खरीद ले रहे। राज्य सरकार का दायित्व है, किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का। किसानों को मजबूती प्रदान करने का ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें।
मरांडी ने कहा कि झारखंड के किसान खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं हैं। यहां केवल एक फसल धान ही है, जिसे एमएसपी पर बेचकर किसान कुछ रुपये कमाते हैं, बाकी दलहन आदि का उत्पादन यहां बड़े पैमाने पर नहीं होता है। ऐसे में किसानों को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है लेकिन राज्य सरकार लगातार किसानों को निराश करने में लगी है। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ फजीर्वाड़ा किया जा रहा है। भाजपा शासित प्रदेशों में अपने घोषित दर पर राज्य सरकार धान की खरीद कर रही जबकि हेमंत सरकार फिर से धोखा देने में जुट गई है।

संक्षिप्त

जमशेदपुर के तीन थानेदारों का तबादला

जमशेदपुर। जिले के एसएसपी किशोर कौशल ने तीन थाना प्रभारियों को बदल दिया है। इसे लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। अधिसूचना के अनुसार कदमा थाना प्रभारी संजय सुमन को लाइन क्लोज कर दिया गया है। उनकी जगह बमार्माइंस थाना प्रभारी आलोक दुबे को कदमा थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं पुलिस लाइन से दिलीप कुमार यादव को बमार्माइंस का थाना प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा सीसीआर के पुलिस निरीक्षक प्रशांत कुमार को टेल्को का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। सभी को जल्द से जल्द योगदान देने को कहा गया है।

पुलिस पर उग्र ग्रामीणों ने किया हमला

देवघर। जिले के देवीपुर थाने के तिलौना गांव में विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस पर उग्र ग्रामीणों ने हमला कर दिया। देवीपुर थाने के पुलिस पदाधिकारी और जवानों के साथ गाली-गलौज, मारपीट की। पुलिसवालों का सरकारी हथियार छीनने का भी ग्रामीणों ने प्रयास किया और सरकारी काम में बाधा भी पहुंचाया। इस मामले में पुलिस ने नीलकंठ मिर्धा, सुनील कुमार तुरी, रिंकु तुरी को गिरफ्तार किया है। सभी तिलौना गांव के रहने वाले हैं। वहीं, मामले में गांगो मिर्धा, विशाल तुरी, दुर्गी देवी, गोल्फा तुरी, विकास गोस्वामी (सभी तिलौना निवासी), आनंद तुरी उर्फ गुलशन की तलाश की जा रही है। मामले में देवीपुर थाने के एसआई अजय सोय ने 9 नामजद और 10 अज्ञात पर केस दर्ज कराया है।

कपाली पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

सरायकेला। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को कपाली ओपी प्रभारी सोनु कुमार ने डोबो पांडे होटल के समीप लोगों को जागरुक किया गया। इस दौरान उन्होंने बिना हेमलेट पहनकर बाइक चलाने वालों को यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी। इसी तरह से कार चालकों को सीट बेल्ट लगाकर ही चलने को लेकर जागरूक किया। उन्होंने राहगीरों से यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करने की अपील की ताकि आए दिन हो रहे सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगे। उन्होंने छोटे बच्चों के अभिभावकों से उन्हें वाहन न देने की अपील की।

प्रवासी मजदूरों का नहीं थम रहा मौत का सिलसिला

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत नरकी पंचायत के ग्राम अलकिलवा निवासी झमन गंझू के 36 वर्षीय पुत्र नरेश गंझू की नववर्ष बुधवार रात्रि एक जनवरी को राजस्थान में मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक छाया हुआ है, वही मौत की सूचना मिलने पर परिजन पूरे सदमे में हैं, बताता जाता हैं कि चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के कैलाश महतो द्वारा नरेश गंझू पिछले 3 माह पूर्व रोजगार के लिए राजस्थान गए थे। मृतक नरेश गंझू टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड कंपनी में फिटिंग मास्टर पद पर कार्यरत थे। एक जनवरी की देर रात्रि में सोये हुए थे, अचानक उनकी मौत हो गई। मृतक अपने पीछे बूढ़े माता पिता,पत्नी बासो देवी, पुत्र सूरज कुमार 12 वर्ष, प्रकाश कुमार 09 वर्ष,सुजीत कुमार 06 वर्ष, राजेंद्र कुमार 02 वर्ष को छोड़ गए।

बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों को गुलाब का फूल भेंट कर गलतियों का कराया एहसास

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सरायकेला। सड़क सुरक्षा माह के तहत दिन शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी सरायकेला - खरसावां गिरजा शंकर महतो के द्वारा कांड्रा चौक पर बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों को गुलाब का फूल भेंट कर उन्हें उनकी गलतियों का आभाष दिलाते हुए भविष्य में बिना हेलमेट बाइक ड्राइविंग न करने की सलाह दी गई और उन्हें उन्मुख किया गया, वहीं दूसरी ओर मोटरसाइकिल में हेलमेट रहते हुए भी ड्राइविंग के दौरान हेलमेट के न प्रयोग करने पर उन्हें चेतावनी दी गई और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुमार्ना के प्रावधान से उन्हें वाकिफ कराया गया।

चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट के प्रयोग पर ध्यान देते हुए चालकों को दुर्घटनाओं से अवगत कराया गया। बिना हेलमेट तकरीबन 80 बाइक सवारों को रोककर सड़क सुरक्षा के नियमों से उन्हें भली भांति अवगत कराया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी सरायकेला खरसावां गिरजा शंकर महतो एवं मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर रवि प्रसाद, दिलीप कुमार एवं सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि आजकल छोटे छोटे उम्र के बच्चे बिना ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट के ही वाहनों की ड्राइविंग करते हैं जो नियमानुसार अपराध है। इतना ही नहीं एक हाथ से बाइक की हैंडल और दूसरे हाथ में मोबाइल से बातें करते हुए भी उन्हें वाहनों की ड्राइविंग करते हुए देखा जाता है, जो दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण है। ड्राइविंग के दौरान हेडफोन पर गाने सुनना और बाइक चलाना दुर्घटनाओं को आमंत्रित करने जैसा है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि जब तक उनके बच्चे निर्धारित उम्र के नहीं हो जाते, किसी भी सूरत में उनके हाथों में बाइक न दें। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस के बाइक या चार पहिया वाहन या फिर अन्य तरह के वाहन परिचालन के लिए उन्हें प्रोत्साहित न करें। इस दौरान पुलिसकर्मियों, अधिवक्ताओं को भी बिना हेलमेट वाहन की ड्राइविंग पर टोका गया और सचेत किया गया। कई कमउम्र बच्चों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए आगे ऐसी गलती न दुहराने का संकल्प लिया।

यातायात नियम का उल्लंघन करने वालों को दिया फूल, किया जागरूक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर के निर्देश पर शुक्रवार को सड़क सुरक्षा माह 2025 जागरुकता अभियान चलाया गया। इसके तहत जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द के नेतृत्व में 'रोज एट रोड' अभियान का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में जिला अंतर्गत मुख्य चौक चौराहों पर यातायात नियम का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को गुलाब फूल एवं माला भेंट की गई। सभी को वाहन चलाते समय यातायात नियम के अनुरूप की वाहन चलाने के लिए कहा गया। सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेवार होने से सड़क दुर्घटना से बचाव का भी विस्तार से जानकारी दी गई।

मौके पर कार्यक्रम में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक शिव कुमार राय, मोटरयान निरीक्षक अमित झा, सुभाष तिग्गा, प्रथम कुमार रजवार, सड़क अभियंत्रिक विश्लेषक प्रविंद कुमार, आईव टीव सहायक अजय कुमार सहित कई कर्मी उपस्थित थे।

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

गुमला: विभिन्न योजनाओं के प्रस्तावों पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गुमला : उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की प्रबंधकीय समिति की बैठक उपायुक्त कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं के प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई और उनके क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। बैठक में बीशुनपुर के अंचल अधिकारी को जीएम लैंड से संबंधित प्रस्ताव और उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने पूर्ण की गई योजनाओं की जानकारी साझा करने के निर्देश देते हुए, ग्राम सभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों की सर्वसम्मति से लिखित प्रस्ताव प्राप्त करने का आदेश दिया। प्रमुख निर्देश और प्रस्ताव सड़क निर्माण, विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण के अधिक प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिन पर प्राथमिकता से कार्रवाई के निर्देश दिए गए। चिरोडीह, सेरका, गुरदरी जैसे क्षेत्रों में योजनाएं, इन स्थानों में अधिक योजनाएं स्वीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

टाना भगत स्कूल, शौचालय निर्माण, चारदीवारी निर्माण, और अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गये, सीसीटीवी कैमरा ,जिले के विभिन्न खनन क्षेत्रों में कैमरों की स्थापना के लिए टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश। एम्बुलेंस व्यवस्था बिमरला और हाड्डप क्षेत्रों में एम्बुलेंस सेवा शुरू करने के निर्देश।

पुल और सड़क निर्माण पुल और सड़क निर्माण से संबंधित प्रस्तावों को प्राथमिकता देते हुए उनकी योजना तैयार करने का निर्देश। पीसीसी पथ निर्माण ग्राम मुखियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए, उन्हें सुविधाजनक और टिकाऊ बनाने पर चर्चा। इसके अतिरिक्त, विभिन्न अन्य विकासात्मक योजनाओं पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया।

उपायुक्त ने सभी योजनाओं को ग्राम सभा की स्वीकृति के पश्चात प्रस्तावित करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो, खनन पदाधिकारी, डीएसपी गुमला, और अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य योजनाओं को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना था, जिससे जिले के विकास को गति दी जा सके।

युवाओं ने विधायक से मुलाकात कर समस्याओं से कराया अवगत

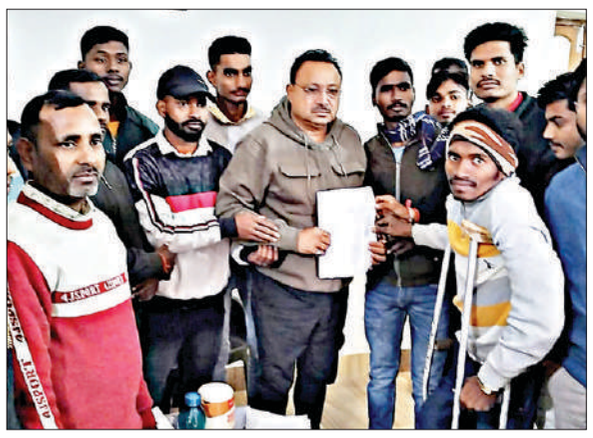

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

वंशीधर नगर। केतार प्रखंड के युवाओं का एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव से उनके आवास पर मिला। उन्हें केतार प्रखंड की विभिन्न समस्याओं को लिखित रूप में सौंपा। ज्ञापन में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसी कई समस्या का उल्ले्ख किया गया है।

आवेदन में उल्लेख किया गया कि पचाडूमर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकर तैयार है। वहां तत्काल डॉक्टर की नियुक्ति की मांग की। उप स्वास्थ्य केंद्र में बेहतरीन और नियमित इलाज की व्यवस्था की जाए। बालिका महाविद्यालय को शीघ्र चालू कराया जाए, ताकि छात्राएं निशुल्क व अच्छी गुणवत्ता शिक्षा प्राप्त कर सकें। लोहिया समता उच्च विद्यालय केतार में प्रबंध समिति का पुनर्गठन करते हुए स्कूल को सही रूप से संचालित करने, केतार प्रखंड के लिए एक एंबुलेंस की व्यवस्था करने की मांग की गई। विधायक अनंत प्रताप देव ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का बहुत जल्द निराकरण किया जाएगा। मौके पर श्याम बिहारी राम, जयंत विश्वकर्मा, गोलू पटेल, मनीष कुमार गुप्ता, सुदीप कुमार, दीपू गुप्ता, राजेन्द्र यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

यात्री बस और ट्रक में जोरदार भिड़ंत, एक की मौत, कई घायल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

मेदिनीनगर : नेशनल हाइवे 75 पर यात्री बस एवं ट्रक में भीषण टक्कर हो गयी। इस हादसे में ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई है। यह हादसा तब हुआ जब पलामू जिले में सतबरवा थाना अन्तर्गत कसियाडीह स्थित डाल्टेनगंज से रांची जा रही जीपीएस नामक एक बस और ट्रक जोड़दार टक्कर से दर्जनों लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

वही दुर्घटना के बाद यात्री बस का ड्राइवर काफी देर तक फंसा रहा था। पलामू से हर रोज बड़ी संख्या में अहले सुबह बस रांची जाती रही है। जिस इलाके में यह दुर्घटना हुई है वहां तीखा मोड़ है और विजिबिलिटी काफी कम होने के कारण घटना होने की सम्भावना लोगों द्वारा बताया जा रहा है। सभी घायलों को तुंबागड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका तत्काल इलाज कराया जा रहा है। यह हादसा तब हुआ जब कसियाडीह बकोरिया के पास सुबह के यात्री बस रांची जा रही थी और ट्रक सामने से आ था। और अत्यधिक ठंड पड़ रहा था। और धुंध भी काफी अधिक थी। धुंध के कारण यह दुर्घटना हुई है। सतबरवा के थाना प्रभारी अंचित कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी जख्मी को इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है, उन्होंने बताया कि दर्जन लोग इस दुर्घटना में घायल हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य में पुलिस प्रशासन और स्थानीय ग्रामीण जुटे हुए थे।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी और सभी जख्मी को अस्पताल पहुंचाया है। गंभीर रूप से जख्मी लोगों को इलाज के लिए बाहर भेजने की तैयारी की जा रही है।जख्मी सभी यात्री पलामू के रहने वाले हैं और वे रांची जा रहे थे। एक यात्री का पैर कट के पूरी तरह से अलग हो गया है। साथ ही पुलिस प्रशासन पूरे मामले में गहनता पूर्वक छानबीन में जुट गई है और आगे की कार्रवाई कर रहे हैं।

जनता दरबार में उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला ने समस्याओं के निराकरण के लिए फरियादियों से मिलकर सुनी शिकायत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सरायकेला। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने जिले के विभिन्न क्षेत्र से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु पहुंचे फरियादियों से क्रमवार मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। वहीं उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार यथोचित कार्रवाई का निर्देश दिया।

साथ ही सभी योग्य लाभुकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में मुख्य रुप से भूमि सम्बन्धित मामले, अनुकम्पा आधारित मामले, नीमडीह प्रखंड अंतर्गत केतुंबा गांव में सबर जनजाति समुदाय की महिलाओ को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से सिलाई मशीन प्रशिक्षण, बांस एवं घास से बनने वाले सामग्रियों का प्रशिक्षण प्रदान करने, राजनगर प्रखंड क्षेत्र के आदरहातु गांव निवासी प्रमुख महतो का नाम अबुआ आवास योजना सूची में जोड़ने, प्रमुख महतो की पुत्री को फुलेबाई किशोरी समृद्धि योजना का लाभ प्रदान करने, गम्हरिया प्रखंड के पारा शिक्षक की मृत्यु के उपरांत परिवार को सुरक्षा एवं नियमानुसार सरकार की योजनाओं का लाभ प्रदान करने समेत विभिन्न विभाग से सम्बन्धित आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनो में कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट निराकरण किया गया तथा अन्य सभी आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसरित किया गया।

विधायक का लगा जनता दरबार

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड कार्यालय स्थित विधायक कार्यालय में विधायक रोशन लाल चौधरी का कॉल लगा जनता दरबार उपस्थित बीडीओ, सीओ के समक्ष प्रखंड की जनता की समस्याओं को सुनी और त्वरित करवाई करने का आदेश बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल, सीओ मनोज कुमार एवं अंचल निरीक्षक नवल किशोर को दिया। उन्होंने कहा कि जनता की हर काम को प्राथमिकता के साथ करें। ताकि आम जनता को किसी भी तरह की कठिनाई न हो। जो कार्य होता हो उसे किसी भी कीमत में टालने का प्रयास न करें। शिकायत आने पर हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। विधायक श्री चौधरी ने नये साल 2025 के शुभ अवसर कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीण जानत को भरोसा दिलाया है, कि जनता की हर समस्याओं का समाधान करना हमारा पहली प्राथमिकता होगी। केंद्र एवं राज्य सरकार की विकास योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी को निस्वार्थ भाव कम करने की जरूरत है। तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्प, सबका साथ सबका विकास एजेंडा सफल होगा।

उपायुक्त ने की पीवीटीजी गांव में चल रहे कार्यों की समीक्षा, दिए कई निर्देश

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में सोमवार को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत जिले के मारगोमुंडा, मोहनपुर, पालोजोरी, सारठ, सारवां व सोनारायठाड़ी प्रखंड अन्तर्गत (पीवीटीजी गांव) चल रही बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने को समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में हुई।

इस दौरान उपायुक्त ने पीवीटीजी समुदाय के विकास पर केन्द्रित प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि डोर टू डोर सर्वे करते हुए पीवीटीजी गांव में कैम्प लगाकर जरूरत के अनुसार योजनाओं से जोड़ते हुए गांवों को सेच्चुरेटेड करने की दिशा में कार्य करें।

राशन कार्ड, जॉब कार्ड, आवास, आधार कार्ड, बैंक एकाउंट, स्वास्थ्य बीमा योजना, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, स्वास्थ्य कैंप, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान और केसीसी से शत प्रतिशत पीभीटीजी गांवों को आच्छादित करने की दिशा में कैंप लगाने का आदेश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया, ताकि पीवीटीजी गांवों में रहने वाले जनजातीय समूहों की सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त व आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

डीसी ने प्रखंडवार तरीके से आदिम जनजाति बहुल गांव एवं टोलों में सर्वे कराते हुए मुख्यमंत्री झारखंड उज्ज्वल योजना के तहत शत प्रतिशत घरों में बिजली कनेक्शन देने का आदेश विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को दिया। जल जीवन मिशन के तहत शेष बचे पीवीटीजी गांवों के शत प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन करने का आदेश कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर व मधुपुर को दिया। पीवीटीजी गांव में शत प्रतिशत व्यस्क लोगों का बैंक खाता खुलवाने के साथ-साथ पीएम किसान योजना और केसीसी से आच्छादित करने के लिए कैंप लगाने का आदेश एलडीएम व जिला कृषि पदाधिकारी को दिया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने अपूर्ण योजनाओं के साथ-साथ नई योजनाओं की मैपिंग करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य योजना बनाकर सभी पीवीटीजी गांव में केंद्र और राज्य सरकार के योजनाओं से लाभान्वित करने की दिशा में कार्य करें।

ग्राम सभा के माध्यम से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए निर्धारित कार्य योजना तैयार करने, विकास कार्यों को गति देने, आवश्यक बजट तकनीकी तैयार करने, विभागीय समन्वय स्थापित करने का निदेश संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से पीवीटीजी गांव में लगातार कैंप का आयोजन कर स्वास्थ्य सुविधा से लाभान्वित करे।

बैठक में सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी, जिला कल्याण पदाधिकारी दयानन्द दूबे, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कुमारी रंजना, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग सरि?ता भारती, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल नीरज कुमार, कार्यपालक अभियंत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर संजय प्रसाद, कार्यपालक अभियंत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल मधुपुर राहुल प्रियदर्शी, उप निदेशक आत्मा, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी के साथ-साथ संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त

कार के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

बोकारो। पेटरवार प्रखंड मुख्यालय से 300 मीटर दूर छोटानागपुर कोल्ड स्टोरेज के समीप एनएच 23 पर बेकाबू कार ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक सवार युवक पेटरवार के केवट टोला गांव निवासी नीतीश कुमार साव की मौत हो गई। जबकि दो अन्य युवक घायल हो गए. घायलों में पेटरवार न्यू बस स्टैंड निवासी दीपक कुमार साव व विक्की कुमार साव शामिल हैं। दोनों के सिर में गहरी चोट है। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद विक्की को बेहतर इलाज के लिए परिजन मुस्कान अस्पताल चास ले गए, जबकि दीपक कुमार साव को रांची के रिम्स भेजा गया। घटना गुरुवार रात करीब 9 बजे की बताई जाती है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने एनएच 23 को घटनास्थल के पास करीब दो घंटे तक जाम कर दिया। सूचना मिलते ही सीओ अशोक राम, थाना प्रभारी राजू मुंडा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. प्रखंड उपप्रमुख सीमा कुमारी, संजय गुप्ता समेत अन्य लोग परिजनों को ढांढस बंधा रहे थे।

डोमजुड़ी में नेत्र जांच शिविर आयोजित

जमशेदपुर। श्री श्री चैतन्य वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष लखी दास की अगुवाई में डोमजुड़ी ग्राम में आज शुक्रवार को नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। इस दौरान 10 लोगों में मोतियाबिंद मिलने पर ऑपरेशन के लिए उनका चयन किया गया। इन चयनित मरीजों का केसीसी आई हॉस्पिटल में मुफ्त में ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने में नेत्र डॉक्टर अजय कुमार समेत श्री श्री चैतन्य वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष लक्खी दास, सचिव शंकर दास, संस्थापक सदस्य तापस कुमार दास, प्रभाकर दास, धनु राज हेंब्रोम, जगदीश दास, उपमुखिया जयगोपाल दास, नवद्वीप दास, विद्या सागर दास एवं बबलू दास ने अहम योगदान दिया।

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनीं आमजनों की समस्याएं

समयबद्ध कार्रवाई को लेकर किया आश्वस्त, कई आवेदनों का हुआ ऑन द स्पॉट समाधान

- फरियादियों ने व्यक्तिगत व सामाजिक मुद्दों से जुड़ी समस्याओं से कराया अवगत

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि
जमशेदपुर। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में जनता दरबार लगाया. इस दौरान उन्होंने आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना तथा समयबद्ध कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया।

इस दौरान 70 से ज्यादा फरियादियों ने व्यक्तिगत व सामाजिक मुद्दों से जुड़ी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। जिसपर उपायुक्त ने यथाशीघ्र कार्रवाई को लेकर उन्हें आश्वस्त किया। शिकायतों में जमीन अधिग्रहण का मुआवजा भुगतान, चिकित्सा सहायता, घरेलू विवाद, भूमि विवाद, स्थानांतरण, अवैध शिक्षकों का वेतन बंद करने के संबंध में, रास्ता अतिक्रमण और जान से मारने की धमकी देने, आंगनबाड़ी केन्द्र में नौकरी, भुगतान के संबंध में, महिला थाना में दिए गए आवेदन पर कार्रवाई नहीं होने समेत कई अन्य मामले उपायुक्त के संज्ञान में लाए गए।

अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश जनता दरबार में आम लोगों की वैसी समस्याओं को उपायुक्त ने विभागीय अधिकारियों को स्थानांतरित कर दिया, जो उनके स्तर से क्रियान्वित होने वाली थी। साथ ही आम जनता से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ निष्पादित करने का निर्देश दिया. जनता दरबार में उपायुक्त ने कई आवेदनों का ऑन द स्पॉट समाधान भी किया।

बोकारो थर्मलः सीआईएसएफ कैंप में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि
बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल के सिक्स यूनिट स्थित सीआईएसएफ कैंप में नववर्ष के अवसर पर कैंप की महिलाओं एवं बच्चों के द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन डिप्टी कमांडेंट अरुण प्रसाद ई, श्रीमति अनु के,सहायक समादेष्टा फायर मो इसाम एवं एसबीआई के चीफ मैनेजर सुभाष प्रसाद ने संयुक्त रुप से किया।

कार्यक्रम में कैंप के छोटे-छोटे बच्चों शांभवी यादव,शान्वी यादव, मोहित मीणा, आरव, मुकुल, भव्या, अक्षिता, शिफाली, वैभवी मिश्रा, श्रावणी आयुषी एवं पायल के द्वारा कई नृत्य एवं गीत के सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति की गई जिसे अतिथियों ने काफी सराहा। मौके पर डिप्टी कमांडेंट एवं चीफ मैनेजर ने कहा कि ऐसे अवसरों के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलता है।

कार्यक्रम का संचालन सअनि एके तिवारी,आरके मिश्रा एवं अर्चना राज ने किया। मौके पर निरीक्षक प्रशांत कुमार प्रसून, पूजा कुमारी, प्रतिमा कुमारी,मो इबरार, बच्चू सिंह, मुकेश तिवारी,एसके साव, सुरेश यादव, रविंद्र कुमार, रणवीर सिंह, शिवनाथ उरांव, नीतेश पुनिया, संजीव कुमार,रानी कुमारी आदि मौजूद थे।

वाहन चालकों से नियमों के पालन की अपील

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि
जमशेदपुर। 01 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक मनाए जाने वाले सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ने शुक्रवार को अनोखा तरीका अपनाया। शहर की सड़कों पर साक्षात यमराज उतारकर लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की की।

इस अभियान के तहत जुबली पार्क के आसपास एवं शहर के सभी ट्रैफिक चेकिंग स्थलों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को यमराज ने चेतावनी दी तथा सड़क सुरक्षा- जीवन रक्षा के महत्व को बताया। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय, ट्रैफिक डीएसपी नीरज कुमार, एमवीआई सूरज हेम्ब्रम, निशांत महतो और ईश्वर लाल साव तथा सभी ट्रैफिक थाना प्रभारी एवं डीआरएसएम प्रकाश कुमार गिरी, सड़क अभियांत्रिक विश्लेषक नवीन कुमार ने अलग-अलग जांच स्थलों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन चालकों को माला पहनाकर एवं गुलाब का फूल देकर शर्मिंदगी महसूस कराई। अभियान के दौरान यमराज के माध्यम से मैसेज देने का प्रयास किया गया कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें, चार पहिया या भारी वाहनों में सीटबेल्ट का प्रयोग, सड़क पर निर्धारित गतिसीमा में ही वाहन चलाने, ओवरलोड नहीं करने व यातायात नियमों का पालन करें। साथ ही सडक दुर्घटनाओं के कारणों से अवगत कराया गया।

ऑटो चालक सूरज प्रमाणिक हत्याकांड में तीन गिरफ्तार

- पुराने विवाद को लेकर आरोपियों ने दिया था घटना को अंजाम

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि
जमशेदपुर। सोनारी थाना क्षेत्र के ऑटो चालक सूरज प्रमाणिक हत्याकांड का जिला पुलिस ने खुलासा कर दिया। शुक्रवार को इस मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

हत्या एक पुराने विवाद को लेकर की गई थी। एसएसपी कार्यालय में मीडिया को एसएसपी कौशल किशोर ने बताया कि सूरज प्रमाणिक के साथ मनोज जायसवाल उर्फ मनोज पगली का पुराना विवाद था। मारपीट के दौरान मनोज ने सूरज की आंख फोड़ दी थी। सूरज ने भी मनोज के साथ मारपीट की थी। जिसके बाद मनोज ने सूरज को अपनी बस्ती में आने से मना किया था और बुरे अंजाम की चेतावनी दी थी। गाहे-बगाहे सूरज कारमेल स्कूल से सटे बस्ती में जाता था। यह देखने के बाद मनोज ने अपने अन्य साथियों पिंटू सिंह उर्फ प्रकाश कुमार सिंह और विकास सिंह उर्फ हेते को इसकी जानकारी दी तथा हत्या करने का प्लान बनाया। बृहस्पतिवार को सूरज प्रमाणिक कारमेल स्कूल के पास अपने ऑटो में बैठा था। उसी दौरान तीनों वहां पहुंच गए तथा उसे घेर लिया। उसके बाद मनोज ने उसे गोली मार दी।

देसी पिस्टल, तीन गोली और स्कूटी बरामद

छानबीन में यह बात सामने आई है कि विकास सिंह उर्फ हेते ने मनोज एवं उसके दोस्त पिंटू को पिस्टल उपलब्ध कराई थी। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त देसी पिस्टल, तीन गोली और स्कूटी बरामद कर ली है। वहीं तीनों आरोपियों को न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया।

अधिवक्ता सुनील गुलिआर का लेखन अनुकरणीयः गोप

- लिखी है 'वृहद छोटा नागपुर के आदि-बुनियाद' पुस्तक

प्रातः नागपुरी संवाददाता
जमशेदपुर। झारखंड के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक तथ्यों पर आधारित पुस्तक के लेखक, आदिवासी कुड़मी समाज महासचिव एवं जिला बार एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ता सुनील कुमार गुलिआर को शुक्रवार को वरीय अधिवक्ताओं द्वारा सम्मानित किया गया।

पूर्व लोक अभियोजक पीएन गोप पूर्व संयुक्त सचिव मलकीत सिंह सैनी, पूर्व संयोजक सचिव मोहम्मद कासिम एवं वरीय अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू ने बसंती चोला ओढ़ाकर सम्मानित किया।

वरीय अधिवक्ता पीएन गोप के अनुसार पांच साल के कठिन परिश्रम एवं जटिल प्रक्रिया से गुजरते हुए लेखक सुनील गुलिआर ने वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित पुस्तक लिखी है जो सभी के लिए अनुकरणीय है।

अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू के अनुसार झारखंड सरकार को चाहिए कि वह उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में इसे शामिल करें जिससे झारखंड की सभ्यता संस्कृति एवं उत्तरोत्तर विकास से प्रांत के बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता, शोधकर्ता के साथ ही भावी पीढ़ी अवगत हो सके।

बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष जेपी भगत, एनके मिश्रा, दीना प्रसाद, मोहनीश पाण्डेय, कुलविंदर सिंह, श्रीकांत सिंह, राहुल राय आदि अधिवक्ता थे। सुनील गुलिआर के अनुसार पांच साल की अथक परिश्रम से 'वृहद छोटानागपुर के आदि-बुनियाद' नामक पुस्तक लिखी है। इसमें वृहद छोटानागपुर कृषि सभ्यता का विकास और इसमें विशेषकर टोटेमिक कुड़मी समुदायों द्वारा प्रारंभिक योगदान का विवरण है।

छोटानागपुर के आदिवासी, अनुसूचित जनजाति, 1941 की जनगणना में आदिवासियों को हिन्दू बताने की साजिश, आदिवासी महासभा बनाम सनातन आदिवासी महासभा के बीच का वैचारिक संघर्ष, आदिवासी अर्थात सरना धर्म, लोकुर कमेटी, आदिम कुड़मी, राढ़ क्षेत्र के लिपि, झाड़खंडी संस्कृति आदि पर प्रकाश डालने की कोशिश की है।

वरिष्ठ नागरिक समिति ने की मानगो में व्याप्त गंदगी की सफाई की मांग

जमशेदपुर। मानगो नगर निगम क्षेत्र में व्याप्त गंदगी की सफाई की मांग को लेकर शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक समिति का एक प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त से मिला। इस दौरान उनसे गंदगी की समस्या से निजात दिलाने की अपील की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे शिवपूजन सिंह ने बताया कि पूरे देश में स्वच्छता सर्वेक्षण चल रहा है। जमशेदपुर की नगर निकाय जेएनएसी एवं एमएमसी का सफाई को लेकर रिकॉर्ड पूरे देश में बेहतर है, जो गौरवान्वित करने वाला है। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि क्लीन सिटी और ग्रीन सिटी के नाम से मशहूर शहर अब डर्टी सिटी में तब्दील हो गया है। विशेष कर मानगो क्षेत्र की स्थिति सबसे खराब है। पूरे मानगो से कचरा उठाव हो कर उसे गाड़ियों में जमा कर रखा जा रहा है। उसका निष्पादन पिछले कई सप्ताह से नहीं हो पा रहा है। मानगो अधिसूचित क्षेत्र समिति का इसे लेकर कोई होमवर्क ही नहीं है। मानगो की लगभग चार लाख की आबादी त्राहिमाम कर रही है। दुर्गंध की वजह से लोगों का जीना मुहाल है, बदबू की वजह से कभी भी क्षेत्र में महामारी फैल सकती है। इतनी विकराल स्थिति होने के बावजूद मानगो नगर निगम के साथ-साथ जिला प्रशासन भी इस समस्या का निदान अब तक नहीं कर पाया है। उन्होंने उपायुक्त को याद दिलाया कि गत वर्ष नवंबर माह में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 को लेकर सभी निकायों की बैठक हुई थी, जिसमें पूरे शहर से आह्वान किया था कि कचरे के विरुद्ध जन-आंदोलन चलायें। लेकिन, जिस प्रकार कचरा निष्पादन को लेकर जिला प्रशासन का ढुलमुल एवं असंवेदनहीन रवैया है, इससे शहर की छवि खराब हो रही है।

ठंड से राहत के लिए असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि
जमशेदपुर। बहरागोड़ा प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक समीर महंती उपस्थित हुए। इस झारखंड सरकार की ओर से गरीब असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण विधायक के हाथों से किया गया। विधायक ने कहा कि बढ़ती ठंड से राहत देने के लिए सरकार की ओर से कंबल वितरण कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर बीडीओ केशव भारती ने कहा कि प्रथम किस्?त में 1500 कंबल कार्यालय में आया है और 3500 कंबल आने वाला है। जल्द ही पंचायत स्तर पर असहाय गरीब लोगों के बीच कंबल वितरित किया जाएगा। इस मौके पर अंचल अधिकारी सीओ राजाराम सिंह मुंडा, उप प्रमुख मुन्ना होता, एई प्रताप महंती, असित मिश्रा, निर्मल दुबे, जेई अभिजीत बेरा, रासबिहारी साव, मदन मन्ना, सुमित माईती, मिथुन कर व बापी घोष आदि उपस्थित थे।

अभ्यर्थियों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

जमशेदपुर। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के युवाओं ने चौकीदार बहाली प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर शुक्रवार को अभ्यर्थियों ने उपायुक्त के नाम पर प्रखंड विकास पदाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें 22 दिसंबर 2024 को ली गई लिखित परीक्षा के गुरुवार को जारी परिणाम में पारदर्शिता का घोर अभाव होने से अवगत कराया गया है।

सुकन्या फाउंडेशन ट्रस्ट ने मनाई सावित्री बाई फुले की जयंती

बोकारो। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट ने शुक्रवार को चास स्थित प्रधान कार्यालय में देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई। संस्था के संस्थापक सह सचिव अमल दास ने सावित्री बाई फुले की तस्वीर पर फूल-माल चढ़ाकर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि माता सावित्री बाई ने अपनी मेहनत व पति के सहयोग से महिलाओं के लिए देश में पहला स्कूल खोला था। इसीलिए उन्हें शिक्षा की माता कहा जाता है। उन्होंने लोगों से सावित्री बाई फुले के सिद्धांतों पर चलने की अपील की। मौके पर जिला प्रभारी अशोक दास, उप जिला प्रभारी श्रीकांत दास, ममता देवी, रेणुका बाउरी, डिम्पल देवी, लक्ष्मी कुमारी, पविता देवी, जमुना कुमारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

तबेले में आग लगने से बछड़े की मौत, तीन गायें झुलसीं

जमशेदपुर। डोमजुड़ी पंचायत अंतर्गत ईटामुड़ा गांव में रामचंद्र पात्र के घर के बाहर बने तबेला में आग लगने से एक बछड़ा की मृत्यु हो गई तथा तीन गायें जलकर बुरी तरह से घायल हो गईं। मिली जानकारी के अनुसार बढ़ते ठंड को देखते हुए रात्रि के समय तबेला को गर्म करने के लिए आतरा दिया गया था। जहां से देर रात तबेला में आग लग गई। जिससे तबेला में बंधे तीन गाय तथा एक बछड़ा उसकी चपेट में आ गए और बुरी तरह से झुलस गए। स्थानीय लोगों की नजर पड़ने पर आग बुझाई गई। साथ ही पशु चिकित्सा एंबुलेंस को खबर दी गई। मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सक ने जली हुए गायों का उपचार किया. हालांकि उपचार के दौरान एक बछड़ा की मृत्यु हो गई।

सांसद प्रतिनिधि के नेतृत्व में डीवीसी डीजीएम कार्यालय का घेराव

वार्ता के लिए सौंपा पत्र, पूर्व जिलाध्यक्ष ने भी कंपनी के कार्य का जताया विरोध

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि
बोकारो थर्मल। गिरिडीह के सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव के नेतृत्व में शुक्रवार को अपराहन साढ़े चार बजे विस्थापित गांव नया बस्ती के सैकड़ों महिला एवं पुरुषों ने डीवीसी के एडीएम कार्यालय स्थित डीजीएम कार्यालय के बाहर बैठकर मांगों को लेकर विरोध किया। ग्रामीणों की मांग थी कि डीवीसी के विस्थापित गांव नया बस्ती के विस्थापितों को उनके जमीन के एवज में लगान एवं रशीद निर्गत किया जाय।

साथ ही पावर प्लांट स्थित एफजीडी का निर्माण करनेवाली कंपनी टेक्नो में एएमसी के तहत जिस कंपनी को कार्य बिना निविदा करवाये दिया गया है उसमें विस्थापितों को प्राथमिकता के आधार पर नियोजन में रखा जाय और जब तक विस्थापितों को नियोजन में नहीं रखा जाता है तब तक एएमसी के तहत कंपनी द्वारा बनाये जा रहे गेट पास के कार्य को स्थगित किया जाय। इसके अलावा पावर प्लांट के ब्यॉलर एवं सीएचपी के एएमसी कार्य में भी नया बस्ती के विस्थापितों को कार्य पर रखा जाय। उपरोक्त मांगों को लेकर जब सांसद प्रतिनिधि के नेतृत्व में ग्रामीण डीजीएम से वार्ता करना चाह रहे थे तो डीजीएम बीजी होलकर ने उनसे वार्ता करने से यह कहकर इंकार कर दिया कि पहले मांगों को लेकर लिखित मांग पत्र उन्हें दिया जाय,उसके बाद ही वार्ता के लिए आमंत्रित किया जाएगा। बाद में जितेंद्र यादव, रोशनलाल यादव सहित ने लिखित मांग पत्र वार्ता हेतु डीजीएम को सौंपा। मौके पर सूरज कुमार यादव, अनूप कुमार सिंह, गोविंद यादव,भीमलाल यादव, सुनील कुमार यादव, जगेश्वर सिंह, शशि कुमार, सुजल कुमार, कमलदेव यादव, उर्मिला देवी, रीना देवी, सूकम देवी, राखी देवी, एकता कुमारी, सुनैना देवी,सोनी कुमारी, गुड़िया देवी, शकुंतला देवी, तारा देवी, धीरज कुमार, कुलदीप यादव सहित काफी संख्या में ग्रमीण मौजूद थे।

पूर्व जिलाध्यक्ष ने विरोध जताया- पावर प्लांट स्थित एफजीडी का कार्य करनेवाली कंपनी टेक्नो द्वारा बिना निविदा करवाये एएमसी का कार्य केआर नामक कंपनी को दिये जाने का विरोध शुक्रवार को बोकारो जिला भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह ने जताते हुए डीवीसी के डीजीएम से कंपनी के बनाये जा रहे गेट पास को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की मांग की है। पूर्व जिलाध्यक्ष ने शुक्रवार को डीवीसी के डीजीएम बीजी होलकर से मामले को लेकर विरोध जताते हुए कहा कि उक्त कंपनी का कार्य करनेवाला एक संवेदक मनमाने तरीके से लोगों को कार्य पर रखने का कार्य कर रहा है। कंपनी के एएमसी के कार्य में स्थानीय एवं विस्थापितों को कार्य पर रखने में प्रमुखता दी जाय अन्यथा जोरदार आंदोलन किया जाएगा। कहा कि डीवीसी के एचओपी के अवकाश से लौटने पर वार्ता के बाद ही कंपनी के गेट पास को बनाने की प्रक्रिया आरंभ की जाय। डीजीएम ने पूर्व जिलाध्यक्ष को अपनी मांगों को लिखकर देने की बात कही। मामले को लेकर डीजीएम ने पूछे जाने पर कहा कि नया बस्ती के ग्रामीण उनसे मिलने आये थे परंतु उन्होंने मिलने से इंकार कर दिया और कहा कि जो भी मामला है वे लिखकर कार्यालय में जमा कर दें।

क्यों नहीं थम रहा रुपये में गिरावट का सिलसिला

डॉ. सत्यवान सौरभ

र्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। भारतीय रुपये में गिरावट बाहरी क्षेत्र की कमजोरियों के बीच मुद्रा स्थिरता बनाए रखने की चुनौतियों को रेखांकित करती है। मुद्रा मूल्य में उतार-चढ़ाव वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और पूंजी बहिर्वाह के साथ-साथ राजकोषीय घाटे जैसे घरेलू कारकों से उत्पन्न होते हैं। भारत के बाहरी लचीलेपन को बढ़ाने और इसकी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए प्रभावी नीतिगत उपाय महत्त्वपूर्ण हैं...

सितंबर 2024 के शेयर शिखर के बाद निरंतर बहिर्वाह ने रुपये को कमजोर कर दिया क्योंकि निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि की अटकलों के बीच सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर चले गए। उच्च व्यापार घाटे जैसे व्यापार घाटे आयात पर बाहरी निर्भरता को उजागर करते हैं, विशेष रूप से ऊर्जा के लिए, रुपये की कमजोरी के दौरान चालू खाता घाटा बढ़ाते हैं। रुपये के अवमूल्यन के साथ भारत का कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया, जिससे 2024 का व्यापार घाटा बढ़कर $75 बिलियन के करीब पहुँच गया।

टैरिफ की धमकियाँ और ब्रिक्स मुद्रा विवाद जैसी वैश्विक घटनाएँ भारत के बाहरी व्यापार और निवेश के लिए अनिश्चितताएँ पैदा करके अस्थिरता को बढ़ाती हैं। ब्रिक्स देशों की मुद्रा योजनाओं के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति की 2024 टैरिफ चेतावनी ने बाजार में बिकवाली को बढ़ावा दिया, जिससे भारत की बाहरी स्थिरता कमजोर हुई। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी निर्भरता निरंतर वैश्विक बाजार अशांति के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक लचीलेपन को प्रतिबंधित करती है।

रुपये को वापस 85.53 पर लाने के लिए दिसम्बर 2024 में एक ही तिमाही में $20 बिलियन से अधिक के भंडार को समाप्त कर दिया। कमजोर रुपया घरेलू मौद्रिक नीतियों को प्रतिबंधित करता है, महंगे आयातों के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ाता है जबकि विकास सम्बंधी चिंताओं को दूर करने के लिए राजकोषीय स्थान को कम करता है। दिसम्बर 2024 में कच्चे तेल के आयात की लागत 15% बढ़ गई, जिससे नीति निमार्ताओं पर मुद्रा प्रबंधन और राजकोषीय विस्तार रणनीतियों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने का दबाव पड़ा।

टैरिफ या प्रतिबंध जैसे संरक्षणवादी व्यापार उपाय, व्यापार संतुलन को बाधित करके मुद्रा स्थिरता को कमजोर कर सकते हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच राजनीतिक अस्थिरता या संघर्ष अस्थिरता पैदा करते हैं, जिससे सुरक्षित-पनाहगाह डॉलर की मांग बढ़ती है और उभरते बाजारों की मुद्राएँ कमजोर होती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे भारत के आयात बिल पर दबाव पड़ा और रुपये का मूल्य कम हुआ। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सख्त मौद्रिक

नीतियों के कारण भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है, जिससे रुपये पर दबाव पड़ता है। 2022-23 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में बढ़ोतरी के कारण विदेशी पोर्टफोलियो का बहिर्वाह हुआ, जिससे रुपया कमजोर हुआ।

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। उच्च घरेलू मुद्रास्फीति मुद्रा मूल्य को कम करती है, जिससे निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाता है और आयात महंगा हो जाता है। कच्चे तेल जैसे अलोचदार आयातों की बढ़ती कीमतों ने भारत के आयात बिलों को बढ़ा दिया, जिससे 2023 में रुपया कमजोर हो गया। घरेलू और विदेशी निवेश में गिरावट कमजोर आर्थिक विकास का संकेत देती है, जिससे मुद्रा प्रवाह हतोत्साहित होता है। 2024 में, कॉर्पोरेट प्रदर्शन में कमी और स्टॉक वैल्यूएशन में वृद्धि के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह हुआ।

मुद्रा को स्थिर करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा सीमित हैं और केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकते हैं। दिसम्बर 2024 में आरबीआई के देर से हस्तक्षेप ने रुपये को अस्थायी रूप से 85.53 प्रति डॉलर पर स्थिर करने में कामयाबी हासिल की। राजकोषीय रूप से विवश सरकार बाहरी झटकों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता को कम करती है, जिससे मुद्रा स्थिरता में विश्वास कमजोर होता है। महामारी के दौरान भारत के रिकॉर्ड राजकोषीय घाटे ने बाहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उपायों को सीमित कर दिया। मुद्रा नीतियों पर सरकार का स्पष्ट रुख निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है और सट्टा दबाव कम करता है। आरबीआई गवर्नर द्वारा 2024 में डी-डॉलराइजेशन को खारिज करने से बाजार आश्वस्त हुआ, जिससे रुपये के मूल्यह्रास की चिंताएँ अस्थायी रूप से कम हो गईं। ।

बाह्य लचीलेपन को मजबूत करने के उपाय हैं, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए मूल्यवर्धित विनिर्माण और सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना। फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों को मजबूत करने से व्यापार घाटे को कम करने और रुपये को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। विविध आपूर्तिकताओं के साथ दीर्घकालिक समझौते कर-के अस्थिर कच्चे तेल और आवश्यक आयात पर निर्भरता कम करें। रूस और मध्य पूर्वी देशों से कच्चे तेल के आयात का विस्तार करने से 2023 में औसत तेल आयात लागत कम हो गई। प्रभावी मुद्रा स्थिरीकरण के लिए सॉवरेन वेल्थ फंड और सोने के संचय के माध्यम से मजबूत भंडार बनाएँ।

रिजर्व बैंक के अनुसार 2021 में $600 बिलियन के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने महामारी के दौरान अस्थिरता को प्रबंधित करने में मदद की। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को निपटाने, अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और विनिमय दर जोखिमों को कम करने के लिए समझौतों में शामिल हों। भारत-रूस रुपया-रूबल व्यापार तंत्र ने रूस-यूक्रेन संकट के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम किया। मुद्रा जोखिमों से बचने के लिए अल्पकालिक बाहरी ऋण को कम करते हुए कम लागत और लंबी अवधि के उधार को प्राथमिकता दें।

भारत द्वारा सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने में वृद्धि ने 2023 में पुनर्भुगतान अस्थिरता को कम करने के साथ स्थिर विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद की। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के आर्थिक लचीलेपन के लिए एक मजबूत बाहरी क्षेत्र महत्त्वपूर्ण है। निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर, विवेकपूर्ण राजकोषीय नीति सुनिश्चित करके, विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाकर और रुपये में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर, भारत मुद्रा अस्थिरता को कम कर सकता है। संरचनात्मक सुधारों और वैश्विक आर्थिक एकीकरण पर जोर देने वाली एक दूरदर्शी रणनीति दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगी और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी।

संपादकीय

आर्थिक चुनौतियों का होगा नया साल

बुधवार को जिस 2025 का आगाज हुआ है उसमें अनेक तरह की आर्थिक चुनौतियां होंगी। जिस तरह से महंगाई बढ़ी है तथा केन्द्र सरकार के पास उसे कम करने व लोगों को रोजगार देने की कोई ठोस योजना नहीं है, उससे साफ है कि आमजन के लिये यह साल पहले से कहीं अधिक कष्टप्रद होगा। वर्ष 2024 के आखिरी दिन कांग्रेस ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के जो आंकड़े उद्धृत किये हैं, वे भारतीय अर्थव्यवस्था की भयावह तस्वीर पेश करने के लिये काफी हैं। कहने को तो ये आंकड़े गोल्ड लोन लेकर अथवा गहने गिरवी रख या बेचकर घर चलाने के सम्बन्ध में हैं, जिसे एक तरह से सीमित विषय पर केन्द्रित कहा जा सकता है, परन्तु देश की जो सामाजिक व्यवस्था है उसमें घर खर्च चलाने के लिये सोना गिरवी रखना अथवा बेचना आम आदमी का अंतिम उपाय माना जाता है। ऐसा करना लोगों की बदहाली व मजबूरी का द्योतक है। असली बात यह है कि ऐसी तमाम परिस्थितियों को सिरे से खारिज करने की आदी भारतीय जनता पार्टी की सरकार यह नहीं बतलाती कि वह जनता को इस हालत से बाहर निकालने के लिये क्या करने जा रही है। कांग्रेस ने मंगलवार को आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि 'देश की अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। लोगों के पास कमाई के साधन नहीं हैं और उन्हें घर चलाने के लिये गहने गिरवी रखकर कर्ज लेना पड़ रहा है। इसके बाद भी स्थिति सुधर नहीं रही। वे कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं।' बकौल कांग्रेस, आरबीआई ने जो तथ्य दिये हैं उनमें प्रमुख हैं-गोल्ड लोन के डिफाल्टर के मामले मार्च 2024 से जून 2024 तक 30 फीसदी बढ़ गये, कमर्शियल बैंकों में डिफाल्टर मामलों में 62 प्रतिशत का इजाफा तथा बीते वर्ष के पहले 7 महीनों में कर्ज लेने के मामलों में 50 प्रश की वृद्धि। कांग्रेस की इस बात में दम है कि, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आम जनता की परेशानियों से कोई फर्क नहीं पड़ रहा। वे देश की अर्थव्यवस्था को सम्भालने में पूरी तरह से नाकाम हो चुके हैं।' इसमें कोई शक नहीं कि सोना गिरवी रखना या बेचना माली हालत का सबसे बड़ा सूचकांक माना जाता है- फिर वह चाहे व्यक्ति हो या देश। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि देश की हालत बहुत खराब है। मुल्क की जो स्थिति हैं वह साफ बतला रही है कि यदि लोगों को सोना बेचना पड़ रहा है या वे उसे गिरवी रखकर घर का खर्च चला रहे हैं तो इसका अर्थ है कि उनकी आमदनी काफी घटी है। दूसरे, महंगाई का जो आलम है वह भी सर्वत्र दिख पड़ता है। साग-सब्जियों से लेकर खाने-पीने की वस्तुएं तथा तमाम उपभोक्ता सामग्रियां लगातार महंगी होती जा रही हैं। कोई भी ऐसा महीना नहीं आता जिसमें किसी भी वस्तु के दाम घटने की खबर मिलती हो। ऊपर से, तमाम तरह की सामग्रियां, सेवाएं या उत्पाद जीएसटी के दायरे में लाई जा चुकी हैं; और जो नहीं लाई गयी थीं, वे भी लाई जा रही हैं। यहां तक कि बहुत बुनियादी जरूरतों की सामग्रियों या सेवाएं तक लगातार महंगी होती जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, दवाएं, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस आदि शामिल हैं। यहां तक कि किसानों के लिये जरूरी कृषि उपयोगी वस्तुएं, उपकरण, खाद आदि सभी कुछ महंगा होता जा रहा है। वैसे भी मोदी सरकार का सारा ध्यान और अनुराग उच्च वर्गों के लिये हैं। सामान्य दर्जे की ट्रेनों की बजाये उसकी दिलचस्पी महंगी ट्रेनें (वंदे भारत, बुलेट ट्रेन आदि) चलाने में हैं। लोगों की जेब पर जिस तरह से बोझ बढ़ता जा रहा है उनके पास सोना गिरवी रखने या बेचने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह जाता। हर किसी के पास इतनी जमा-पूंजी नहीं रहती कि वह वर्षों तक महंगाई को झेल सके। न ही हर किसी के पास जमीनें होती हैं। मकान सभी के लिये जरूरी होता है पर पाया गया है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान जनजीवन जैसा महंगा हुआ है, लोग मकान बेचकर छोटे शहरों या सस्ते आवासों वाली बस्तियों में जा रहे हैं।

चिंतन-मनन

मनुष्य को कर्मों का कर्ज चुकाना होगा

भगवान ने हमारे जीवन को पवित्र बनाने के लिए समय-समय पर जो उपदेश दिए हैं, वे शास्त्रों के रूप में हमारे सामने हैं। हमें यह जो मनुष्य भव मिला है, यदि कर्मों का कर्ज चुका दिया तो सीधे मोक्ष प्राप्त हो सकता है। मनुष्य को अपने कर्मों का भुगतान स्वयं करना पड़ता है। उपाध्याय प्रवर मूलमुनिजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई भवों के बाद मनुष्य जन्म प्राप्त होता है। हम मनुष्य भव को सद्कार्यों में लगाकर जीवन का कल्याण कर सकते हैं। ऋषभमुनिजी ने कहा कि भगवान के शरीर में तीर्थंकर का शरीर सबसे श्रेष्ठ बना है। तीर्थंकरों के शरीर में सुगंध आती है जबकि भगवान के पास जाते ही समभाव आ जाता है। भगवान के 34 अतिशय का प्रभाव रहता है। भगवान का शरीर के प्रति राग नहीं रहता। केवलज्ञान ही पूर्ण ज्ञान रहता है। आत्मा ही गुरु है। आत्मा ही देव है।

जीवन का मूलमंत्र है संघर्ष

किशन सनमुखदास भावनानी

मानव जीवन में संघर्ष, मेंहनत, कौशलता यह तीन अस्त्र ऐसे हैं जो जीवन की सफलता के मूल मंत्र हैं इन तीन मंत्रों के बलपर हर मानव अपने जीवन रूपी गाड़ी को मंजिल तक पहुंचाने में कामयाब रहता है! क्योंकि आज के युग में सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष की सीढ़ी पर चढ़ना होता है, हालांकि हो सकता है इस सीढ़ी से हम कई बार फिस्लें भी, परंतु यदि सफलता पाने का जज्बा और जांबाजी है तो हमें, फिसलकर फिर उठ खड़ा होकर सफलता की सीढ़ी पर चढ़ना होगा। इसे ही संघर्ष का नाम दिया गया है इससे हम जरूर सफलता की इस सीढ़ी के अंतिम पहिए तक पहुंचकर अपना,अपने कुल का और भारत का नाम रोशन करने में कामयाब होंगे। साथियों बात अगर हम चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी सीखने की करें तो, नन्हीं सी चींटी महीने भर मेहनत करती है और और साल भर आराम और निश्चिंतता से अपना जीवन जीती है। बिना मेहनत के जीवन खुशहाल और निश्चिंत नहीं बन सकता ये उस नन्हीं सी चींटी के जीवन की सीख है। वैसे तो बगुले को उसके ढोंग के लिए ही जाना जाता है मगर बगुले का वह ढोंग भी मनुष्य को एक बहुत बड़ी सीख दे जाता है। रास्ते बदलो पर लक्ष्य नहीं बदलो। कभी-कभी बहुत मेहनत के बाद भी कार्य सिद्ध नहीं हो पाता मगर वही कार्य कम मेहनत में भी सिद्ध हो सकता है, बस आपके पास उसकी तरकीब अथवा तरीका होना चाहिए। संसार में हर जीव अपने आवास और भोजन की व्यवस्था अपने ही तरीके से करता है लेकिन मकड़ियों द्वारा उनका जाल बनाना काफी रोचक और बेहद कठिन है उनसे इन इस कठिन परिस्थितियों में सफलता पाने का गुण सीखना है। साथियों बात अगर हम संघर्ष ने मेहनत की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों ने हमें बार-बार समझाया है कि देखो,यह चीटी कितनी बार दीवार पर चढ़ते हुए बार-बार गिरती है परंतु फिर उठ खड़ी होकर चढ़ती है, इससे सीखो !वाह ! क्या बात है, इतनी बड़ी विशाल मानव काया के सामने चींटी का उदाहरण, संघर्ष और मेहनत के रूप में मानव के सामने सदियों से आता रहा है,जिससे हमें यह सीख मिलत है कि मानव से हजारों गुना छोटे जीव को भी निग्लेक्ट नहीं कर उससे सीखने, प्रेरणा लेने की सोच का भाव हृदय में रखना है, यही भाव आगे चलकर मानव को महामानव के रूप में परिवर्तित करता है। साथियों बात अगर हम अपने जीवन में संघर्ष की करें तो, नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है। मन का विश्वास रगों में साहस भरता है, चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना नहीं अखरता है। आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। जीवन संघर्ष का दूसरा नाम हैं।एक बात हमेशा याद रखिए, अपनी मंजिल का आधा रास्ता तय करने के बाद पीछे ना देखे बल्कि पूरे जुनून और विश्वास के साथ बाकी की आधी दूरी तय करे, बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं क्योंकि लौटने पर आपको उतनी ही दूरी तय करनी पड़ेगी जितनी दूरी तय करने पर आप लक्ष्य तक पहुँच सकते है। साथियों संघर्ष जीवन के उतार-चढ़ाव का अनुभव कराता है, अच्छे-बुरे का ज्ञान करवाता हैं, सतत सक्रिय रहना सिखाता है, समय की कीमत सिखाता है जिससे प्रेरित होकर हम सशक्तिकरण के साथ फिर से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होते है और जीवन जीने के सही तरीके को सीखते हैं। आगे बढ़कर भी अगर सफलता ना मिल पाई तो भी कोई बात नहीं कम से कम अनुभव तो नया होगा। बार-बार हार के भी हिम्मत के साथ अपने टारगेट की तरफ कदम बढ़ाना ही संघर्ष है। अपनी हर असफलता से कुछ सीखिए और निडरता के साथ संघर्ष का दामन थाम के मंजिल की ओर आगे बढ़िए।वसंघर्ष हमारे जीवन का सबसे बड़ा वरदान है और वो हमें सहनशील, संवेदनशील और देवतुल्य बनाता हैं।जब तक जीवन में संघर्ष नहीं होता तब तक जीवन जीने के अंदाज को, सच्ची खुशी को, आनंद को, सफलता को अनुभव भी नहीं कर सकते। जिस तरह बिना चोट के पत्थर भी भगवान नहीं होता। ठीक उसी तरह मनुष्य का जीवन भी संघर्ष की तपिश के बिना ना तो निखर सकता है, ना शिखर तक पहुँच सकता है और ना ही मनोवांछित सफलता पा सकता है। साथियों बात अगर हम मकड़ी से कारीगरी सीखने की करें तो यह उदाहरण भी हमें हमसे बड़े बुजुर्गों द्वारा पीढ़ियों से, दशकों से दिया जाता है कि देखो वह मकड़ी नें कैसा सुंदर आकार का जाल बनाया है, उसकी कलाकारी को देखो बस हमें आज उस मकड़ी की कला की कारीगरी को आज कौशलता का नाम देकर उसकी कारीगरी को अपने मानवीय मस्तिष्क में यह बात उतारनी है कि जब हम से हजारों गुणा छोटा जीव इतनीं सुंदर कारीगरी कर सकता है तो हम क्यों नहीं, बस! यह मानवीय सोच, मानवीय बौद्धिक क्षमता के कुछ स्तरपर बंद दरवाजों को खोलने का काम करती है और यह द्वार एक बार खुला तो फिर हुनर की लंबी उपलब्धियां हमारे पास होंगी और हम अपने कुल के साथ भारत माता का नाम वैश्विक स्तरपर ऊंचा करने में कामयाब कर सकेंगे। साथियों बात अगर हम कौशलता की करें तो, वर्तमान समय में कौशलता या कारीगरी या हुनर का नाम हम बहुत अधिक सुन रहे हैं।कौशलता विकास का नाम भारत सरकार के करीब-करीब हर मंत्रालय के कार्यक्रम की सूची में है और एक अलग से कौशलता विकास मंत्रालय भी बनाया गया है कुछ हफ्तों से देशभर में हुनर हाटों का आयोजन कर, हर मानव निर्मित कलाओं, वस्तुओं और सेवाओं का प्रदर्शन कर उनका वैश्विक विस्तार करने की रणनीतिक तैयारी की जा रही है जिसका परिणाम हम विजन 2047, विजन 5 ट्रिलियन डॉलर भारतीय अर्थव्यवस्था, नए भारत की गाथा, नया भारत सहित अनेक विजन हमने तैयार करके उसपर तीव्रता से आगे बढ़ रहे हैं जिसका दूरगामी परिणाम हम आने वाले वर्षों में जरूर देखेंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संघर्ष जीवन का मूलमंत्र है। संघर्ष ही जीवन है। आओ चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी की प्रेरणा से सीखकर अपना जीवन सवारें तथा संघर्ष सफल जीवन की कुंजी है, कल तभी अच्छा होगा जब हम उसके लिए आज से मेहनत करेंगे।

अपनो के निशाने पर कांग्रेस

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस कर-के कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल ही उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आम आदमी पार्टी कांग्रेस से खासी नाराज नजर आ रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह से चुनाव लड़ रही है उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी जीत तय मानकर आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। जिसके चलते आम आदमी पार्टी ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। जबकि हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आम आदमी पार्टी से समझौता करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस ने अवसर गवां दिया और वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी। जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर ही लड़ा था।

महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था।

पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन की अकेले चुनाव लड़ी थी। जिसमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का रेशियो 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का रेशियो 33.75 प्रतिशत रहा था। इस तरह से देखे तो कांग्रेस पार्टी को अकेले चुनाव लड़ने की बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे।

कांग्रेस पार्टी ने पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ा था। जबकि बिहार, गुजरात हरियाणा झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान निकोबार दीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश है जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र में लगा जहां उनकी सीटे 44 से घटकर 16 रह गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ महाविकास अघाड़ी बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी। वहां कांग्रेस सबसे अधिक 101 सीटों पर चुनाव लड़ी जिसमें महज 16 सीट ही जीत पाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 80 लाख 20 हजार 921 वोट मिले जो कुल मतदान का 12. 42 प्रतिशत थे। महाराष्ट्र में कांग्रेस की जीत का स्ट्राइक रेट 15.38 प्रतिशत ही रहा।

संसद का शीतकालीन सत्र का समापन हो चुका है। जिसमें अधिकांश समय कांग्रेस ने अदानी मुद्दे को लेकर संसद नहीं चलने दी। इससे संसद का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। इसको लेकर भी कांग्रेस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस, सपा ने कांग्रेस को घेरते हुये आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बहस नहीं होने देना चाहती है तथा सिर्फ अदानी मुद्दे को ही जिंदा रखे हुए हैं। यदि संसद चलती तो कई तरह के मुद्दों पर सरकार को घेरा जा सकता था। इंडिया अलायंस में जिस तरह की खटपट वर्तमान समय में चलने लगी है वह अलायंस के लिए शुभ नहीं मानी जा सकती है। अलायंस में शामिल दल ही विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व को नकारने लगे है इससे बुरी बात कांग्रेस पार्टी के लिए और क्या हो सकती है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्षी पार्टियों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाकर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। वही गठबंधन अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जा रहा है।

आने वाले समय में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। वहां भाजपा चुनाव जीतने की पूरी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि वह दिल्ली की सत्ता पर फिर से काबिज हो। मगर कांग्रेस का रवैया देखकर आम आदमी पार्टी भी सकते में है। पार्टी के नेता कांग्रेस को वोट कटवा के रूप में देख रहे हैं तथा खुले आम भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर दी है। शेष सीटों पर भी जल्दी ही प्रत्याशियों के नाम घोषित करने की तैयारी चल रही है। यदि दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी पराजित हो जाती है तो इंडिया गठबंधन के ताबूत में वह आखरी कील साबित होगी।

कांग्रेस को यदि इंडिया गठबंधन को बचाना है तो अपने सहयोगी क्षेत्रीय दलों की भावनाओं को समझ कर फैसला करना होगा। तभी कांग्रेस अपने राजनीतिक वजूद को बचा पाएगी। इंडिया गठबंधन टूटने की स्थिति में कांग्रेस का भी कमजोर होना तय माना जा रहा है। क्योंकि कांग्रेस अकेले भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकती है। गठबंधन के साथी दलों की मदद से ही कांग्रेस मजबूत हो सकेगी इस बात से कांग्रेस नेता भी अच्छे से वाकिफ है।

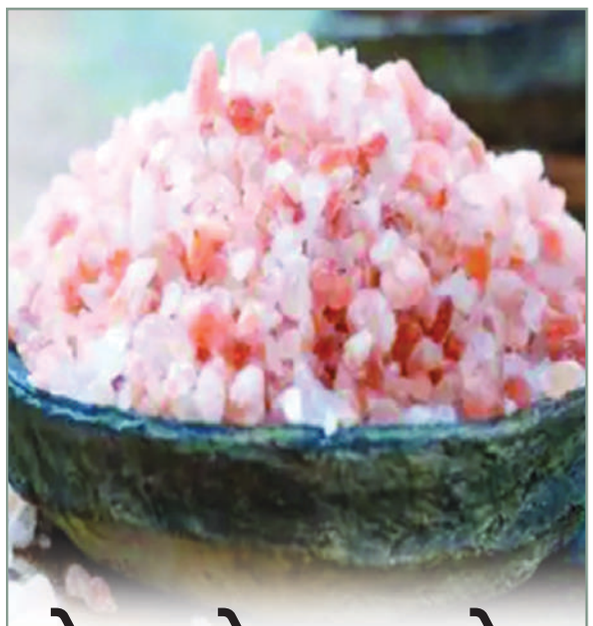

सेहत के मामले में बहुत गुणकारी है सेंधा नमक

भारतीय घरों में सेंधा नमक का इस्तेमाल खूब किया जाता है। आमतौर पर व्रत के खाने में इसे इस्तेमाल किया जाता है। सेहत के मामले में भी यह नमक बहुत गुणकारी है। सेंधा नमक का प्रयोग आयुर्वेद में सालों से उपचार के लिए किया जाता रहा है। एक हालिया अध्ययन की मानें तो यह नमक पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मददगार है। अगर आपको पाचन की समस्या है या सर्दी लगी है तो सेंधा नमक की मदद से आप आराम पा सकते हैं।

सामान्य नमक में दो तत्व खासतौर पर पाए जाते हैं- सोडियम और क्लोराइड. जबकि सेंधा नमक आयरन, जिंक, निकेल, कोबाल्ट, मैग्नीज, कॉपर रिच होता है जो हमारी सेहत के लिए जरूरी तत्व हैं। इसके अलावा अनिद्रा की शिकायत को दूर करने में भी यह नमक मददगार है। सेंधा नमक में पाए जाने वाले मिनरल्स व्यक्ति को कई रोगों से दूर रखने में मदद करते हैं। यह नमक पाचक रसों का निर्माण करता है, इसलिए यह पाचन को दुरुस्त रखने का काम भी करता है। सेंधा नमक का उपयोग करने से ब्लड प्रेशर के उपचार, कब्ज, अपच, गैस व सीने में जलन जैसी कई बीमारियों के लक्षणों को भी कम करने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही सेंधा नमक के कुछ गजब के फायदे।

ब्लडप्रेशर करे कंट्रोल

सेंधा नमक हाई ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करके कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है जिससे हार्ट अटैक का खतरा भी कम रहता है।

स्ट्रेस करता है कम

सेंधा नमक स्ट्रेस कम करने में भी मदद करता है। इतना ही नहीं यह सेरोटोनिन और मेलाटोनिन हार्मोन्स का बैलेंस बनाएं रखता है जो तनाव से लड़ने में मदद करते हैं।

बॉडी पेन करता है कम

सेंधा नमक मांसपेशियों के दर्द और ऐंठन के साथ ही ज्वाइंट्स पेन को भी कम करने का काम करता है।

साइनस में दे राहत

साइनस के दर्द से छुटकारा पाने के लिए सेंधा का सेवन फायदेमंद रहता है। अगर आपको स्टोन की प्राब्लम है तो सेंधा नमक और नींबू को पानी में मिलाकर पीने से कुछ ही दिनों में पथरी गलने लगती है।

अस्थमा को करे दूर

अस्थमा, डायबिटीज और आर्थराइटिस के मरीजों के लिए सेंधा नमक का सेवन काफी फायदेमंद होता है। नींद न आने की समस्या में भी सेंधा नमक काफी फायदेमंद होता है।

गले की खराश के लिए सेंधा नमक

सेंधा नमक में डिकंजेस्टेंट गुण हो सकते हैं, जो गले में फंसे बैक्टीरिया युक्त बलगम को पतला कर उसे शरीर से बाहर निकालने में मदद कर सकते हैं। साथ ही यह खांसी की समस्या से भी राहत दिला सकता है। गले में खराश की समस्या दूर करने के लिए सेंधा नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे किए जा सकते हैं।

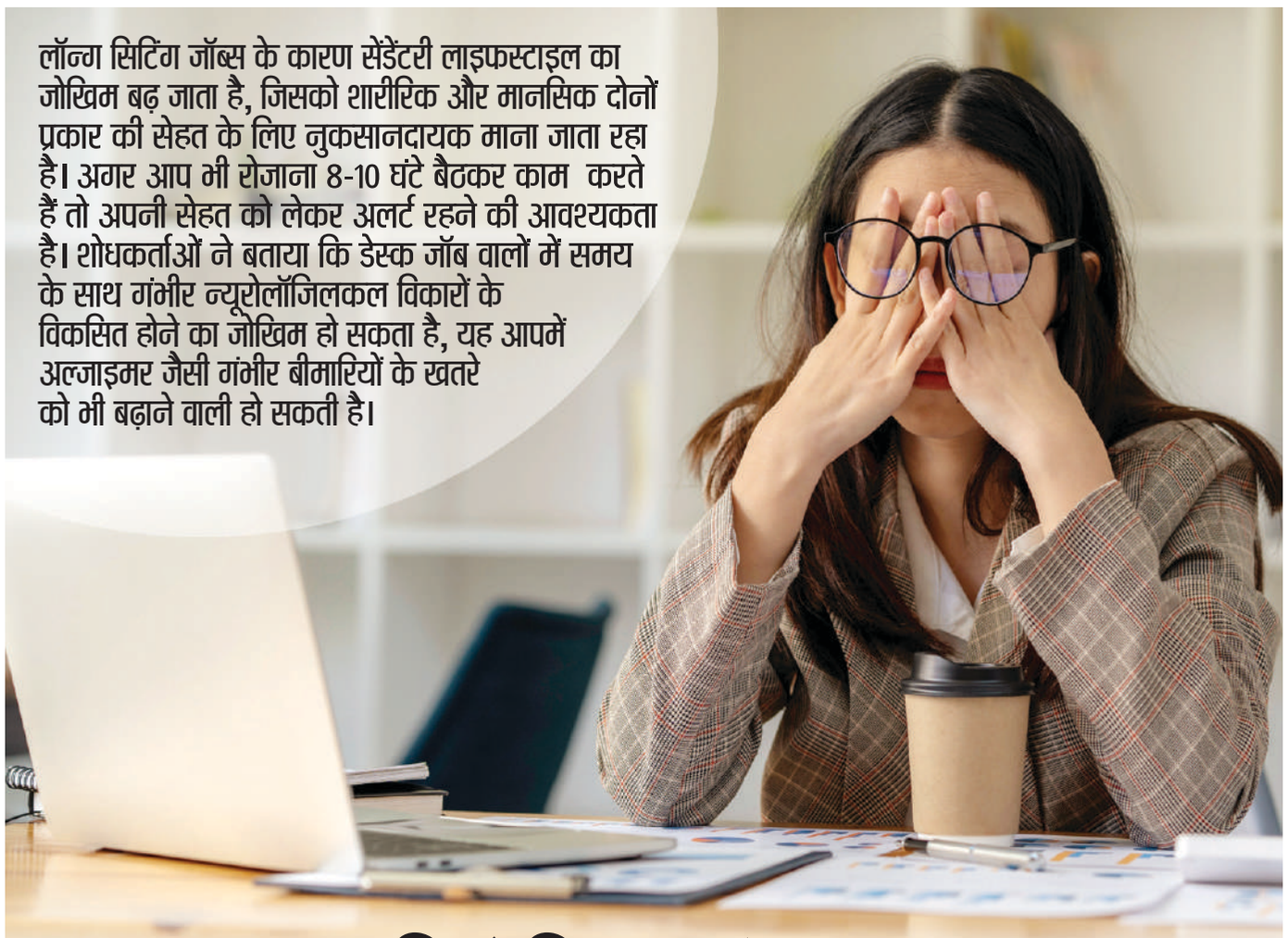

लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

अल्जाइमर-डिमेंशिया रोग का खतरा बढ़ा रही है 8-10 घंटे की डेस्क जॉब

डेस्क जॉब या लंबे समय तक एक स्थान पर बैठकर काम करते रहने की आदत को पहले के अध्ययनों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं वाला बताया गया है। लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। अल्जाइमर रोग, डिमेंशिया के प्रमुख कारणों में से एक है, आमतौर पर इसका जोखिम 60 की उम्र के बाद वाले लोगों में देखा जाता रहा है। हालांकि इस शोध में बताया गया है कि जॉब करने वाले लोगों में भी इस रोग का जोखिम बढ़ता जा रहा है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल और डिमेंशिया का खतरा

कुछ दशकों पहले तक वयस्कों में डिमेंशिया या अल्जाइमर रोग के खतरे को न के बराबर माना जा रहा था, हालांकि समय के साथ इस आयु वर्ग में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ते हुए देखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वर्तमान में 55 मिलियन लोग अल्जाइमर-डिमेंशिया से पीड़ित हैं। लाइफस्टाइल की समस्याओं के चलते इस तरह की समस्याओं को जोखिम और भी बढ़ गया है। इससे संबंधित प्रकाशित अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया अगर आप रोजाना 10 घंटे से अधिक की सिटिंग जॉब करते हैं तो ये स्थिति आपमें डिमेंशिया के विकसित होने का कारण हो सकता है।

गतिहीन व्यवहार संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक लेखकों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आधे से ज्यादा अमेरिकी लोगों के दिन का करीब साढ़े नौ घंटे से अधिक का समय बैठे हुए बीतता है और ये आदत संज्ञानात्मक और संरचनात्मक मस्तिष्क की उम्र बढ़ने से जुड़ी हुई है। गतिहीन व्यवहार में सिर्फ ऑफिस में लंबे समय तक बैठना ही नहीं, लंबे समय तक बैठकर टेलीविजन देखना, कंप्यूटर पर काम करना और गाड़ी चलाना भी इसमें शामिल है।

अध्ययन में क्या पता चला?

गतिहीन व्यवहार किस प्रकार से मस्तिष्क के लिए समस्याकारक है, इसको जानने के लिए शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक से डेटा एकत्र किया। प्रतिभागियों को एक सप्ताह के लिए अपनी कलाई पर एक्सेलेरोमीटर पहनने के लिए कहा गया। फिर एकत्र किए गए डेटा पर एक मशीन लर्निंग-आधारित विश्लेषण किया गया ताकि यह आकलन किया जा सके कि वे कितने गतिहीन थे।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

डिमेंशिया के जोखिमों के बारे में अध्ययनकर्ता डॉ. कोहेन कहती हैं, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को पहले से ही कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता था, जिसमें मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी समस्याएं थीं, इसके कारण अब डिमेंशिया का जोखिम भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। शारीरिक निष्क्रियता, वैस्कुलर हेल्थ के लिए भी हानिकारक है, ये मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को कम करके सेरेब्रोवास्कुलर रोग होने की आशंका को बढ़ा सकती है।

दिमाग को रखना हैं शांत तो खाएं सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के फूल के बारे में तो आप सबने सुना होगा लेकिन इसके बीज भी सेहत के लिए बड़े ही फायदेमंद होते हैं। सूरजमुखी को एक औषधीय पौधा भी माना जाता हैं। इसके बीजों का इस्तेमाल ड्राईफूड के तौर पर भी किया जाता है। वहीं इसके तेल का इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा किया जाता है। इसमें लिनोलिक एसिड, ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, विटामिन ई, डी और ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

दिमाग बनाए शांत

इसके बीजों में ट्रीप्टोफैन उच्च मात्रा में होने के कारण यह आपके दिमाग को शांत रखने में काफी मदद करता हैं। यह आपको माइग्रेन और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाता हैं।

ह्रदय रोगों से बचाएं

सूरजमुखी के बीज में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होने के कारण यह मनुष्य शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट अटैक आने से रोकते हैं। इसके बीजों में उच्च मात्रा में बीजाइन पाया जाता है, जो हाई ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल पाता हैं।

पाचन क्रिया में मदद

इन बीजों में बड़ी मात्रा में फाइबर पाया जाता हैं। जो पेट की समस्याएं कब्ज, कैंसर और बवासीर जैसी बिमारियों से राहत देते हैं। इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से कब्ज जैसी बीमारी से राहत मिल सकती हैं।

हड्डियों को रखे मजबूत

सूरजमुखी के बीजों में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होने के कारण यह हमारी हड्डियों को मजबूत और लचीलापन लाते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों की सरंचना करने में मदद करता हैं।

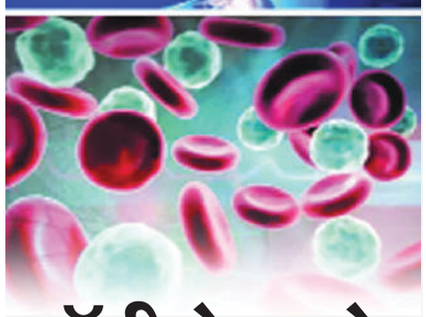

बॉडी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं वाइट ब्लड सेल्स

सफेद रक्त कोशिकाएं यानी वाइट ब्लड सेल्स खून में पाई जाने वाली ब्लड सेल्स हैं, जो बॉडी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं। इनका काम शरीर में ब्लड प्रेशर मेंटेन रखना, खून को साफ रखना और इन्फेक्शन से लड़ना है। इतना ही नहीं, यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती हैं, खून में मौजूद गंदगी को हटाती हैं, संक्रमण को मारकर उन्हें बाहर निकालती हैं। शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं की कमी से आपको संक्रमण बढ़ने, बुखार, त्वचा की समस्याएं, बैक्टीरियल ब्लड इन्फेक्शन, दर्द और सूजन, खून की रुकावट, अस्थमा, कमजोरी, थकान आदि जैसे लक्षण और समस्याएं हो सकती हैं। यदि आपको इन लक्षणों में से कुछ दिखाई देते हैं या यदि आपको लगता है कि आपकी सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो सकती है, तो आपको अपने चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। खाने-पीने की कुछ चीजों के सेवन से आपको शरीर में वाइट ब्लड सेल्स बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

संतरा - संतरा विटामिन सी का अच्छा स्रोत होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या बढ़ा सकता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत कर सकता है। संतरा एंटीऑक्सीडेंट का भी खजाना है और इसके सेवन से WBC बढ़ती हैं।

आम - आम में भरपूर मात्रा में विटामिन ष्ट होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की वृद्धि को बढ़ा सकता है। 1 कप (165 ग्राम) आम आपकी दैनिक विटामिन सी की जरूरत पूरी करता है। इससे सफेद रक्त कोशिकाएं बढ़ती हैं।

अमरूद - अमरूद भी विटामिन सी का बढ़िया स्रोत होता है और सफेद रक्त कोशिकाओं की मात्रा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा अमरूद ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करता है।

अदरक - अदरक में अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की सुरक्षा कर सकते हैं और उन्हें बढ़ाने का काम करते हैं। अदरक के सेवन से ऑटोइम्यून बीमारियों वाले लोगों में सूजन को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

ब्रोकली - ब्रोकली में विटामिन सी, बी6, और ए विटामिन की अच्छी मात्रा होती है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। ब्रोकोली के सेवन से इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इनके अलावा पालक, लहसुन, किशमिश, दही और खजूर जैसी चीजों के सेवन से भी वाइट ब्लड सेल्स को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

अगर आप भी वजन कम करने वाली दवाएं लेते हैं तो हो जाएं सावधान

लोग फिट रहने और वजन कम करने के लिए दवाएं तक लेने से नहीं चूकते और वे यह भूल जाते हैं कि ये दवाएं घातक साइड इफेक्ट दे सकती हैं। यानी मोटापा कम करने वाली दवाओं के सेवन से अतिरिक्त प्रभाव भी होते हैं, जिनसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वजन कम करने के लिए दवाओं के सेवन से बेहतर होगा कि आप अन्य फंडे अपनायें, जैसे आप कम वसा वाली खुराक ले सकते हैं, बिना रिफाइन किया हुआ आटा इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानें, मोटापा कम करने वाली दवाइयां लेने से क्या नुकसान हो सकते हैं।

- मोटापा कम करने वाली दवाओं के प्रयोग से आंतों में वसा नहीं जमती और वसा मल के साथ निकल जाती है, यानी आपको उतनी ऊर्जा नहीं मिलती जो कि आमतौर पर किसी चीज को खाने से मिलती है और फलस्वरूप आप दुबले होने लगते हैं।
- इन दवाओं के सेवन से लीवर को नुकसान होता है। दरअसल, गुर्दों को नुकसान पहुंचने का कारण आंतों में ऑक्सेलिक अम्ल का अधिक जमाव होना है, जिससे गुर्दे खराब हो सकते हैं।
- शोधों में भी साबित हो चुका है कि मोटापा कम करने वाली दवाएं पैंक्रियाज (अग्न्याशय) को भी नुकसान पहुंचाती है।
- इन दवाओं से सिर्फ गुर्दों को नुकसान ही नहीं पहुंचता बल्कि गुर्दों में पथरी की शिकायत होने की आशंका भी बढ़ जाती है।
- यह दवाएं आपका मोटापा तो शायद कम न कर पाए, लेकिन आपको उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों के साथ ही याददाश्त में कमी यानी आपकी स्मरण शक्ति को कमजोर करने जैसी गंभीर बीमारियों को अवश्य बढ़ा देती है।
- आमतौर पर लोग मोटापा कम करने वाली दवाओं के विज्ञापन देखकर प्रभावित होते हैं, लेकिन दवा कंपनियों द्वारा दिए जा रहे प्रलोभन भविष्य में आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं।
- यदि आप वजन घटाने के लिए किसी दवा का सेवन करना भी चाहते हैं तो किसी विशेषज्ञ या डॉक्टर के परामर्श बिना मोटापा घटाने वाली दवाओं का सेवन न करें।
- वजन कम करने वाली दवाओं से निद्रा, अवसाद, तनाव रहना, शारीरिक कमजोरी जैसी बीमारियों से ग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता है।
- डॉक्टर्स की मानें तो मोटापा कम करने का सरल व सस्ता उपाय है नियमित सैर करना। यानी आप नियमित रूप से सैर करके अपने वजन को आसानी से कम कर सकते हैं। या फिर आप बैलेंस डाइट लेकर भी वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।
- इतना ही नहीं युवा वजन घटाने के लिए वेट लूज इंजेक्शंस और कैप्सूल्स तक का इस्तेमाल करते हैं। वेट लूज करने वाली ड्रग्स में क्रोमियम का इस्तेमाल किया जाता है, जो मधुमेह रोगियों को दिया जाता है।
- आमतौर पर 20 मिनट तक वर्कआउट करने के बाद शरीर की वसा जलनी शुरू होती है, क्योंकि इससे पहले कार्बोहाइड्रेट बर्न होता है।

संक्षिप्त खबरें

दो बाइक की सीधी टक्कर, युवक की मौत

उजियारपुर। अंगारघाट थाना क्षेत्र के डढ़िया गांव में गुरुवार की शाम दो बाइकों के बीच हुई टक्कर में एक युवक कि मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि दूसरा युवक जख्मी हो गया। बताया जाता है कि यह घटना एसएच 55 समस्तीपुर रोसड़ा पथ पर हुई है। मृत युवक की पहचान अंगारघाट थाना क्षेत्र के चैता दक्षिणी गांव के राजू राय (26) बताया जाता है। जख्मी युवक की पहचान बलराम चौधरी के रूप में बताया गया है।

ट्रेन से गिरकर स्वास्थ्यकर्मी की मौत

हिसुआ (नवादा)। शुक्रवार की सुबह ड्यूटी पर आ रहे हिसुआ अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी अरविंद कुमार गौतम की मौत ट्रेन से गिरकर हो गयी। वे हिसुआ में प्रखंड स्वास्थ्य प्रसार प्रशिक्षक के पद पर कार्यरत थे। घटना किउल-गया रेलखंड के पैमार जंक्शन पर घटी। वे अपने परिवार से मिलकर गया से वापस लौट रहे थे। ड्यूटी के क्रम में हिसुआ में ही रहना-सहना था। परिवार की तबीयत खराब होने पर वे अपने निवास स्थान गया गये थे।

मिलावटी पेय पीने से सहरसा के युवक की मौत

समस्तीपुर/नौतन। समस्तीपुर जिले के रोसड़ा थाने के स्टेशन चौक के समीप मीडलैंड माइक्रो फाइनेंस शाखा में कार्यरत एक कर्मी की गुरुवार को देर रात संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। दो अन्य कर्मियों की हालत नाजुक है। जानकारी के अनुसार तीनों कर्मियों ने एक साथ मिलावटी पेय का सेवन किया था। इसके बाद तीनों की हालत बिगड़ने लगी। मृत कर्मी की शिनाख्त सहरसा जिले के नवहट्टा थाने के हेमपुर निवासी उमेश प्रसाद सिंह के पुत्र रौशन कुमार (24) के रूप में हुई है। वहीं, प चंपारण के नौतन थाना क्षेत्र के हरिजन टोली के वार्ड संख्या सात में उमेश राम (25) की मिलावटी पेय पदार्थ पीने से मौत हो गयी।

छात्रों के हंगामे के बीच बीपीएससी की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा आज

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। छात्र सड़कों पर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं और पूरी परीक्षा रद्द कर इसे दोबारा करवाने की मांग पर अड़े हैं। उधर, आयोग ने पटना के बापू एग्जाम सेंटर पर हुई परीक्षा को रद्द करने के बाद 4 जनवरी को इसे दोबारा करवाने की पूरी तैयारी कर ली है। इसके लिए, पटना में 22 सेंटर बनाए गए हैं। 12,012 छात्रों की दोबारा परीक्षा करवाने की तैयारी है।

आंदोलन कर रहे छात्रों का कहना है कि आयोग कैसे कह सकता है कि नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया नहीं अपनाई जाएगी? एक एग्जाम 13 दिसंबर को हो चुका है और अब 4 जनवरी को होने जा रहा है? ऐसे में दो दिन के एग्जाम के क्वेश्चन पेपर अलग-अलग होंगे और कैसे जांचा जाएगा कि कौन सा पेपर आसान था और कौन से दिन का पेपर मुश्किल था?

बापू परीक्षा केंद्र को सिर्फ एक सेंटर नहीं

स्टूडेंट्स के आंदोलन में शामिल सुभाष कुमार ठाकुर, शुभम स्नेहिल, निखिल मणी तिवारी, राम कश्यप, अनुराग कुमार व अन्य का कहना है कि आयोग ने यह तो माना है कि बापू परीक्षा केंद्र पर गड़बड़ी हुई। दोबारा परीक्षा भी ले रहा है। हालांकि, बापू परीक्षा केंद्र एक नहीं, बल्कि 20 से ज्यादा सेंटरों के बराबर है। इस सेंटर पर 17 हजार कैंडिडेट्स को परीक्षा देनी थी। 13 दिसंबर को 12 हजार से ज्यादा ने परीक्षा भी दी। अब इन्हीं छात्रों के री-एग्जाम के लिए 22 सेंटर बनाए गए हैं। सुभाष का कहना है कि इससे एक बात साफ हो जाती है कि इसे केवल एक सेंटर पर हुई गड़बड़ी नहीं कह सकते। 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा के लिए 4.83 लाख ने रजिस्ट्रेशन किया और 3.25 लाख से ज्यादा ने एग्जाम दिया। 912 सेंटरों पर एग्जाम हुआ। इसमें से एक सेंटर बापू परीक्षा केंद्र था। इस तरह से औसत देखें तो एक सेंटर पर 500 से कुछ ज्यादा छात्रों का एग्जाम हुआ। बापू परीक्षा केंद्र केवल एक सेंटर नहीं था, बल्कि परिसर में कई सेंटर थे। छात्रों का आरोप है कि एग्जाम में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई है।

स्कूल के लिए छड़ी लाने गये तीन छात्र आये करंट की चपेट में, एक की मौत

बिहारशरीफ (नालंदा)। थरथरी थाना क्षेत्र के अस्ता गांव के मिडिल स्कूल के गुरुजी की लापरवाही से आठवीं कक्षा के छात्र की जान चली गई। हालांकि दो बच्चे को ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए बचा पाने में सफल रहे। घटना के बाद परिजन व ग्रामीणों में शिक्षक के प्रति खासा रोष देखा गया। मृतक अस्ता गांव निवासी प्रमोद कुमार का 13 साल का पुत्र मोहित कुमार है। परिजनों ने बताया कि बच्चा पढ़ाई करने स्कूल गया था जहां से उसे एक शिक्षक द्वारा बांस की छड़ी लाने के लिये भेज दिया गया। बच्चा बांस के पेड़ पर चढ़कर छड़ी तोड़ रहा था। लेकिन इसी दौरान वह समीप से गुजरे विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आकर बुरी तरह से झुलस गया। हादसे की सूचना के उपरांत मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने जख्मी बच्चे को आनन फानन में इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल लाया। जहां से चिकित्सक ने उसे बेहतर ईलाज के लिये सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन सदर अस्पताल पहुंचते ही यहां के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। शिक्षक की लापरवाही से बच्चे का जान जाने का आरोप लगा रहे थे। वहीं, अस्पताल में परिवार की चीख पुकार गूंजने लगी। एचएम संजय कुमार ने बताया कि स्कूल की चहारदीवारी टूटी है। बच्चा खुद स्कूल से निकला था। करंट लगने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। दो बच्चे को ग्रामीणों के सहयोग से बचाया जा सका।

पेज एक का शेष

बीते 10 वर्षो...

लेकिन, पिछले 10 सालों में मैंने 4 करोड़ से ज्यादा लोगों को घर देकर उनके सपने पूरे किए हैं। प्रधानमंत्री ने झुग्गी के बदले फ्लैट पाने वालों से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि स्वाभिमान अपार्टमेंट गरीबों के स्वाभिमान को बढ़ाने वाला है। उनका कहा कि झुग्गी के बदले फ्लैट पाने वाले भले ही दिल्ली के अलग-अलग स्थानों के हैं लेकिन वे सभी मोदी का परिवार हैं।

आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अन्ना हजारे को आगे रखकर कुछ 'कट्टर बेईमान' लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी को 'आपदा' की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली पर एक 'आप-दा' की तरह आई है। ये लोग खुलेआम भ्रष्टाचार करते हैं और इसका जश्न भी मनाते हैं। ये और कुछ नहीं, 'चोरी, ऊपर से सीनाजोरी' है। दिल्ली पर 'आपदा' का संकट आ गया है। इसलिए दिल्ली के लोगों ने इस आपदा के खिलाफ जंग छेड़ दी है। दिल्ली एक सुर में कह रही है, 'आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे'। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली के मतदाताओं ने दिल्ली को इस आपदा से मुक्त करने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। 2025 में भारत की ये भूमिका और भी मजबूत होगी। ये साल दुनिया में भारत की स्थिति को और मजबूत करने का साल होगा। ये साल भारत को दुनिया के सबसे बड़े मैन्यूफैक्चरिंग सेंटर में से एक बनाने का साल होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अशोक विहार आने से उनकी पुरानी यादें ताजा हो गईं। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार और आपातकाल के खिलाफ संघर्ष के दौरान जब देश उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा था, तब मैं और मेरे कई साथी भूमिगत आंदोलन का हिस्सा थे। उस दौरान अशोक विहार मेरा निवास स्थान था।

उन्होंने कहा कि आज पूरा देश एकजुट होकर विकसित भारत के निर्माण के लिए काम कर रहा है। हमारा संकल्प है कि हर नागरिक के पास पक्का मकान हो और हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने में दिल्ली की अहम भूमिका है, यही वजह है कि भाजपा की केंद्र सरकार ने झुग्गियों की जगह पक्के मकान बनाने की पहल शुरू की है।

यमुना की सफाई को लेकर भी प्रधानमंत्री ने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यमुना की सफाई नहीं होने के कारण दिल्लीवालों को गंदा पानी मिल रहा है। जनता को टैंकर माफिया के हवाले कर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली 'आयुष्मान भारत' योजना का लाभ देना चाहते हैं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है।

आत्मनिर्भर भारत...

उन्होंने बताया कि जब राज्य गठन का विधेयक संसद में लाया गया था, तो वह अटल जी की सरकार में मंत्रिपरिषद के सदस्य थे और उन्होंने झारखंड राज्य के गठन के पक्ष में मतदान किया था।

युवाओं से निरंतर प्रयास और समर्पण का आह्वान : स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध उद्धरण “उठो, जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये” का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने युवाओं को निरंतर प्रयास और समर्पण के महत्व को समझाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने के लिए युवाओं से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री की महत्वपूर्ण बातें : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय मंत्री क्षमा शर्मा ने छात्राओं के सशक्तीकरण की दिशा में 'मिशन साहसी' का उल्लेख किया, जिसके माध्यम से छात्राओं को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग दी जा रही है, ताकि वे असामाजिक घटनाओं का सामना कर सकें।

छात्रों के लिए अवसर और शिक्षा में सुधार : आईएसएम धनबाद के निदेशक प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि आज के टेक्नोलॉजी के दौर में युवा कई माध्यमों से अपने करियर को दिशा दे सकते हैं। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नवाचार और सकारात्मक दिशा में प्रेरित किया जाता है।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौसमी पॉल और प्रदेश मंत्री मनोज सोरेन ने इस अधिवेशन को युवाओं के लिए शिक्षा, व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का महत्वपूर्ण अवसर बताया। अधिवेशन का उद्घाटन मुख्य रूप से एबीवीपी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविंद नायक, क्षेत्रीय संगठन मंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ला और अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में हुआ।

दिल्ली में नहीं...

2020 में प्रधानमंत्री ने दिल्ली के लोगों से कई वादे किए थे। उन्होंने भाजपा का संकल्प पत्र दिखाते हुए कहा कि उसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कह गए थे कि 2022 तक दिल्ली में सभी को पक्के मकान बनाकर दे दिए जाएंगे। इस दौरान आज 1700 मकान की चाबियां दीं और इससे पहले कालका जी में 3000 मकानों की चाबियां दी हैं। पांच साल में यहीं मकान बनाए हैं। दिल्ली में 4 लाख झुग्गियां है, 15 लाख लोगों को मकान चाहिए लेकिन कुल 4700 मकान दिए गए हैं। केजरीवाल ने चुटकी लेते हुए कहा कि 2030 तक इस गति से फिर 1700 मकान ही बना पाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कालकाजी में जो मकान मिले हैं, वहां नारकीय हालत है। न पेयजल है न सीवर। आज प्रधानमंत्री ने तीन कालेजों की नींव रखी है। इस दौरान दिल्ली सरकार 22 हजार क्लासरूम बना दिए, तीन नए विवि, 11 नए वोकेशनल कालेज, 6 विवि कैम्पस बना दिए। हमारी काम करने वाली सरकार है, शिलान्यास करने वाली नहीं। पांच नए अस्पताल बनाए। मोहल्ला क्लीनिक बनाए। केंद्र सरकार के पास अकूत धन और पॉवर है। केंद्र सरकार दिल्ली सरकार से बड़ी लाइन खींच देती। केजरीवाल ने कहा कि 2019 में प्रधानमंत्री मोदी और हरदीप पुरी ने दिल्ली की कच्ची कालोनियों के 40 लाख लोगों को मालिकाना हक देने की बात कही थी, लेकिन अब तक 25 हजार लोगों की भी रजिस्ट्री नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री कह रहे थे कि दिल्ली में आपदा आई हुई है लेकिन मैं कहता हूं आपदा भाजपा में आई है। भाजपा के पास न सीएम फेस है, न नैरेटिव है, न एजेंडा है। दिल्ली में सिर्फ एक आपदा है, खुलेआम गैंगस्टर गोलियां चला रहे हैं। व्यापारी सुरक्षा मांग रहे हैं। महिलाएं अपराधों से डरी सहमी हैं लेकिन गृहमंत्री नहीं देख पा रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना के सवाल पर उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों का फायदा किस योजना से लागू होगा, हम सिर्फ उसका अनुसरण करते हैं।

मंईयां सम्मान की...

जवाब में तत्कालीन हेमंत कैबिनेट ने सम्मान राशि को 1000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 2,500 रुपए देने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी थी।

अगस्त 2024 में शुरू हुई थी मंईयां सम्मान योजना : झारखंड सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अगस्त 2024 में की थी। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार ने उनके खाते में हर महीने 1,000 रुपये ट्रांसफर करने का फैसला किया था। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने घोषणापत्र में घोषणा की थी कि अगर वह दोबारा सत्ता में लौटती है, तो वह मंईयां सम्मान की राशि बढ़ाकर 2500 रुपये करेगी।

रांची सीओ की...

बरामद कैश का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके सीओ : छापेमारी के दौरान अपने फ्लैट से बरामद नकद 11.42 लाख रुपए के बारे में सीओ मुंशी राम ने एसीबी के अधिकारियों को कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। एसीबी के अधिकारी बरामद रुपयों के स्रोत के बारे में भी पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं। सिरमटोली मौजा स्थित सरदार गली भट्ठी टोली स्थित तीन कट्ठा आठ छटाक जमीन का सीमांकन करने के नाम पर मुंशी राम ने एक व्यक्ति से 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। हालांकि, बाद में वे 37 हजार रुपए में काम करने को तैयार हो गये थे।

37 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए थे गिरफ्तार : रिश्वतखोरी की शिकायत पर एसीबी की टीम ने गुरुवार को शहर अंचल कार्यालय में छापेमारी कर सीओ मुंशी राम को 37 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद एसीबी ने रांची के मोरहाबादी के पुष्पांजलि अपार्टमेंट स्थित उनके फ्लैट में भी छापेमारी की थी। यहां तलाशी के दौरान नकद 11.42 लाख रुपए बरामद किये गये थे। कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर एसीबी ने बरामद रुपयों को जब्त कर लिया था।

अबुआ आवास योजना...

उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक खबर का लिंक पोस्ट कर ये बातें लिखी हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना को लेकर महगठबंधन सरकार पूरी तरह से कटिबद्ध है।

क्या कहा है मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने : हेमंत सोरेन कैबिनेट में शामिल ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने सोशल मीडिया एक्स के जरिये एक खबर का लिंक शेयर करते हुए लिखा कि अबुआ आवास झारखंड सरकार की एक बेहद महत्वाकांक्षी योजना है। इसके कार्यान्वयन को लेकर विभाग और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नियमित रूप से मॉनिटरिंग करते हैं। इस योजना में किसी भी तरह की कोताही सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने आगे लिखा कि हमारा उद्देश्य हर गरीब को अपना घर दिलाना है और इसे लेकर महागठबंधन सरकार पूरी तरह से कटिबद्ध है।

निर्माणधीन आवासों को पूरा करने का निर्देश : ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने एक खबर की लिंक शेयर की है। उस खबर में कहा गया है कि अबुआ आवास योजना की किस्तों में राशि भुगतान करने में देरी पर शो-कॉज नोटिस जारी किया जाएगा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई करने की भी बात कही गयी है। मंत्री का कहना है कि प्राथमिकता के आधार पर सभी निर्माणधीन आवासों को पूरा करें। उन्होंने वरीय पदाधिकारियों को क्षेत्र स्तर पर निरीक्षण करने को कहा है। बता दें कि इस योजना के तहत सरकार ने 20 लाख से अधिक आवास बनाने का लक्ष्य रखा है।

रांची के नामकुम...

पिकनिक में शामिल होने जा रहे लोगों ने डीजे का भी इंतजाम किया था। जिसे एक पिकअप वैन में ले जाया जा रहा था। उस पिकअप वैन में तकरीबन 10 लोग सवार थे। इस दौरान जैसे ही पिकअप वैन महिलौंग फतरु टोली के समीप पहुंचा, तो पीछे से आ रहे अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे पिकअप वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक खेत में पलट गया। जिससे खेत में बकरी चरा रहे 45 वर्षीय अधेड़ और एक 18 साल के युवक की मौत वैन के नीचे दबकर हो गयी।

घटनास्थल पर ही हो गयी थी एक की मौत : हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण जुटे और सभी घायलों को वाहन से बाहर निकाला। 45 साल के अरुण की मौत घटनास्थल पर ही हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में घायल मनीष नामक युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स ले जाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। वैन में सवार पिंटू नामक युवक का हाथ टूट गया है। उसका इलाज एक स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। अन्य लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया है। ट्रक चालक मौका पाकर फरार हो गया।

मणिपुर में फिर...

सैबोल गांव इंफाल के पूर्वी जिले की सीमा पर स्थित है। हमले में पुलिस अधीक्षक समेत कई लोगों के घायल होने की खबर है। बता दें, मणिपुर 3 मई 2023 से हिंसा की आग में जल रहा है। कुकी और मैतेई समुदाय के टकराव में कई लोगों की जान चली गई है, कई लोग बेघर हो गये हैं।

कुकी समुदाय के लोग कर रहे हैं प्रदर्शन : कुकी समुदाय के लोग सैबोल गांव में 31 दिसंबर को सुरक्षा बलों की ओर से महिलाओं पर कथित रूप से लाठीचार्ज किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी दौरान भीड़ ने बेकाबू होकर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय पर हमला बोल दिया। इसी कड़ी में एक अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने गांव में केंद्रीय बलों, बीएसएफ और सीआरपीएफ की लगातार तैनाती पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए कार्यालय पर पथराव किया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के परिसर में रखे जिला पुलिस के वाहनों को भी भीड ने क्षतिग्रस्त कर दिया।

ईडी के समन पर...

हेमंत सोरेन की याचिका पर हाई कोर्ट का निर्णय : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दायर याचिका में दावा किया गया है कि ईडी के द्वारा भेजे गए समन का उन्होंने पहले ही जवाब दिया था और वह समन अब निष्क्रिय हो चुका था। इसके बाद, जब नया समन जारी हुआ, तब हेमंत सोरेन ने ईडी के समक्ष हाजिरी दी और समन का अनुपालन किया। मुख्यमंत्री का कहना था कि ईडी ने दुर्भावना से प्रेरित होकर बार-बार समन जारी किया।

ईडी की शिकायत पर सीजेएम कोर्ट का आदेश : इस मामले की शुरुआत तब हुई, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन की अवहेलना को लेकर शिकायत दाखिल की थी। इस शिकायत पर सीजेएम कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अदालत में हाजिर होने का आदेश दिया था। हालांकि, हेमंत सोरेन चार तिथियों पर सीजेएम कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया, लेकिन हेमंत सोरेन एमपी-एमएलए कोर्ट में भी कई तिथियों पर उपस्थित नहीं हुए थे।

व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की याचिका खारिज : एमपी-एमएलए कोर्ट ने हेमंत सोरेन की ओर से दाखिल की गई व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की याचिका को खारिज कर दिया। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कुल 10 समन भेजे थे, जिनमें से मुख्यमंत्री केवल दो समन पर ही अदालत में उपस्थित हुए थे।

मरांग गोमके जयपाल...

भाजपा एसटी मोर्चा ने किया माल्यार्पण : भाजपा रांची महानगर एसटी मोर्चा की ओर से आज जयपाल सिंह मुंडा को श्रद्धांजलि दी गयी। मौके पर रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, राजू सिंह, एसटी मोर्चा अध्यक्ष रवि मुंडा, अजय कच्छप, अशोक मुंडा, प्रदीप लकड़ा सहित अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ओलिंपिक हॉकी का पहला गोल्ड दिलाकर जयपाल सिंह मुंडा ने पूरे विश्व में देश का नाम रोशन किया। झारखंड के लिए उनके द्वारा किये गये काम हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

मुंडा सभा ने दी श्रद्धांजलि : मुंडा सभा ने आज जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में पहुंचकर मरांग गोमके की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके पर संस्था के महासचिव बिलकन डांग ने कहा कि मुंडा सभा के बहुत प्रयासों के बाद जयपाल सिंह स्टेडियम का सौंदर्यीकरण का काम हुआ। यह दुखद है कि उचित देखरेख के अभाव में स्टेडियम का सौंदर्य खराब हो रहा है। कभी जयपाल सिंह की प्रतिमा पर लगी हॉकी स्टिक चुरा ली जाती है, कभी क्षतिग्रस्त कर दी जाती है। सभा की ओर से कहा गया कि किसी स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से स्टेडियम का रखरखाव होना चाहिए। सभा की ओर से श्रद्धांजलि देने वालों में प्रभुसहाय सांगा, सोसन समद, सोमरा होरो सहित अन्य उपस्थित थे।

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद : परिषद की ओर से चुनवा टोली स्थित सरना अखड़ा में जयपाल सिंह मुंडा को श्रद्धांजलि दी गयी। मौके पर महानगर अध्यक्ष पवन तिर्की ने कहा कि मरांग गोमके ने सिर्फ राजनीति में ही नहीं, बल्कि खेल में देश का नाम रोशन किया। उनके कारण ही आज आदिवासियों और दलितों को संविधान में अधिकार मिल पाया। मौके पर सुधीर मुंडू, पितरूस एक्का, अभय तिग्गा, फ्रेडरिक तिग्गा, सुधीर मुंडू, आकाश तिर्की सहित अन्य मौजूद थे।

सीएम हेमंत ने...

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि जयपाल सिंह मुंडा के सम्मान में अबुआ सरकार ने ओवरसीज स्कॉलरशिप योजनाएं शुरू की हैं। इस योजना के तहत वंचित समाज के युवाओं को हर साल विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सौ प्रतिशत स्कॉलरशिप प्रदान की जाती है।

सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि : मुख्यमंत्री ने अपने दूसरे पोस्ट में सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, “देश की पहली महिला शिक्षिका और महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती पर शत-शत नमन।” मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अबुआ सरकार ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना शुरू की है, जिससे झारखंड की लाखों बेटियों को उनके सपनों को पूरा करने का अवसर मिल रहा है। इस योजना के माध्यम से राज्य सरकार बेटी-उन्मुख योजनाओं के जरिए समाज में सुधार और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री की यह पहल : बताया जाता है कि सीएम हेमंत सोरेन के इन प्रयासों से झारखंड के वंचित और पिछड़े वर्गों को शिक्षा और अन्य क्षेत्रीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जयपाल सिंह मुंडा और सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उनके योगदानों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी साझा की, जो राज्य में बदलाव लाने की दिशा में काम कर रही हैं।

गढ़वा के भंडरिया...

, जबकि बाघ की मौजूदगी के बावजूद अब तक उसकी कोई तस्वीर या पगमार्क नहीं मिला है।

भैंस, गाय और बैल का किया शिकार : गुरुवार की रात, भंडरिया वन क्षेत्र के रोदो जंगल में बाघ ने इंद्रदेव यादव की भैंस पर हमला कर उसे घायल कर दिया, जबकि रमकंडा के बलिगढ़ पंचायत के बैदेशी टोला में हुलास सिंह की गाय को मार डाला। यह घटनाएं बाघ की शिकार की आदतों को स्पष्ट रूप से उजागर करती हैं। इंद्रदेव यादव ने अपनी भैंस को जंगल में चराने भेजा था, जहां रात के अंधेरे में बाघ ने उस पर हमला कर दिया।

पहले भी मवेशियों का शिकार कर चुका है बाघ : कुछ दिन पहले, भंडरिया के संगाली गांव में भी बाघ के होने की खबर आई थी। 13 नवंबर की रात, बड़गड़ थाना क्षेत्र के बहेराखांड़ में बाघ ने मवेशी का शिकार किया और फिर भंडरिया क्षेत्र के जंगल से होते हुए नदी पार करके पलामू टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पहुंच गया। वन विभाग और पलामू टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की थी।

वन विभाग का अलर्ट और सुरक्षा निर्देश : गढ़वा दक्षिणी वन क्षेत्र के डीएफओ इबिन बेनी अब्राहम ने कहा कि क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी के संकेत स्पष्ट हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे मवेशियों को लेकर जंगल में न जाएं और अंधेरे के पहले घरों में रहें। बाघ द्वारा मवेशियों को जिस तरह से शिकार किया गया है, उससे यह संकेत मिलता है कि यह बाघ आसपास के इलाके में सक्रिय है।

खूंटी में...

डीएसपी ने की नक्सलियों की गिरफ्तारी की पुष्टि : डीएसपी ख्रिस्टोफर केरकेट्टा ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नक्सलियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि नक्सली प्रशांत कामडारा थाना क्षेत्र के कुली गांव का रहनेवाला है, जबकि कमलेश गोप बकसपुर के किनुटोली और राम दयाल सिंह बड़का रेगरे गांव का रहने वाला है।

बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे नक्सली : उन्होंने बताया कि प्रशांत एक साल तक जेल में रहने के बाद हाल में जमानत पर बाहर निकला है और नक्सली गतिविधियों में संलिप्त हो गया। डीएसपी ने बताया कि एसपी अमन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के कुछ नक्सली किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं और बकसपुर जंगल में जमा हुए हैं। सूचना मिलने के बाद डीएसपी ख्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर जंगल में छापेमारी की गई और तीनों नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस टीम में ये थे शामिल : पुलिस टीम में डीएसपी के अलावा पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, जरियागढ़ के थाना प्रभारी राजू कुमार, रनिया के थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल, कमडारा के थाना प्रभारी शशि कुमार, कमडारा थाना के एसआई नीरज कुमार, जरियागढ़ थाना के एसआई मनीष कुमार के अलावा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

विविध

चंदन गुप्ता हत्याकांड में कोर्ट का बड़ा फैसला, सभी 28 दोषियों को उम्रकैद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थित कासगंज में 26 जनवरी 2018 को निकाली गई तिरंगा यात्रा के दौरान मारे गए चंदन गुप्ता के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी के विशेष कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। राजधानी लखनऊ स्थित कोर्ट ने गुरुवार, 2 जनवरी को 28 आरोपियों को दोषी करार दिया था। शुक्रवार, 3 जनवरी को 28 दोषियों की सजा का भी एलान किया गया है। कोर्ट ने सभी दोषी 28 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे पहले आरोपियों ने हाईकोर्ट में एनआईए कोर्ट की वैधानिकता और सुनवाई पर रोक की अर्जी लगाई थी। हाईकोर्ट लखनऊ बेंच ने अर्जी खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद गुरुवार को लखनऊ की एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने फैसला सुनाया था और सजा के ऐलान के लिए शुक्रवार का दिन तय किया था। करीब 8 साल पुराने इस मामले में चंदन के पिता ने कासगंज थाने में 20 नामजद समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

इन दोषियों को मिली सजा : लखनऊ जेल में बंद 28 दोषी वसीम जावेद उर्फ वसीम, नसीम जावेद, मोहम्मद जाहिद कुरैशी उर्फ जाहिद उर्फ जग्गा, आसिफ कुरेशी उर्फ हिटलर, असलम कुरैशी, अकरम ,तौफीक , खिल्लन , शवाब अली खान, राहत, सलमान, मोहसिन, आसिफ जिमवाला, साकिब, बबलू, निशु उर्फ जीशान, वासिफ, इमरान, शमशाद, जफर, साकिर ,खालिद परवेज ,फैजान ,इमरान ,साकिर, मोहम्मद आमिर रफी, कासगंज जेल में बंद मुनाजिर और कोर्ट में सरेंडर हुए सलीम को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। लखनऊ जेल से 26 दोषी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। एक दोषी मुनाजिर कासगंज जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ा।

क्या बोले चंदन के पिता? : कासगंज मामले में आए कोर्ट के फैसले के बाद चंदन के पिता ने कहा कि न्याय से हम खुश हैं, जज और सभी लोगों को हम नमन करते हैं। न्यायालय ने हमारा साथ दिया है। कोर्ट और वकील ने पूरा साथ दिया।

अभिनेता अल्लू अर्जुन को मिली जमानत, कोर्ट की मंजूरी के बिना नहीं छोड़ सकेंगे देश

मुंबई। एक अदालत ने शुक्रवार को तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन को जमानत दे दी, जिन्हें अभिनेता की नवीनतम फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान हैदराबाद के संध्या थिएटर में 4 दिसंबर को हुई भगदड़ की घटना के सिलसिले मं गिरफ्तार किया गया था। भगदड़ में 35 साल की एक महिला की मौत हो गई और उसका आठ साल का बेटा घायल हो गया। अदालत ने अभिनेता को दो जमानतदार जमा करने का निर्देश दिया, जिनमें से प्रत्येक को 50,000 रुपये के बांड भरने होंगे। जमानत शर्तों के तहत, अभिनेता को दो महीने तक या आरोप पत्र दाखिल होने तक, जो भी पहले हो, हर रविवार सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। अदालत ने कहा, “याचिकाकर्ता किसी भी तरह से जांच में बाधा नहीं डालेगा और न ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी गवाह को कोई प्रलोभन, धमकी या वादा करेगा ताकि उन्हें अदालत या किसी पुलिस अधिकारी के सामने ऐसे तथ्यों का खुलासा करने से रोका जा सके।” अदालत ने कहा, याचिकाकर्ता जांच में सहयोग करेगा और किसी भी तरह से चल रही जांच में या गवाहों के साथ हस्तक्षेप करने का कोई प्रयास नहीं करेगा। मामले के निपटारे तक अभिनेता को अदालत को पूर्व सूचना दिए बिना अपना आवासीय पता नहीं बदलना चाहिए। उन्हें अदालत की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ने का निर्देश दिया गया था।

कथित तौर पर बच्चा बदलने के मामले में चिकित्सक समेत नौ पर एफआईआर

फिरोजाबाद। जनपद के मेडिकल कॉलेज में एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां मेडिकल कॉलेज के सौ शैय्या अस्पताल के स्टाफ पर एक बच्चा बदलने का आरोप लगा है। इस मामले में कोर्ट के आदेश पर 9 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना लाइनपार क्षेत्र के गांव गुदाऊ ठार बालक राम निवासी रोहित ने अपने छोटे भाई मोहित की पत्नी काजल को 18 सितंबर 2024 को अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि पहले उन्हें बेटे की सूचना दी गई, लेकिन बाद में बच्चा बदलकर बेटी दे दी गई। परिजनों ने जब शिकायत की तो उनके साथ मारपीट की गई और उल्टे उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई. इसके मामले में कोर्ट के आदेश पर जिला अस्पताल में तैनात डॉ. कृष्णा, अंशुल जैन, अटल पांडेय, अजय प्रताप सिंह सहित पांच अन्य कर्मचारियों के खिलाफ उत्तर कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला अभी तफ्तीश के दौर में है और पुलिस आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

महाकुंभ में कॉटेज और होटलों की बुकिंग अधिकारिक साइट्स से करने की अपील

नई दिल्ली। अगले साल प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ की तैयारी जोरों पर है। इसके लिए यूपी सरकार और केंद्र सरकार ने अपने-अपने खजानों का मुंह खोल दिया है। सुविधाओं को मूर्तरूप देने के लिए प्रशासन से लेकर शासन स्तर पर निगरानी की जा रही है। हाई क्लास कॉटेज के साथ अस्थाई निर्माण करवाए जा रहे हैं, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसी बीच साइबर ठगों की जालसाजी की खबरों से भी महाकुंभ की छटा पर बट्टा लग रहा है। मेला प्रशासन लोगों से अपील कर रहा है कि जितनी आधिकारिक साइट्स हैं उनके द्वारा ही कॉटेज या फिर अन्य व्यवस्थाओं की बुकिंग करवाई जाए। ऑनलाइन बुकिंग के लिए सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट्स का ही इस्तेमाल किया जाए। डीसीपी सिटी ने अपील की कि महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं से गुजारिश है कि वह महाकुंभ में टेंट सिटी में कॉटेज और शहर के होटलों में कमरे बुक करने के लिए सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट्स का ही इस्तेमाल करें। महाकुंभ से जुड़ी आधिकारिक वेबसाइट और सरकार की ओर से बनाए गए महाकुंभ ऐप से जानकारी हासिल करके ही टेंट सिटी और होटल की बुकिंग करें। आपकी लापरवाही आपको नुकसान पहुंचा सकती है।

महाराष्ट्र में चरमरायी कानून व्यवस्था, नये साल के पहले दो दिन में 11 हत्याएं

मुंबई। लगता है महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। दरअसल नए साल की शुरुआत हत्याओं से हुई है। राज्य में 1 और 2 जनवरी इन दो दिनों में 11 लोगों की हत्याएं हुई है जिससे कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लग रहा है। नागपुर शहर में सामने आया जब इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे एक छात्र द्वारा जन्म देने वाले अपने माता-पिता की निर्मम हत्या की घटना नए साल की पहली घटना है। फिर शिक्षा की नगरी पुणे में प्रेम प्रसंग को लेकर लड़की के पिता और दो भाइयों द्वारा एक 17 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। इसके अलावा महाराष्ट्र के और सात शहरों में हत्या के चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। एक तरफ सरकार दावा करती है कि राज्य में कानून-व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है वहीं नये साल के पहले 2 दिनों में 11 हत्याएं होने से यही कहा जा रहा है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गयी है।

आईआईटी-बीएचयू में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले में पीड़िता की वर्चुअल पेशी टली

वाराणसी । वाराणसी के आईआईटी-बीएचयू में छात्रा से गैंगरेप केस में पीड़िता की शुक्रवार को पहली वर्चुअल पेशी टल गई। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज ने पीड़िता को बयान पर जिरह के लिए तलब किया था लेकिन पीड़िता नहीं पहुंची। उसके वकील ने पीड़िता के बंगलुरू में होने की बात कहते हुए हाजिरी माफी मांग ली। बताया गया कि पीड़िता 31 जनवरी के बाद ही बनारस लौटेगी। वहीं, आरोपियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, प्रयागराज हाईकोर्ट से आदेश को निरस्त करने की अपील की है। बता दें कि हाईकोर्ट से तीनों आरोपियों को जमानत मिलने के बाद डरी-सहमी पीड़िता की याचिका पर कोर्ट ने उस असुरक्षित साक्षी माना है। पीड़िता की सुरक्षा और आरोपियों से सामने नहीं आने पर एफटीसी कोर्ट के जज कुलदीप सिंह ने वर्चुअल पेशी कराए जाने का आदेश दिया था जिस पर आरोपियों ने लगातार विरोध दर्ज कराया। बता दें कि गैंगरेप के तीनों आरोपी कुणाल पांडेय, अभिषेक उर्फ आनंद चौरसिया, सक्षम पटेल भाजपा में सक्रिय पदाधिकारी थे और महानगर भाजपा आईटी सेल से जुड़े थे। सरकार के मंत्री-विधायक सहित बड़े नेताओं के संपर्क में थे। जिसके साथ उनके फोटो भी सोशल मीडिया साइट्स पर मौजूद हैं।

तस्करी रोकने के लिए सरकार ने बदले नियम, विदेश जाने वालों को बताना होगा पर्सनल डेटा

नई दिल्ली। भारत सरकार विदेश जाने वालों से 19 तरह की निजी जानकारियां लेगी। इसमें यात्री कब, कहां और कैसे यात्रा कर रहे हैं; इसका खर्च किसने और कैसे उठाया; कौन कब कितने बैग लेकर गया और किस सीट पर बैठा; जैसी जानकारियां ली जाएंगी। यह डेटा 5 साल तक स्टोर रहेगा। जरूरत पडने पर इसे अन्य लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों के साथ भी साझा किया जा सकेगा। इसे 1 अप्रैल से लागू करने की तैयारी है। इसके लिए सभी एयरलाइंस को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह कदम तस्करी पर नजर रखने के लिए उठाया गया है। कस्टम डिपार्टमेंट समय-समय पर डेटा का एनालिसिस करेगा। किसी भी व्यक्ति की विदेश यात्रा में संदिग्ध पैटर्न नजर आने पर तुरंत जांच शुरू की जा सकेगी।

1 अप्रैल से पूरी तरह लागू होगी- एयरलाइंस के लिए यात्रियों का यह डेटा कस्टम डिपार्टमेंट से साझा करना अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं कस्टम्स बोर्ड ने अभी विदेशी रूट वाली सभी एयरलाइंस को 10 जनवरी तक नए पोर्टल 'एनसीटीसी-पैक्स' पर रजिस्टर करने को कहा है।

भारत में सनातन, हिंदू के जिक्र से 'गुमराह' लोग व्यक्त करते हैं चौंकाने वाली प्रतिक्रिया : धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वेद और सनातनी ग्रंथों को समाज के प्रत्येक कोने तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि कुछ लोग विनाशकारी विचार प्रक्रिया को छिपाने के लिए धर्मनिरपेक्षता को एक ढाल के रूप में प्रयोग कर रहे हैं।

श्री धनखड़ ने यहां जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय में 27 वीं अंतर्राष्ट्रीय वेदांत कांग्रेस के उद्घाटन भाषण में कहा कि वेदांत की बुद्धिमत्ता को ऐतिहासिक बौद्धिक धरोहर से निकालकर कक्षा में लाने और समाज के हर कोने तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वेद इतिहास नहीं है बल्कि मानव समाज के भविष्य के प्रारुप है। ये सतत विकास के लिए व्यावहारिक समाधान देते हैं।

वेदांत के ज्ञान की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि वेदांत अतीत का अवशेष नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए एक ब्लूप्रिंट है। जैसे-जैसे हम अप्रत्याशित वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, यह सतत विकास, नैतिक नवाचार और सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है।

श्री धनखड़ ने कहा, 'हम एक अत्यंत प्राचीन सभ्यता हैं जो कई दृष्टियों से अद्वितीय और अनुपम है। यह विडंबनापूर्ण और दुखद है कि इस देश में सनातन और हिंदू का संदर्भ, इन शब्दों के गहरे अर्थ को समझने के बजाय, अक्सर बेतुकी प्रतिक्रिया दी जाती है। ऐसे वे लोग हैं जो गलत रास्ते पर चल रहे हैं, जो एक खतरनाक पारिस्थितिकी तंत्र से प्रेरित हैं, जो न केवल इस समाज के लिए, बल्कि अपने लिए भी खतरा है।'

उप राष्ट्रपति ने कहा कि देश में कुछ लोग, इस आध्यात्मिक भूमि पर वेदांत और सनातनी ग्रंथों को प्रतिक्रियावादी मानते हैं और वे इसे बिना जाने, देखे और पढ़े खारिज कर रहे हैं। यह खारिज़ करना अक्सर विकृत उपनिवेशी मानसिकताओं, और बौद्धिक धरोहर की अपर्याप्त समझ से उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि वे अपने विध्वंसक विचारों को धर्मनिरपेक्षता के विकृत रूप में छिपाते हैं। यह बहुत खतरनाक है। धर्मनिरपेक्षता को ऐसे कुकृत्यों को ढाल देने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे तत्वों का पर्दाफाश करना हर भारतीय का कर्तव्य है।

वेदांत की समकालिक प्रासंगिकता पर श्री धनखड़ ने कहा कि जगह-जगह युद्ध, निरंतर बढ़ते तनाव और अशांति हर हिस्से में मौजूद है। न केवल मनुष्यों के बीच है बल्कि अन्य जीवों के बीच भी ऐसा ही रहा है। विश्व ऐसे संकट का सामना कर रहा है। जलवायु संकट, डिजिटल गलत सूचनाएं और संसाधनों का अत्यधिक दोहन अप्रत्याशित चुनौतियाँ हैं जिनके लिए तकनीकी समाधान के साथ-साथ नैतिक ज्ञान और व्यावहारिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। वेदांत दर्शन की गहरी समझ इन चुनौतियों का समाधान संभव है।

उन्होंने कहा कि वेदांत केवल सवालों के जवाब नहीं देता बल्कि यह सवालों से परे जाता है। यह संदेहों को समाप्त करता है। यह जिज्ञासा की प्यास को शांत करता है। यह पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ-साथ चलाता है। वेदांत, समकालीन चुनौतियों का सामना करने में प्राचीन ज्ञान को आधुनिक दृष्टिकोण से जोड़ने का एक उत्प्रेरक बन सकता है।

सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें अपनी दार्शनिक धरोहर से जागरूक रहना होगा क्योंकि दुनिया तेजी से आपस में जुड़ रही है। वेदांत दर्शन के अद्भुत और अद्वितीय मूल्य हमें समावेशिता की याद दिलाते हैं।

संकल्प के चलते 45 किलो रुद्राक्ष धारण किए हुए हैं गीतानंद गिरी महाराज

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 में संगम तट पर गीतानंद गिरी जी महाराज की एक खास बात उन्हें श्रद्धालुओं में काफी लोकप्रिय बना रही है। गीतानंद गिरी महाराज ने अपने शरीर पर सवा दो लाख से ज्यादा रुद्राक्ष धारण कर रखे हैं। लाइव हिन्दुस्तान के साथ बातचीत में गीतानंद गिरी महाराज ने अपने इस खास संकल्प के बारे में बताया। आवाहन अखाड़ा हरियाणा शाखा के सचिव गीतानंद महाराज ने बताया कि 2019 में प्रयागराज में हुए कुंभ के दौरान उन्होंने एक अनूठा संकल्प लिया था। उनके संकल्प को छह साल ही हुए हैं और रुद्राक्ष की संख्या आज सवा दो लाख के ऊपर पहुंच चुकी है। गीतानंद महाराज बताते हैं कि इन रुद्राक्ष का वजन 45 किलोग्राम से अधिक है। अभी उनके संकल्प में छह साल और बाकी हैं। ऐसे में रुद्राक्ष का वजन और बढ़ेगा। क्या गीतानंद महाराज 24 घंटे इन रुद्राक्ष को धारण करते हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि ऐसा नहीं है। दिन में 12 घंटे तक वह इन रुद्राक्ष को धारण करते हैं। यानी सुबह पांच बचे रुद्राक्ष धारण करने के बाद उसे शाम पांच बजे उतार देते हैं। जब तक रुद्राक्ष शरीर पर रहता है तब तक वो बेहद हल्का भोजन ग्रहण करते हैं और तपस्या करते हैं।

अमेरिका में आईएसआईएस की एंट्री से चिंतित राष्ट्रपति

इस्लामी आतंकवाद बढ़ाएगा मुश्किल: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बढ़ती हिंसा के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन की नीति को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही ट्रंप लगातार इस्लामी आतंकवाद पर चिंता जताते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्लामी आतंकवाद मुश्किलें बढ़ाएगा।उन्होंने एक बार फिर दावा किया और लिखा कि यह समय आ गया है और यह अनुमान से भी बदतर है। कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद और हिंसक अपराध के अन्य रूप अमेरिका में इतने बुरे हो जाएंगे कि इसकी कल्पना करना या विश्वास करना भी मुश्किल हो जाएगा। वह समय आ गया है, लेकिन अब ये हमारी कल्पना से भी बदतर।

मालूम हो कि न्यू ऑर्लियंस में टेक्सास के रहने वाले 42 साल के शम्सुद्दीन जब्बार ने एक तेज स्पीड वाले पिकअप ट्रक से भीड़ को कुचल दिया। इस हमले में 15 लोग मारे गए और 35 से ज्यादा लोग बुरी तरह से घायल हो गए। यह एक आईएसआईएस समर्थक था। घटना के बाद पुलिस ने जब्बार को मार गिराया. घटना के बाद एफबीआई ने उसकी कार से आईएसआईएस का झंडा और विस्फोटक बरामद किया। ट्रंप अपनी पहली सरकार में आंतवाद को लेकर काफी सख्त नजर आए थे। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की थी। उन्होंने आतंकवादी संगठनों के खिलाफ सैन्य अभियान को बढ़ावा दिया था। 2025 में उनकी सरकार फिर से आतंकवादियों और कट्टरपंथी समूहों के खिलाफ सख्त कदम उठा सकती है। उन्होंने पहले ही इसके संकेत दे दिए हैं। ट्रंप ने हमेशा सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। उन्होंने चुनावी सभाओं में बार-बार सीमा सुरक्षा का मुद्दा उठाया था और इसके लिए बाइडेन पर खूब निशाना साधा था। ट्रंप आतंकवाद के बढ़ते खतरों के मद्देनजर वह और भी कड़े सीमावर्ती सुरक्षा उपायों को लागू करेंगे। हालांकि इससे अवैध घुसपैठ और आतंकवादियों के प्रवेश को रोकने के लिए कड़ी निगरानी और वीजा प्रक्रियाओं में सुधार हो सकता है।

डॉ. कंभमपति ने ली ओडिशा के राज्यपाल पद की शपथ

भुवनेश्वर (एजेंसी)। डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने शुक्रवार को राजभवन में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान ओडिशा के राज्यपाल के पद की शपथ ली। उड़ीसा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चक्रधारी शरण सिंह ने ड़ा कंभमपति को पद की शपथ दिलाई।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन माझी, उनके मंत्रिपरिषद के सदस्य, विपक्ष के नेता नवीन पटनायक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल, राज्य के मुख्य सचिव मनोज आहूजा, पुलिस महानिदेशक योगेश बहादुर खुरानी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डॉ. कंभमपति गुरुवार को भुवनेश्वर पहुंचे और अपने परिवार के साथ पुरी का दौरा कर श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों की पूजा की और पुरी राजभवन में रात्रि विश्राम किया।

उन्होंने ओडिशा के 27वें राज्यपाल के रूप में शपथ लेने के बाद राजभवन में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और

कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक, इलेक्ट्रिकल और कंट्रोल सिस्टम में एम.ई. और नियंत्रण प्रणाली में पीएच.डी. किया है। डॉ. कंभमपति ने 24 वर्षों तक आंध्र विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में काम किया।

डॉ. कंभमपति का राजनीतिक करियर उनके छात्र वर्षों के दौरान शुरू हुआ जब उन्होंने आंध्र राज्य के निर्माण के समर्थन में जय आंध्र आंदोलन में एक छात्र नेता के रूप में भाग लिया। उन्होंने टेनेटी विश्वनाथम, गौथु लचन्ना और वेंकैया नायडू जैसे उल्लेखनीय नेताओं के साथ काम किया। उन्होंने 1972 से 1973 तक आंध्र विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्र संघ के सचिव के रूप में भी कार्य किया।

ड़ा कंभमपति 1974 से 1975 तक आपातकाल के विरोध में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में लोक संघर्ष समिति के आंदोलन में शामिल हुए। उन्हें आंतरिक सुरक्षा रखरखाव अधिनियम (एमआईएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया और विशाखापत्तनम सेंट्रल जेल और मुशीराबाद जेल में छह महीने के लिए कैद किया गया।

वह 1977 में जनता पार्टी की आंध्र प्रदेश राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य बने और 1978 में आंध्र प्रदेश राज्य जनता युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 1990 के दशक की शुरुआत में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया एवं आंध्र प्रदेश राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य (1991-1993) और राज्य इकाई के महासचिव (1993-2003) के रूप में कार्य किया।

1999 में डॉ. कंभमपति विशाखापत्तनम-ढ्ढ विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए और 2003 में आंध्र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता बने। मार्च 2014 में उन्हें अध्यक्ष के रूप में चुना गया। भाजपा राज्य इकाई और भाजपा उम्मीदवार के रूप में विशाखापत्तनम लोकसभा क्षेत्र से 2014 का आम चुनाव जीता। डॉ कंभमपति को 19 जुलाई 2021 को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया। बाद में 26 दिसंबर 2024 को उन्हें ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी, पत्नी जागीर नहीं, उसका शरीर उसकी खुद की संपत्ति

प्रयागराज ।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनवाई कर कहा कि पत्नी जागीर नहीं है। पत्नी का शरीर उसकी खुद की संपत्ति है। उसकी गोपनीयता और उसके अधिकार अपने हैं। पति उनका मालिक नहीं है। पति विक्टोरियन युग की मानसिकता त्याग दें। अब दौर बदल चुका है। पत्नी की सहमति उसके व्यक्तिगत और अंतरंग जीवन के सभी पहलुओं में सर्वोपरि है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने मिर्जापुर रहने वाले बृजेश यादव की ओर से जिला अदालत में लंबित आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका पर दी है। कोर्ट ने कहा कि पति की भूमिका स्वामी या मालिक की नहीं बल्कि एक समान भागीदार की है, जो उसकी स्वायत्तता और व्यक्तित्व का सम्मान करने के लिए बाध्य है। इन अधिकारों को नियंत्रित करने या उनका उल्लंघन करने का प्रयास-चाहे जबरदस्ती, दुर्व्यवहार या अंतरंग विवरणों को बिना सहमति के साझा करने के माध्यम से हो वह विश्वास और वैधता का घोर उल्लंघन है। दरअसल अहरौरा निवासी बृजेश यादव की शादी रामपुर कोलना में हुई थी। बृजेश के खिलाफ नौ जुलाई 2023 को उनकी पत्नी ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि उसके पति ने मुकदमेबाजी की रंजिश में उसके अंतरंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं। इससे उसकी प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा है।

जल्द मिल सकती है ठंड से निजात, जनवरी महीने से ही होने लगेगा गर्मी का एहसास

- मौसम विभाग ने 2025 के मौसम के अनुमान का अलर्ट किया जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कड़ाके की ठंड जारी रही है। ये ठंड 15 दिसंबर के बाद शुरू हुई, जो अभी तक जारी है। पूरे देश में ठंड के मात्र 15 दिन हुए हैं, लेकिन मौसम विभाग ने 2025 के मौसम अनुमान के विपरीत दिसंबर का आधा महीना ज्यादा गर्म रहा। अब फिर से मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि जनवरी से गर्मी का एहसास शुरू हो जाएगा। पूर्वानुमान ने बताया कि जनवरी से मार्च तक महीना अपेक्षाकृत ज्यादा गर्म होगा। आईएमडी की पूर्वानुमान मानें तो 2024 के अधिकांश महीने 123 साल में सबसे ज्यादा गर्म रहे। साल के आखिरी के तीन महीने (अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर) काफी गर्म रहे। वहीं, अक्टूबर अकेले 123 साल का सबसे गर्म रहा।

मौसम विभाग ने जनवरी के लिए पूर्वानुमान लगाया है। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात और बिहार के कुछ हिस्सों को छोड़कर भारत के अधिकांश हिस्सों में औसत न्यूनतम (रात) तापमान गर्म रहने की संभावना है। वहीं, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में तापमान सामान्य से कम तापमान रहने की संभावना है। मौसम विभाग की माने तो देश के अधिकांश हिस्सों में जनवरी से मार्च तक तापमान समान्य से गर्म रह सकता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस साल जनवरी में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। आईएमडी प्रमुख एम मोहपात्रा ने मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। उन्होंने बताया कि जनवरी में सेंट्रल इंडिया के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में शीतलहर की संभावना जताई है। उन्होंने बताया कि यूपी में होने वाले महाकुंभ तक न्यूनतम तापमान समान्य से कम रहने की संभावना है, यानी ठंड पड़ने वाली है।

मौसम विभाग ने आने वाले तीन महीने के तापमान का जो अनुमान जारी किया है, उसके हिसाब से देश के आधिकांश हिस्सों में जनवरी, फरवरी और मार्च गर्म रहेगा। जनवरी का औसत तापमान, खासकर दिन का तापमान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत और दक्षिण प्रायद्वीप के मध्य भागों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्म रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर पश्चिम हिस्सों में लगातार बने दो पश्चिमी विक्षोभ मैदानी भागों में जनवरी में बारिश तो पहाड़ों पर बर्फबारी होगी। वहीं, बारिश की वजह से उत्तर भारत में शीतलहर का अलर्ट है। मौसम विभाग ने बताया कि शीतलहर वाले दिनों की संख्या भी सामान्य से ज्यादा रहने की उम्मीद है। 2024 का अंत 2001 के बाद सबसे अधिक बारिश वाले दिसंबर के साथ हुआ है।

यूरोप का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत पहुंचा भारत, चीन को समुद्र में दिया जाएगा जबाव

पणजी (एजेंसी)। यूरोप का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत चार्ल्स डी गाले भारत पहुंचा है। परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर चार्ल्स डी गाले फ्रांसीसी नौसेना के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के साथ हिंद महासागर पहुंचा है। बात दें कि करीब 40 साल बाद फ्रांस ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपना कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भेजा है। यह फ्रांसीसी बेड़ा गोवा तट के पास भारतीय नौसेना के साथ वरुणा नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेगा। इस नौसैनिक अभ्यास का मकसद इलाके में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है। चार्ल्स डी गाले पर राफेल फाइटर जेट हमेशा तैनात रहते हैं और ये परमाणु हमला करने की ताकत रखते हैं। बताया जा रहा हैं कि फ्रांस ने चीन को कड़ा संदेश देने के लिए अपने कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को इलाके में भेजा है। चीन लगातार हिंद प्रशांत क्षेत्र में दादागिरी दिखा रहा है।

फ्रांसीसी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप फ्रांस की नौसेना के मिशन के तहत आया है ताकि हिंद प्रशांत क्षेत्र में देश के हितों की रक्षा की जा सके। साथ ही इलाके में यूरोपीय अभियानों में योगदान दिया जा सके। फ्रांसीसी नौसेना ने कहा कि कैरियर स्ट्राइक ग्रुप क्षेत्रीय भागीदारों और सहयोगियों खासकर भारत के साथ संयुक्त ट्रेनिंग को अंजाम दे रहे हैं। इस अभ्यास के दौरान दोनों देशों के युद्धपोतों पर एक-दूसरे के सैनिकों के काम करने का अभ्यास किया जाएगा। इस दौरान हवा, सतह और सबमरीन से होने वाले खतरे को निपटने का भी अभ्यास होगा।

भारत के बाद फ्रांसीसी युद्धपोतों का दल इंडोनेशिया के लिए रवाना होगा। फिर से वहां से दक्षिण चीन सागर होकर जापान भी जाएगा। पूरे इलाके में चीनी नौसेना दादागिरी दिखा रही है और पड़ोसी देशों को डरा रही है। फ्रांस ने कहा कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में 15 लाख फ्रांसीसी नागरिक रहते हैं। फ्रांस ने अपने बयान में भारत को साल 1998 से ही सबसे करीबी रणनीतिक भागीदार करार दिया। भारत ने उस समय परमाणु परीक्षण किया था। भारत में अक्सर फ्रांसीसी युद्धपोत आते रहते हैं। दोनों देश हिंद महासागर में अवैध तस्करी, अवैध रूप से मछली पकड़ने के खिलाफ एक्शन और राहत तथा बचाव को अंजाम देते हैं। चांस डी गाले एयरक्राफ्ट कैरियर 42,500 टन का है और परमाणु ऊर्जा से चलता है। अमेरिका के बाद फ्रांस ही है, जिसका परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर भारत पहुंचा है। गाले राफेल फाइटर जेट से लैस है जिसे भारत भी अपनी नेवी के लिए खरीद रहा है।

2024 आम चुनाव में 50% से ज्यादा वोट शेयर के अंतर से जीतीं पांच सीटें भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2019 के मुकाबले भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन 2024 के लोकसभा चुनावों में ज्यादा ठीक नहीं रहा, लेकिन बीजेपी ने 50 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर के अंतर से पांच सीटें जीती हैं। वहीं 2019 के चुनाव में ये केवल तीन सीटें ही थी। चुनाव आयोग के डेटा से इसकी जानकारी सामने आई है। 2024 में किसी भी दूसरी पार्टी ने 50 फीसदी से ज्यादा वोट मार्जिन से कोई भी सीट नहीं जीती है। बीजेपी के जिन उम्मीदवारों ने 50 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर से सीट जीती है। उसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और शंकर लालवानी और पूर्व सीएम बिप्लब देब का नाम शामिल हैं। त्रिपुरा पश्चिम को छोड़कर इन पांच सीटों में से चार को बीजेपी का गढ़ माना जाता है।

वहीं सबसे ज्यादा वोट शेयर से जीतने वाले प्रत्याशी इंदौर से सांसद लालवानी थे। उन्हें करीब 91.32 फीसदी वोट मिले और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को 75 फीसदी वोट शेयर से हराया। मध्य प्रदेश की सीट के लिए मुकाबला इसलिए भी सबसे दिलचस्प था क्योंकि कांग्रेस प्रत्याशी ने वोटिंग से कुछ दिन पहले अपना नॉमिनेशन वापस ले लिया और बीजेपी का दामन थाम लिया। इस घटनाक्रम के बाद लालवानी को बाकी उम्मीदवारों से ज्यादा टफ फाइट नहीं मिली। बीजेपी के अन्य उम्मीदवार करीब 50 से 60 फीसदी वोट शेयर से जीते।

आजादी के बाद से अब तक हुए सभी लोकसभा चुनाव में केवल 198 सीटों पर जीत का अंतर 50 फीसदी से ज्यादा रहा है। सबसे ज्यादा वोट शेयर का अंतर 97.19 फीसदी है। इस साल 1989 में प्यारे लाल हांडू ने हासिल किया था। वे जम्मू-कश्मीर की अंनतनाग सीट से उम्मीदवार थे। कुल मिलाकर आजादी के बाद से केवल दो ही ऐसी सीटें हैं जो 90 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर के अंतर से जीती गई हैं। छह सीटें 80 फीसदी और 90 फीसदी के बीच, 16 सीटें 70 फीसदी और 80 फीसदी के बीच; 45 सीटें 60 फीसदी और 70 फीसदी के बीच व 129 सीटें 50 फीसदी और 60 फीसदी के बीच जीती गई हैं।

वहीं राज्यवार विश्लेषण करने पर साफ होता हैं कि यूपी में सबसे अधिक 43 सीटें 50 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर मार्जिन के साथ जीती गई हैं। महाराष्ट्र में यह संख्या 31 है, जिसमें छह सीटें उस समय की हैं जब इसे बॉम्बे के नाम से जाना जाता था, इसके बाद बिहार में 27 सीटें हैं। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 50 फीसदी से ज्यादा मार्जिन वाली 112 सीटें जीती हैं।

आपातकाल के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने वाली जनता पार्टी (जेपी) 49 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर है। 1977 के चुनाव में जेपी ने ऐसी सभी सीटें जीती थीं। इस लिस्ट में बीजेपी तीसरे नंबर पर है, जिसने 11 ऐसी सीटें जीती हैं।

सिडनी टेस्ट के पहले दिन पहुंचे 47,566 दर्शक

सिडनी, एजेंसी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड ने शुक्रवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मैच के पहले दिन अब तक की सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज की, जिसमें रिकॉर्ड तोड़ 47,566 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे। चाय ब्रेक के समय सिडनी में 47,566 दर्शक मौजूद थे, जो जनवरी 1976 के बाद से क्रिकेट के लिए सिडनी में सबसे बड़ी उपस्थिति है।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक्स पर पोस्ट किया, रिकॉर्ड लगातार गिरते जा रहे हैं। पहले दिन सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के गेट से 45,000 से अधिक दर्शक आए। सिडनी में भारी भीड़ ने सीरीज में पहले भी एक और रिकॉर्ड बनाया था, जब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड ने तीसरे टेस्ट के दौरान टेस्ट मैच के लिए अब तक की सबसे बड़ी भीड़ की मेजबानी की थी। पहले दिन दोपहर के भोजन के समय तक 45,465 दर्शक एससीजी में आ चुके थे, जो 2003/04 भारत-ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान स्थापित 44,901 के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दर्शकों की संख्या के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला, और कहा कि एससीजी में 1976 के बाद से लगभग 50 वर्षों में किसी टेस्ट के लिए यह सबसे बड़ी भीड़ थी।

सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत 185 पर ऑलआउट, पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए

सिडनी, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट की पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट हो गई है। शुक्रवार को स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1 है। उस्मान ख्वाजा 2 रन बनाकर आउट हुए। सैम कोंस्टास पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद 7 रन पर नाबाद लौटे हैं। स्टंप्स से ठीक पहले जसप्रीत बुमराह की युवा ओपनर सैम कोंस्टास से बहस हो गई। इस बहस के तुरंत बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा (2 रन) को पवेलियन की राह दिखाई। ख्वाजा के आउट होने ही अंपायर्स ने दिन का खेल समाप्त कर दिया।

भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 26 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल ने 20 रन और विराट कोहली ने 17 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया से स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके। मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले। पैट कमिंस को 2 विकेट मिले। एक विकेट नाथन लायन के खाते में आया। भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में रोहित शर्मा की जगह जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। रोहित शर्मा को रेस्ट दिया गया है।

नहीं मानी हार, तोड़ दिया सचिन का वर्ल्ड रिकॉर्ड

सिडनी टेस्ट में बुरी तरह चोटिल हुए ऋषभ पंत

सिडनी, एजेंसी। टीम इंडिया सिडनी टेस्ट की पहली पारी में 185 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई. उसके लिए ऋषभ पंत ने 40 रनों की अहम पारी खेली. पंत इस पारी के दौरान गंभीर रूप से चोटिल हो गए. लेकिन

उन्होंने हार नहीं मानी. ऋषभ पंत ने इस मुकाबले के दौरान छक्कों का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. उन्होंने सचिन तेंदुलकर समेत कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है. ऋषभ पंत भारत की पहली पारी के दौरान नंबर पांच पर बैटिंग करने आए. उन्होंने इस दौरान 98 गेंदों का सामना करते हुए 40 रन बनाए. पंत की इस पारी में 3 चौके और 1 छक्का शामिल रहे. उन्हें बोलैंड ने आउट कर दिया. पंत इस पारी के दौरान चोटिल हो गए. उनके हाथ पर गेंद लग गई. इससे खून का थक्का जम गया. लेकिन पंत ने इसका करारा जवाब दिया. वे भारत के लिए अहम पारी खेलने के बाद ही आउट हुए.

पंत ने तोड़ा सचिन-रोहित का रिकॉर्ड

ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट छक्के लगाने के मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया. पंत ने कुल 11 छक्के लगाए हैं. जबकि रोहित ने 10 छक्के जड़े हैं. इस मामले में नीतीश कुमार रेड्डी तीसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 8 छक्के लगाए हैं. वीरेंद्र सहवाग ने भी 8 छक्के लगाए हैं. सचिन ने 7 छक्क ने लगाए हैं.

रोहित के लिए फिर से टेस्ट खेलना लंबा और कठिन होगा: पोंटिंग

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग को लगता है कि रोहित शर्मा के लिए फिर से टेस्ट खेलना लंबा और कठिन होगा, क्योंकि नियमित भारतीय कप्तान ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे पांचवें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से आराम लेने का फैसला किया है।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीन टेस्ट मैचों में सिर्फ 6.2 की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 10 रहा है। सिडनी में उनके न खेलने की अटकलें तब सामने आईं, जब मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें गारंटीड स्टार्टर कहने से इनकार कर दिया।

रोहित ने 2024 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की कप्तानी करने के बाद टी20 को पहले ही अलविदा कह दिया था। मुझे लगता है कि प्रतिक्रिया यह रही है कि वे सभी उम्मीद कर रहे थे कि ऐसा हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से चर्चा चल रही थी कि सभी को उम्मीद थी कि रोहित इस मैच में नहीं खेलेंगे, शुभमन गिल वापस आएंगे और (जसप्रीत) बुमराह शायद फिर से कप्तानी संभालेंगे और ऐसा ही हुआ। पोंटिंग ने कहा, आपको लगता होगा कि खेल के इस प्रारूप में रोहित शर्मा के लिए अब बहुत लंबा सफर तय करना बाकी है। मेरा मानना ??है कि भारत जून के मध्य या अंत तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेलता है, जो कि आपके करियर के अंतिम चरण में आने के लिए बहुत लंबा समय है। उन्होंने कहा,...जब मैंने इतने महत्वपूर्ण मैच में ऑप्ट आउट शब्द सुना तो मैं बहुत हैरान रह गया। हम जानते हैं कि वह लंबे समय से भारतीय क्रिकेट के लिए एक महान खिलाड़ी रहे हैं।इसलिए जिस तरह से उन्होंने इसे कहा है, आप इसे केवल सतही तौर पर ही ले सकते हैं। हमें भारतीय खेमे से जो सुनने को मिल रहा है, उस पर हमें विश्वास करना होगा, लेकिन इतना बड़ा मैच होने के कारण, यह जानते हुए कि उन्हें ट्रॉफी बरकरार रखने के लिए यह मैच जीतना ही होगा, उनके सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक के लिए ऑप्ट आउट करना एक दिलचस्प समय था।

बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर बनाया कीर्तिमान

8 साल बाद दोहराया गया इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे आखिरी टेस्ट में अभी पहले ही दिन का खेल हुआ है, लेकिन रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। पहले दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी एक बार? फिर से फ्लॉप रही। वो तो भला हो जसप्रीत बुमराह का, जिन्होंने पहले दिन का खेल खत्म होने से पहले ही उस्मान ख्वाजा को पवेलियन भेज दिया, इससे भारतीय टीम ने राहत की सांस ली होगी। जसप्रीत बुमराह ने इस विकेट के साथ ही भारतीय टीम के लिए करीब आठ साल पुराना इतिहास दोहरा दिया है।

इस सीरीज में बुमराह ने छठी दफा किया है उस्मान का शिकार

जसप्रीत बुमराह एक बार फिर से टीम इंडिया की टेस्ट में कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले जब इसी सीरीज के पहले मैच में भी उन्होंने कमान संभाली थी, तब टीम इंडिया जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। अब फिर से उन्हें भारतीय टीम का बेड़ा पार लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। जसप्रीत बुमराह ने उस वक्त उस्मान ख्वाजा को आउट किया, जब वे दिन की आखिरी बॉल लेकर आए थे। उस्मान ख्वाजा ने अपनी पारी के दौरान 10 बॉल का सामना किया और दो रन बनाकर आउट हो गए। इसी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने उस्मान को छठी बार आउट किया है। इससे पहले केवल एक ही बार हुआ है, जब किसी भारतीय गेंदबाज ने एक ही ही सीरीज में 6 दफा आउट किया हो।

बुमराह को नहीं मिला अर्जुन अवार्ड, राहुल द्रविड़ भी नहीं हुए नॉमिनेट

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल के खेल अवॉर्ड्स का ऐलान कर दिया गया है। खेल मंत्रालय ने इस साल चार खिलाड़ियों को सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानंचद खेलरत्न अवॉर्ड के लिए चुना गया है। वहीं 32 खिलाड़ियों का नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए भेजा गया है। हालांकि हैरानी की बात यह है कि इस लिस्ट में किसी भी भारतीय क्रिकेटर का नाम शामिल नहीं है।

जसप्रीत बुमराह को नहीं मिला अर्जुन अवॉर्ड

बीते साल भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इस साल जसप्रीत बुमराह को इसका बड़ा दावेदार माना जा रहा था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बुमराह इस समय भारत के नंबर वन गेंदबाज हैं। वह तीनों फॉर्मेट में टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने पिछले चार साल में टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई है।

चाहे टी20 वर्ल्ड कप हो , वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप हो या फिर भारत में हुआ वनडे वर्ल्ड कप। उन्होंने हर जगह भारतीय तेज गेंदबाजी अटैक की अगुवाई की। दुनिया भर के बल्लेबाज और दिग्गज इस खिलाड़ी को मौजूदा समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बता चुके हैं। 44 टेस्ट मैच में यह खिलाड़ी 203 विकेट ले चुका है। 89 वनडे में 149 और

70 टी 20 में उनके नाम 89 विकेट हैं। इन सबसे के बावजूद इस खिलाड़ी को अब तक अर्जुन अवॉर्ड नहीं मिला है। साल 2019 में इस खिलाड़ी को नामित किया गया था लेकिन उस समय शिखर धवन को अवॉर्ड दिया गया था और बुमराह चूक गए। पांच साल में बुमराह ने वैश्विक स्तर पर नाम कमा चुके हैं। इस बार भी उनका नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए नहीं दिया गया।

राहुल द्रविड़ को भी नहीं किया गया नॉमिनेट

लिस्ट में भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ का नाम शामिल नहीं है। राहुल द्रविड़ को द्रोणाचार्य अवॉर्ड मिलने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। द्रोणाचार्य अवॉर्ड कोचेज को दिया जाता है। राहुल द्रविड़ ने बतौर कोच भारतीय क्रिकेट टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। राहुल द्रविड़ ने साल 2021 में टीम की कमान संभाली थी। उनके कोच बनने के बाद भारत तीनों फॉर्मेट के 'वर्ल्ड कप' का फाइनल खेला और एक में चैंपियन भी बना। भारत ने साल 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल खेला। साल 2024 में टीम राहुल द्रविड़ के कोच रहते हुए ही टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनी। हालांकि राहुल द्रविड़ को साल 1998 में बतौर खिलाड़ी अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

भारतीय ई-स्पोर्ट्स परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए रियलमी ने क्राफ्टन इंडिया के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली।

भारत के गेमिंग उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसने देश को वैश्विक गेमिंग परिदृश्य में एक प्रमुख शक्ति में बदल दिया है। 2028 तक, एशिया प्रशांत क्षेत्र में गेमिंग राजस्व में 181.8 बिलियन डॉलर उत्पन्न होने का अनुमान है, जो वैश्विक बाजार का 54.4 प्रतिशत है। इस क्षेत्र के भीतर, भारत का ऑनलाइन गेमिंग बाजार 2028 तक 66,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 14.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। इस वृद्धि में कई कारक योगदान करते हैं, जिसमें भारत की युवा जनसांख्यिकी शामिल है। इसमें लगभग 600 मिलियन लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। दुनिया के कुछ सबसे किफायती मोबाइल डेटा कीमतों और 650 मिलियन से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत ने विशेष रूप से गेमिंग में डिजिटल मनोरंजन उपभोग की एक मजबूत संस्कृति विकसित की है। उद्योग की वृद्धि विशेष रूप से दो प्रमुख क्षेत्रों में स्पष्ट है। रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) बाजार ने कौशल-आधारित खेलों के माध्यम से महत्वपूर्ण गति प्राप्त की है, जबकि सामाजिक और आकस्मिक गेमिंग क्षेत्र युवा वयस्कों और कामकाजी पेशेवरों के बीच अपनी पहुंच का विस्तार करना जारी रखता है। ऐप-आधारित गेमिंग में यह उछाल मनोरंजन वरीयताओं में व्यापक बदलावों को दर्शाता है, जो स्मार्टफोन अपनाने और बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी के बढ़ने से प्रेरित है। भारत के बढ़ते गेमिंग बाजार में और अधिक लाभ उठाने के लिए रियलमी ने बैटलग्राउंड्स मोबाइल इंडिया सीरिज (बीजीआईएस) 2025 और बैटलग्राउंड्स मोबाइल प्रो सीरिज (बीएमपीएस) 2025 के लिए आधिकारिक स्मार्टफोन भागीदार के रूप में केआरएएफटीओएन इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। 2025 को अपने पहले समर्पित गेमिंग वर्ष के रूप में चिह्नित करते हुए, रियलमी ने ई-स्पोर्ट्स को मुख्य रणनीतिक फोकस के रूप में स्थान दिया है। यह रणनीतिक सहयोग एक महत्वपूर्ण समय पर आता है, क्योंकि भारत में 2028 तक 720 मिलियन मोबाइल गेमर्स तक पहुंचने का अनुमान है। यह साझेदारी कोलकाता में बीजीआईएस 2025 एलएएन फ़ाइनल के साथ शुरू होगी, जिसमें 2 करोड़ रुपये का पर्याप्त पुरस्कार पूल होगा, जो प्रतिस्पर्धी गेमिंग में निवेश के पैमाने को प्रदर्शित करता है।

इस साल 50 बिलियन डॉलर के पार पहुंच जायेगा भारत का स्मार्टफोन बाजार : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियमाइजेशन के चल रहे ट्रेंड और लोकल मैन्युफैक्चरिंग पर जोर के कारण भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 तक 50 बिलियन डॉलर के पार पहुंच जाएगा। काउंटरपॉइंट के इंडिया स्मार्टफोन आउटलुक की लेटेस्ट रिसर्च के अनुसार, भारत के स्मार्टफोन बाजार का रिटेल एवरेज सेलिंग प्राइस (एएसपी) इस साल पहली बार 300 डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद है। एप्पल और सैमसंग प्रीमियम और अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी विकल्प पेश कर इस बदलाव को लीड कर रहे हैं। एप्पल को अपने प्रो मॉडल की मजबूत मांग देखने की उम्मीद है, जो लोकल मैन्युफैक्चरिंग और अपने आईफोन लाइनअप में हाल ही में की गई कीमतों में कटौती के इस बीच, सैमसंग की मूल्य-केंद्रित रणनीति खास तौर पर अपनी प्रमुख एस सीरीज के साथ लोकप्रिय हो रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वनप्लस अपने फ्लैगशिप वनप्लस 13 के लॉन्च के साथ अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट (45,000 रुपये से ऊपर) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। प्रीमियमाइजेशन की ओर बदलाव की वजह यह भी है कि उपभोक्ता तेजी से ऑफलाइन स्टोर्स की ओर रुख कर रहे हैं, जहां वे खरीदारी करने से पहले प्रीमियम स्मार्टफोन का अनुभव कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई-पावर्ड फीचर्स में बढ़ती दिलचस्पी ने उपभोक्ताओं को इन इनोवेशन को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय स्मार्टफोन बाजार तेजी से विकसित हो रहा है, जिसमें ऑरिजनल इक्विप्मेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) ब्रांड इक्विटी को मजबूत करने, तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और लाभप्रदता में सुधार करने के लिए प्रीमियम लॉन्च पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। किफायती प्रीमियम श्रेणी (30,000 रुपये-45,000 रुपये) में, वीवो, ओप्पो और वनप्लस जैसे ब्रांड एडवांस कैमरा सिस्टम और रिफाइंड सीएमएफ डिजाइन पेश करके ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। लोकल मार्केट के विस्तार में वनप्लस द्वारा चरणबद्ध तरीके से 6,000 करोड़ रुपये के नियोजित निवेश से इसकी रिकवरी और विकास में तेजी आने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में प्रीमियम सेगमेंट (30,000 रुपये और उससे अधिक) का बाजार हिस्सा 2025 तक 20 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है।

देश की अर्थव्यवस्था में हाउसिंग सेक्टर का बढ़ेगा योगदान, छोटे शहर बन रहे नए ग्रोथ हब: रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के हाउसिंग सेक्टर का जीडीपी में योगदान बढ़कर 2025 तक 13 प्रतिशत होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को एक रिपोर्ट में दी गई। जेएलएल की रिपोर्ट में बताया गया कि 2030 तक रियल एस्टेट सेक्टर बढ़कर एक ट्रिलियन डॉलर की मार्केट बन सकता है। यह सेक्टर डेमोग्राफिक शिफ्ट, पॉलिसी रिफॉर्म और ग्लोबल ट्रेंड से प्रभावित होगा। टियर 2 और 3 शहर प्रमुख विकास केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं।जयपुर, इंदौर और कोच्चि जैसे छोटे शहरी केंद्रों का 2025 तक नए आवासों में योगदान 40 प्रतिशत होगा। शहरी घर स्वामित्व दर 2025 तक बढ़कर 72 प्रतिशत हो सकती है, जो कि 2020 में 65 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि मिलेनियल्स और जेन जेड खरीदारों की संख्या 2030 तक 60 प्रतिशत होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, सस्टेनेबिलिटी को पहले एक लग्जरी माना जाता था। ग्रीन-सर्टिफाइड बिल्डिंग्स की संख्या 2025 तक बढ़कर 30 प्रतिशत होने की उम्मीद है। 2020 में यह संख्या 15 प्रतिशत थी। एलईईडी (लीडरशीप इन एनर्जी एंड एनवायरमेंट डिजाइन) जैसे ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन अधिक आम होते जा रहे हैं क्योंकि रियल एस्टेट उद्योग सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता दे रहा है।2024 के दौरान बेची गई रेजिडेंशियल यूनिट्स की संख्या 2023 की कुल बिक्री की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक थी। मिश्रित उपयोग वाले विकास तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, जो लिव-वर्क-प्ले वातावरण बनाने की दिशा में जा रहे वैश्विक ट्रेंड को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया है, इस तरह का विकास एक ही परियोजना के भीतर आवासीय, वाणिज्यिक और मनोरंजक स्थानों को जोड़ते हैं, जिससे निवासियों को पैदल दूरी के भीतर उनकी जरूरत की हर चीज मिलने की सुविधा मिलती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्मार्ट घरों और तकनीक-एकीकृत रहने की जगहों की मांग भी आसमान छू रही है।

अप्रैल-दिसंबर में निजी, वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34 फीसदी बढ़ा

- एक साल पहले नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर में निजी उपयोग वाली (कैप्टिव) और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34.2 प्रतिशत बढ़कर 13 करोड़ 10.5 लाख टन हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था। कोयला मंत्रालय ने कहा कि दिसंबर में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन एक करोड़ 84 लाख टन का हुआ था। सरकार द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आधार वर्ष 2011-12) के अनुसार, कोयला क्षेत्र ने एक साल पहले 185.7 अंक की तुलना में नवंबर, 2024 में 7.5 प्रतिशत (अस्थायी) की वृद्धि के साथ 199.6 अंक दर्ज किए हैं। कोयला उद्योग का सूचकांक अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान 172.9 अंक पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी

अवधि के दौरान यह 162.5 अंक था, जो सभी आठ प्रमुख उद्योगों में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

मार्च 2024 को खत्म वित्त वर्ष में 4.67 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित हुए

मुंबई ।

मार्च 2024 को खत्म वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 4.67 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित हुए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में रोजगार सृजन की रफ्तार बरकार रही। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार, अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के दौरान भारत के असंगठित क्षेत्र में कुल अनुमानित रोजगार में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.01 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि कवर किए गए व्यापक क्षेत्रों (ब्रॉड सेक्टर) में, अन्य सेवाओं (अन्य सर्विस) में प्रतिष्ठानों ने अक्टूबर 2023 और सितंबर 2024 के बीच 12 करोड़ से अधिक अतिरिक्त श्रमिकों को रोजगार दिया। यह 2022-23 से एक करोड़ से अधिक श्रमिकों की वृद्धि और मजबूत श्रम बाजार वृद्धि को दिखाता है। असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार, सकल घरेलू उत्पाद और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह क्षेत्र न केवल लाखों लोगों की आजीविका को बनाए रखता है, बल्कि घरेलू मूल्य श्रृंखला (डोमेस्टिक वैल्यू चेन) में अपनी भूमिका को मजबूत कर वस्तुओं और सेवाओं की सप्लाई करता है। इसी तरह, औपचारिक क्षेत्र में वृद्धि जारी रही है। यह क्षेत्र में बेहतर गुणवत्ता वाली नौकरियां प्रदान करता है। नवंबर 2024 में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में नए सदस्यों की संख्या में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में वृद्धि की है। कर्मचारी भविष्य निधि योजना में नए आवेदन, जो बड़े संगठनों और बेहतर वेतन वाले कर्मचारियों पर लागू होते हैं, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 6.1 मिलियन हो गए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 85.79 पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में नरम रुख का असर घरेलू मुद्रा पर पड़ा जिससे रुपया कमजोर हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर 2024 में अधिकतर मुद्राओं के मुकाबले मजबूत रहा और इस वर्ष भी वह मजबूत स्थिति में बना रहेगा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.77 पर खुला। फिर फिसलकर 85.78 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 11 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 109.19 पर रहा।

इस साल उत्तरी मुंबई लोकसभा क्षेत्र के विकास में कई महत्वपूर्ण पहलों पर देना होगा जोर:गोयल

झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाएं शामिल

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि उनके लोकसभा क्षेत्र के विकास में इस साल कई महत्वपूर्ण पहलों पर काम होगा। उन्होंने झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाओं को लेकर मी डिया से चर्चा की। उन्होंने बयान किया कि इस साल उनके निर्वाचन क्षेत्र में कई बड़ी योजनाएं हैं, जिनमें झुग्गी-झोपड़ियों को पक्के मकान में बदलना भी शामिल है। गोयल ने बताया कि तेजी से लंबित परियोजनाओं का पुनरीक्षण करने के लिए वह मुंबई में सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि चार जनवरी को उनके द्वारा लिए गए कदमों की समीक्षा की जाएगी और लंबित मुद्दों के लिए समयबद्ध कार्य योजना तैयार की जाएगी। मंत्री ने कहि कि हम चाहते हैं कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को उसी स्थान पर पक्के मकान उपलब्ध करा सकें। हमारा लक्ष्य है जीवन को सुगम बनाने के लिए रेलवे स्टेशनों का विकास करना है। उन्होंने भी बताया कि उनके क्षेत्र में चार रेलवे स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत होने वाली है। मंत्री ने व्यक्त किया कि उन्हें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विचार करने का भी मौका मिला है, क्योंकि उनके क्षेत्र में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और खूबसूरत समुद्र है। उन्होंने आगे बढ़ते हुए कहा कि उन्हें लोगों के लिए बेहतर जीवनस्तर प्रदान करने के लिए और भी कई पहल करनी हैं।

चीन में रियल एस्टेट संकट से लड़खड़ाई दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुंबई । चीन तेज़ आर्थिक विकास के मामले में हमेशा आगे रहा है ले किन अब उसे गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अपने इतिहास के सबसे बड़े रियल एस्टेट के संकट से जूझ रही है। चीन के संपत्ति बाजार में पिछले तीन वर्षों में भारी गिरावट देखी गई है। 2021 से अब तक 18 ट्रिलियन डॉलर का अनुमानित घरेलू संपत्ति का नुकसान हुआ है, जो 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट में अमेरिका द्वारा झेले गए नुकसानों से भी अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था पर वर्षों की अधिक कर्ज़दारी, अधिक निर्माण और अधिक उत्पादन क्षमता का बोझ है। ये समस्याएं घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर गंभीर परिणाम पैदा कर रही हैं। कई रियल एस्टेट कंपनियों पर भारी कर्ज़ है और संपत्तियों की मांग में कमी ने इस संकट को और बढ़ा दिया। चीन के कई हिस्सों में घोस्ट टाउन यानी खाली पड़े शहर निर्माण का उदाहरण हैं। वहीं औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता वास्तविक मांग से कहीं अधिक है, जिससे कीमतों और आर्थिक स्थिरता पर असर पड़ा है।

सोने और चांदी के भाव में तेजी

सोने का भाव 77,900 रुपए, चांदी 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी ` दिन शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। यह लगातार तीसरा दिन है जब सोने-चांदी की कीमत में तेजी जारी है। 1 जनवरी से दोनों के वायदा भाव में तेजी जारी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 0.24 फीसदी की तेजी के साथ 77,900 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 0.13 फीसदी बढ़त के साथ 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की सतत लिवाली के कारि गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 330 रुपए बढ़कर 79,720 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। बुधवार को सोना 79,390 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। गुरुवार को चांदी भी 130 रुपए बढ़कर 90,630 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 90,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 78,840 रुपए प्रति 10 ग्राम के पिछले बंद से 330 रुपए बढ़कर 79,170 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी से सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला।

एनवीडिया बनी बीते साल सबसे ज्यादा मार्केट कैप हासिल करने वाली कंपनी

मुंबई ।

एआई चिप विनिर्माता अमेरिकी कंपनी एनवीडिया पिछले साल सबसे ज्यादा मार्केट कैप पाने वाली कंपनी बनी। इस दौरान कंपनी के शेयरों में 170 फीसदी तेजी रही और उसके मार्केट कैप में करीब 2 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। यह दुनिया के सबसे बड़े अमीर एलन मस्क की नेटवर्थ (415 अरब डॉलर) से करीब पांच गुना है। एप्पल के बाद एनवीडिया दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में दुनिया की बढ़ रही दिलचस्पी और विभिन्न इंडस्ट्रीज में एआई सेंट्रिक चिप्स की बढ़ती मांग से एनवीडिया के शेयरों में भारी तेजी दिखाई दे रही है। 2023 के अंत में कंपनी की मार्केट वैल्यू 1.2 ट्रिलियन डॉलर थी जो 2024 के अंत में 3.28 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई। 2023 में कंपनी का शेयर 240 प्रतिशत का उछला था। इस बीच एप्पल दुनिया का सबसे वैल्यूएबल कंपनी बनी रही। इसका मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंच चुका है। कंपनी ने एआई पर फोकस किया है, इससे उसकी बिक्री में आगे तेजी आने की उम्मीद है। इसकारण कंपनी में निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। 2024 के अंत में माइक्रोसॉफ्ट 3.1 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की तीसरी वैल्यूबल कंपनी रही जबकि गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक और अमेजॉन की वैल्यू करीब 2.3 ट्रिलियन डॉलर रही। सऊदी अरामको, फेसबुक, टेस्ला, ब्रॉडकॉम और टीएसएमसी टॉप 10 में शामिल रहीं। भारत की मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए पिछला साल अच्छा नहीं रहा। 10 साल में पहली बार कंपनी के शेयरों ने निगेटिव रिटर्न दिया और दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में 68वें नंबर पर पहुंच गई थी। गुरुवार को इसमें पांच स्थान का सुधार हुआ और यह 63वें नंबर पर आ गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 720 , निफ्टी 183 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार बाजार में ये गिरावट मुनाफावसूली हावी होने से आई है। निवेशकों ने कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों से पहले जमकर मुनाफावसूली की जिससे भी बाजार लाल निशान पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 720.60 अंक करीब 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ ही 79,223.11 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी निफ्टी में 183.90 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी नीचे आकर 24,004.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में जोमैटो का शेयर सबसे ज्यादा टूटा। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, आईटीसी, एलएडंटी, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए। दूसरी ओर टाइटन और टाटा मोटर्स के शेयर लाभ में रहे। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति, रिलायंस, एनटीपीसी, नेस्ले, अल्ट्रा सीमेंट, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। माना जा रहा है कि वित्तीय और आईटी स्टॉक्स में बिकवाली की वजह से भी बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी है। निवेशल सोमवार को शरू हो रहे कंपनियों के दिसंबर तिमाही के नतीजों से पहले सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसके अलावा एशियाई और अमेरिकी स्टॉक मार्केट में गिरावट से भी घरेलू बाजारों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। जानकारों के अनुसार अगले सप्ताह से शुरू हो रहे भारतीय कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणामों से तय होगा कि बाजार किस दिशा में बढ़ेगा।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त पर खुलने के कुछ समय बाद ही फिसल गया। बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी कुछ समय बाद ही लाल निशान में आ गये। निवेशकों की नजर अब अगले हफ्ते से शुरू हो रहे कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे और अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं पर टिकी हुई है। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 364.96 अंक की गिरावट लेकर 79,578.75 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टीभी मामूली बढ़त लेकर खुला पर खुलते ही गिरावट में चला गया। एशिआई बाजारों में शुक्रवार को मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। जापान का निक्की इंडेक्स और चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट में बंद हुए जबकि यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

वेंचुरा ने ब्लैक बॉक्स लिमिटेड को दी खरीद रेटिंग, 27.3 प्रतिशत वृद्धि की जताई संभावना

मुंबई।

ब्रोकरेज हाउस वेंचुरा की गुरुवार को आई रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ब्लैक बॉक्स के शेयर में अगले 24 से 30 महीनों में मौजूदा कीमत 649 रुपये से 826 रुपये तक 27.3 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 24 में बिक्री वृद्धि में मंदी व परियोजना निष्पादन और निर्णय लेने में देरी के बावजूद ब्लैक बॉक्स अपने अगले विकास चरण के लिए तैयार है। कंपनी को उम्मीद है कि इसकी पाइपलाइन बढ़कर तीन बिलियन डॉलर हो जाएगी और इसका लक्ष्य मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 25 प्रतिशत की रूपांतरण दर हासिल करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्लैक बॉक्स ने शीर्ष 300 ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करके और कम लाभदायक लॉन्ग-टेल ग्राहकों से बाहर निकलकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है, क्योंकि वे मार्जिन वृद्धि में योगदान नहीं देते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने उद्योग वर्टिकल और उत्पाद पोर्टफोलियो क्षैतिज को शामिल करते हुए मैट्रिक्स-आधारित दृष्टिकोण को अपनाकर अपनी गो-टू-मार्केट रणनीति को नवीनीकृत करने की योजना बनाई है। यह रणनीति उद्योग-विशिष्ट समाधान प्रदान करने और ग्राहक जुड़ाव को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई है। वेंचुरा ने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि हमारा राजस्व वित्त वर्ष 24 में 6,281.6 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 27 ई तक 7,996 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका और भारत में डेटा केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। मेटा, अमेजॉन और माइक्रोसॉफ्ट जैसे प्रमुख हाइपरस्केलर्स वाले ग्राहक आधार के साथ, जिनसे डेटा सेंटर बिल्डआउट में महत्वपूर्ण रूप से निवेश करने की उम्मीद है, डेटा सेंटर से राजस्व में योगदान अनुपातहीन रूप से उच्च होने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 27 ई तक 1,256 करोड़ रुपये से बढ़कर 15 प्रतिशत की सीएजीआर पर 1,994 करोड़ रुपये हो जाएगा। इस बीच, प्रौद्योगिकी उत्पाद समाधान (टीपीएस) वर्टिकल वर्तमान में कुल राजस्व में 12 से 13 प्रतिशत के बीच योगदान देता है और उम्मीद है कि इसमें तेजी आएगी। राजस्व के 9 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़कर वित्त वर्ष 27ई तक 758 करोड़ रुपये से 982 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, परामर्श व्यवसाय से भी समग्र विकास प्रक्षेपवक्र को पूरक बनाने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 27ई तक 2 प्रतिशत सीएजीआर से 106 करोड़ रुपये से बढ़कर 112 करोड़ रुपये हो जाएगा।

भारत का कार्यालय बाजार 2024 में रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर: रिपोर्ट

शीर्ष आठ शहरों में सकल कार्यालय स्थल की मांग 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । भारत का कार्यालय बाजार 2024 में रिकॉर्ड ऊंचाइयों को छू गया है। पिछले वर्ष की तुलना में कार्यालय स्थल की पट्टा मांग में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कार्यालय स्पेस की मांग ने विस्तार किया। रियल एस्टेट परामर्शदाताओं के अनुसार कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कार्यालय स्थल की सकल मांग 2023 में 745.6 लाख वर्ग फुट थी जो 2024 में 885.2 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई है। भारत, दक्षिण पूर्व एशिया और एपीएसी (एशियाई एकीकरण) के टेनेंट रिप्रेसेंटेशन के एक मुख्य कार्यकारी ने इसे निर्णायक वर्ष बताया है। बाजार में भारी वृद्धि दर्ज की गई है, जैसे बेंगलुरु में मांग 64 प्रतिशत बढ़कर 259.3 लाख वर्ग फुट, मुंबई में 27 प्रतिशत बढ़कर 178.4 लाख वर्ग फुट, हैदराबाद में 37 प्रतिशत बढ़कर 123.1 लाख वर्गफुट और अहमदाबाद में 11 प्रतिशत बढ़कर 18.1 लाख वर्ग फुट मांग दर्ज की गई है। हालांकि, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई और पुणे में कार्यालय की मांग में कुछ गिरावट दर्ज की गई है, जबकि कोलकाता का बाजार स्थिर रहा है। इस जानकारी से स्पष्ट है कि भारतीय कार्यालय बाजार 2024 में काफी सक्रिय रहा है और स्थिर हमलों की प्रेरक राजनीति का पाठ्य है।

एनआरडीसी कर स्थापना दिवस में होलयं डिजाइन क्लिनिक सुबिधा कर सुभारंभ

सोनू सपवार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) कर 71वां स्थापना दिवस में नई दिल्ली इस्थित मुख्यालय में डिज़ाइन क्लिनिक सुबिधा कर सुभारंभ करल गेलक। एनआरडीसी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय कर वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान बिभाग (डीएसआईआर) कर प्रसासनिक नियंत्रन में आहे।

डीएसआईआर कर सचिव आउर वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) कर महानिदेसक डॉ. एन. कलईसेलवी कार्जकरम कर अध्यछता करलयं आउर राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश कर संगे गीदारी में डिजाइन क्लिनिक सुबिधा कर उद्घाटन करलयं। ई अत्याधुनिक केंद्र स्टार्टअप, लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) के सहायता देवेक आउर उद्योगमन में डिजाइन नवाचार के प्रोत्साहन देवेक ले बनाल जाय हे।

डॉ. कलईसेलवी कर द्वारा उद्घाटन करल गेलक ई सुबिधा भारत कर उद्यमसील इकोसिस्टम ले एगो बड़ परिबर्तनकारी कदम साबित होवी। ई स्टार्टअप्स के सहायता देवेक ले एनआरडीसी द्वारा बिकसित करल जायेक वाला वन-स्टॉप-शॉप समाधान कर एगो अभिन्न अंग होवी।

समारोह कर दौरान, एनआरडीसी कर सीएमडी कमोडोर अमित रस्तोगी (सेवानिवृत्त) तकनीकी उत्कृस्टता आउर नवाचार के प्रोत्साहन देइ के आउर स्टार्टअप इकोसिस्टम कर सहजोग कइर के भारत कर आत्मनिर्भरता के आगे बढ़ायेक कर निगम कर समृद्ध बिरासत के साझा करलक। ऊ तकनीकी प्रगति आउर उद्योग में उनकर अनुप्रयोग कर बीच कर अंतर के कम करेक आउर एनआरडीसी कर महतपूर्न भूमिका उपरे भी बिचार करलयं, आउर नवाचार-संचालित अर्थबेबस्था के प्रोत्साहन देवेक ले निगम कर प्रतिबद्धता उपरे प्रकास डाललयं।

एनआरडीसी आउर राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश कर निदेसक डॉ. विद्या राकेश कर बीच एगो समझौता गेयापन (एमओए) उपरे भी एनआरडीसी कर निदेसक मंडल आउर डीएसआईआर आउर सीएसआईआर कर गनमान्य बेक्तिमन कर उपस्थिति में हस्ताछर करल गेलक। ई साझेदारी कर उद्देस नवाचार, अनुसंधान आउर डिजाइन उत्कृस्टता के प्रोत्साहन देवेक हय, जे भारत कर डिजाइन परिदृस के आगे बढ़ायेक कर दिसा में एगो महतपूर्न कदम हेके। एमओए कर आदान-प्रदान एनआरडीसी के डिजाइन सुबिधा बनायेक कर चलेक वाला प्रयास कर प्रतीक हय जे एनआरडीसी इनक्यूबेशन सेंटर में इनक्यूबेट करल गेल स्टार्टअप कर समर्थन करेला आउर देस भइर में आउर हितधारकमन कर सेवा करेला।

मुध गोतिया डॉ. एन. कलईसेलवी आपन संबोधन में भारत कर अनुसंधान आउर बिकास इकोसिस्टम कर भविस के स्वरुप देवेक में अनुसंधान, नवाचार आउर सहजोग कर महत के रेखांकित करलयं। इकर संगेहे अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन में एनआरडीसी कर भूमिका, एनआरडीसी आउर सीएसआईआर कर बीच गहन जुड़ाव आउर अन्य बिसयमन उपरे भी जानकारी देलयं। ऊ भारत के आत्मनिर्भर बनायेक में एनआरडीसी कर भूमिका के रेखांकित करलयं।

नवाचार आउर उद्यमसीलता के सहजोग देवेक ले समर्पित एगो परमुख संगठन एनआरडीसी प्रौद्योगिकी बिकास आउर सत्यापन (टीडीवीसी) जोजना चरन 2 कर तहत आदिवो डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के एक करोड़ रुपया कर बित्त पोसन परदान करलक। इक्विटी कर बदले परदान करल गेल ई फंडिंग उन्नत डायग्नोस्टिक्स कर छेतर में स्टार्टअप्स आउर एमएसएमई कर बिकास के प्रोत्साहन देवेक, उनकर पैमाना बढ़ायेक आउर बाजार में अभिनव समाधान लानेक में सहायता करेक ले एनआरडीसी कर प्रतिबद्धता के रेखांकित करेला।

इकर अलावा, एनआरडीसी कर सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार उत्कृस्ट स्टाफ सदस्यमन डॉ. भव्य मंजीरा, उप प्रबंधक, (तकनीकी) श्रेनी आउर हरि चंद, बरिसठ सहायक - परिवहन (गैर-तकनीकी) श्रेनी के परदान करल गेल, जे निगम कर सफलता में निरंतर जोगदान देइ हे। कार्जकरम में हाले में दिवंगत पूर्ब प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह कर स्मृति में रास्ट्र कर प्रति उनकर जोगदान आउर सेवा ले एक मिनट कर मौन भी राखल गेलक।

नागपुरी कविता

दुई पईसा खातिर

संतोष महली

दुई पईसा खातिर
गांव से होलैं पालायन,
नी चलत रहे होइ जिवन
दुई पईसा खातिर
गांव से होलैं पालायन।
बाड़ा आसान है कहेक
गांव घर में अन धन बरसेला,
महंगाई एतइ बढ़थे की
खरचो नी पुरेला,
शहरे शहर भटकथे तन।
दुई पईसा...गांव से...पालायन
खेती भी करैं कइसे
पानी कर ठेकान नखे,
तनि कुन ठानका गारजा में
बिजली चाईर पांच दिन कटे,
गोड़ हांथ होवत होवी सुन।
दुई पईसा...गांव से...पालायन
हाईब्रिड गोटा मिले सगरो
राखले लागथे घुन,
मशीन काम करथे आब
बनिहार कर सुखथे खुन,
सुपर मारकेट,मोल में ओफर
दुरा पहुंचथे ओनलाइन,बाबुन।
दुई पईसा खातिर
गांव से होलैं पालायन,
नी चलत रहे होइ जिवन
दुई पईसा खातिर
गांव से होलैं पालायन।

डीडीसी झारखंड समेकित आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत करल जायेक वाला काम कर समीछा करलयं

पलामू। उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद डीआरडीए सभागार में झारखंड समेकित आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत करल जायेक वाला काम कर समीछा सुकरवार के करलयं। ई दौरान प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना फ़ेज़ 1 आउर फ़ेज़ 2, सांसद आदर्श ग्राम योजना आउर आदर्श ग्राम योजना कर तहत काम कर समीचा करल गेलक। बताल गेलक कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना फ़ेज़ 1 कर तहत 20 ग्राम चयनित हयं, ई सउब गाँव ले संबंधित बीडीओ के संसोधित वीडीपी बनायेक कर निरदेस देल गेलक।

हुवें फ़ेज़ टू कर तहत 21 परखंडमन में 227 ग्राम चयनित आहे, सउब चयनित गाँव में वीडीपी आउर हर परिवार कर हाउसहोल्ड सर्वे करते पोर्टल में अपलोड करेक कर बात कहल गेलक। एहे लखे सांसद आदर्श ग्राम जोजना में 151 गो जोजनामन के लंबित पावल गेलक। ईकर उपरे उप विकास आयुक्त अहमद कहलयं कि जे जोजनामन के परखंड इया पंचायत अस्तर में क्रियान्वयन करेक में समस्या आवत हे, वइसन जोजनामन के संबंधित बिभाग के प्रस्ताव उपलब्ध करुवायेक सुनिश्चित करु। एहे पांइत में आदर्श ग्राम जोजना में 5 गो गाँव जे चुनाल हयं ऊ सउब गांव ले ग्राम विकास योजना बनायेक कर निरदेस देल गेलक। बैठकी में डीआरडीए निदेसक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संगे बिभिन्न बीडीओ आउर अभियंता उपस्थित रहयं।

मानसिक सोवास्थ्य से जुड़ल कतई समस्या महामारी कर रूप लेवत हे : राष्ट्रपति मुर्मू

निमहंस कर स्वर्न जयंती समारोह में भाइग लेलयं

बेंगलुरु। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 3 जनवरी, 2025 के बेंगलुरु में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य आउर तंत्रिका विज्ञान संस्थान यानी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंस (निमहंस) कर स्वर्न जयंती समारोह में भाइग लेलयं।

ई अवसर में राष्ट्रपति कहलयं कि रोगीमन कर असाधारन देखभाल संगे अभिनव अनुसंधान आउर कठोर सैछिक पाठ्यक्रम कर बल में निमहंस मानसिक स्वास्थ्य आउर तंत्रिका विज्ञान कर छेतर में एगो अग्रनी संस्थान बइन जाय हे। समुदाय-आधारित मानसिक सोवास्थ्य सेवा कर बेल्लारी मॉडल इतिहास रइच देइ हे। अब टेली मानस प्लेटफॉर्म ज़रूरतमंद अदमीमन तक पहुंचेक ले तकनीक कर इस्तेमाल करत हे। ई जाइन के खुसी होवेला कि देस भइर में 53 टेली मानस केंद्रमन पिछला दुई बछर कर दौरान लगभग 17 लाख अदमीमन के उनकर चुनल गेल भासा में सेवा परदान कइर हे।

राष्ट्रपति कहलयं कि अतीत में कुछ समाज में मानसिक सोवास्थ्य कर मुद्दा आउर चिंतामन उपरे पर्याप्त धेयान नी देवल जाय रहे। हालांकि, हाल कर दिन में मानसिक सोवास्थ्य कर बारे में जागरुकता बढ़त हे। मानसिक बेमारीमन से जुड़ल अवैज्ञानिक मान्यता आउर कलंक अतीत कर बात होए जाए हे। अइसन में बिभिन्न बेमारीमन से पीड़ित अदमीमन ले मदइत लेवेक आसान होए जाय हे। ई बिसेस रूप से ई बेरा एगो सोवागत जोग्य बदलाव आहे, काले कि दुनिया भइर में मानसिक सोवास्थ्य से जुड़ल कतई समस्या महामारी कर रूप लेवत हे।

राष्ट्रपति कहलयं कि बढ़त जागरुकता मरीजमन ले आपन समस्या के खुइल के साझा करेक संभव बनाए देइ हे। उनके ई जाइन के खुसी होलक कि निमहंस कन्हु भी आउर कहियों भी परामर्स कर सुबिधा ले टेली मानस आउर छउवामन आउर किसोरमन कर मानसिक सोवास्थ्य समस्यामन कर समाधान ले संवाद मंच जइसन कतई पहल कइर हे।

राष्ट्रपति कहलयं कि हमिन कर प्राचीन ऋसिमन आउर संतमन से प्राप्त गेयान आउर जिनगी कर सबक हमिन सउब के एगो आध्यात्मिकता बिकसित करेक में मदइत कइर सकयंना। इकर परिनामस्वरूप हमिन मन कर संतुलन के प्रभावित करेक वाला जिनगी कर उतार-चढ़ाव के समइझ सकीला।

राष्ट्रपति कहलयं कि हमिन कर सास्त्र हमिन के बतायला कि दुनिया में हमिन जे कुछ भी देखीला, उकर मूल में मन हेके। ऊ मानसिक आउर सारीरिक दुईयों किसिम कर कस्टमन के दूर करेक ले योग जइसन पारंपरिक बिधिमन के आधुनिक सोवास्थ्य सेवा प्रनालीमन कर संगे सफलतापूर्वक सामिल करेक ले निमहंस कर सराहना करलयं।

राष्ट्रपति कहलयं कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज कर आधारसिला हेके। ऊ बिसवास बेक्त करते कहलयं कि गेयान आउर बुद्धि कर संगे-संगे करुना आउर दया डॉक्टरमन आउर अन्य मानसिक सोवास्थ्य बिसेसज्ञमन के हर समय, हर परिस्थिति में उच्चतम गुनवत्ता वाला सेवा परदान करेक में मार्गदरसन करी।

आंदोलनकारी दिवस कर रूप में मनालयं जयपाल सिंह मुंडा जयंती

लोहरदगा। झारखंड आंदोलनकारी महासभा लोहरदगा जिला समिति कर तत्वावधान में सुकरवार के समाहरनालय कर सामने युकेलिप्टस मैदान में जिलाध्यछ अश्विनी कुजूर कर अध्यछता में जयपाल सिंह मुंडा कर जयंती के आंदोलनकारी दिवस कर रूप में मनाल गेलक।

मुध गोतिया केन्द्रीय अध्यछ राजू महतो जयपाल सिंह मुंडा आउर सिछा क्रांति ज्योति सावित्री बाई फुले के नमन करते कहलयं कि मायं सावित्री बाई फुले आउर मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा रास्ट्रीय अस्तर कर समाजिक परिबर्तन कर बुनियाद राखेक वाला ब्यक्तित्व कर नाव हय। श्री महतो कहलयं कि झारखंड आंदोलनकारीमन कर संघर्स आउर कुर्बानीमन से बइन हे। मकिल आइज आंदोलनकारीमन के आपन पहचान आउर हक कर लड़ाई लड़ेक पड़त हे। मौका में आउर अदमीमन भी आपने बिचार बेक्त करलयं । ई अवसर में बड़ संख्या में अदमीमन मौजूद रहयं।

टाटा स्टील वेस्ट बोकारो डिवीज़न कर बारसिक पुष्प आउर सब्जी परदरसनी सुरु

- संस्थान, वेंडर पार्टनर्स आउर इस्कूलमन कर लइग हे 54 स्टॉल

वेस्ट बोकारो। टाटा स्टील वेस्ट बोकारो डिवीज़न कर मेजबानी में 3 जनवरी से 5 जनवरी, 2025 तक टाटा स्टील स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, वेस्ट बोकारो में आयोजित 13वां बारसिक पुष्प आउर सब्जी परदरसनी कर 3 जनवरी के सुभारंभ होलक।

डी बी सुंदरा रामम (वाइस प्रेसिडेंट, रॉ मटेरियल्स, टाटा स्टील) डी बी शैलजा, अनुराग दीक्षित (जेनरल मैनेजर, वेस्ट बोकारो डिवीज़न, टाटा स्टील), रक्षा दीक्षित, महेश प्रसाद (अध्यछ, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन, वेस्ट बोकारो) आउर पीके सिंह (सचिव, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन, वेस्ट बोकारो) कर उपस्थिति में ई परदरसनी कर फीता काइट के बिधिबत उदघाटन करलयं।

ई अवसर में डी बी सुंदरा रामम कहलयं, 'हमिन कर पूर्वजमन मानव जिनगी में प्रकृति कर महत्व के समझलयं आउर टाटा स्टील उकर से मिलल सबक के आगे बढ़ात हे। आइज, हमिन समुदाय आउर समाज कर जिनगी कर गुनवत्ता में सुधार ले लगसते काम करत ही, ताकि हमिन कर आवेक वाला पीढ़िमन स्वच्छ बाताबरन में रईह सकयं। आइज ई परदरसनी में इस्कूली छउवामन ऊर्जा संरछन आउर आउर ग्लोबल वार्मिंग कर बारे में बात करलयं, जेकर से पता चलेला कि छउवामन ई मुद्दा कर बारे में कतई जागरूक हयं।'

ई तीन दिनक आयोजन में बिभिन्न संस्थानमन, वेंडर पार्टनर्स आउर बिभिन्न इस्कूलमन कर 54 गो स्टॉल कर संगे 7 गो फूड स्टॉल भी लगाल जाए हे। कार्जकरम में बिभिन्न खास क़िसिम कर फूल, सबजी आउर पौधा के परदरसित करल जाय हे। परदरसनी में सैंड पेंटिंग, रंगोली, स्केच पेंटिंग, कलर पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट आउर आस पास कर नर्सरी कर बीच बिभिन्न प्रतिजोगिता कर आयोजन करल जाई। इकर संगे झारखंड कर संस्कृति से जुड़ल सांस्कृतिक कार्जकरम कर प्रस्तुति भी होवी। परदरसनी कर समापन 5 जनवरी, 2025 के होवी।

ई अवसर में राजेश चिंतक (चीफ़, एचआरबीपी, रॉ मटेरियल्स, टाटा स्टील), पी के त्रिपाठी (चीफ़, रॉ मटेरियल्स, टेक्नोलॉजी ग्रुप, टाटा स्टील), आनंद कुमार (चीफ़, लैंड, रॉ मटेरियल्स), बी वी सुधीर कुमार (चीफ़, कोल बेनीफिशिएशन, वेस्ट बोकारो डिवीज़न), राजेश पटेल (चीफ़, क्वेरी एबी, वेस्ट बोकारो डिवीज़न), मजहर अली (चीफ़, इंजीनियरिंग एंड प्रोजेक्ट्स, वेस्ट बोकारो डिवीज़न), मृणाल भद्रा (चीफ़, क्वेरी एसई, वेस्ट बोकारो डिवीज़न), प्रवीण (हेड, प्लानिंग, वेस्ट बोकारो डिवीज़न) संगे टाटा स्टील कर बरीय अधिकारी, यूनियन पदाधिकारी, कर्मचारी आउर समुदाय कर सउब अदमी पहुंचल रहयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com